राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

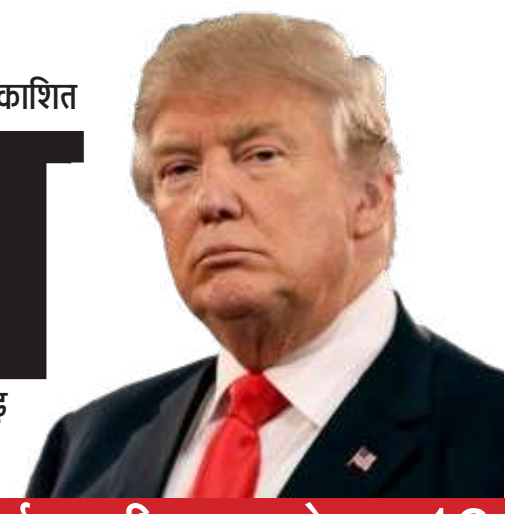

11 नेपाल की चुनौती को काबूकर बांग्लादेश सुपर ...

ट्रंप ने किया इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 67 | नई दिल्ली, मंगलवार, 18 जून, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने रविवार रात जिले के अरागाम इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि एक आतंकवादी मारा गया है। उसने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक अभियान जारी था। चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष ख़ुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा 16-17 जून की रात को गुरीहाजिन, अरागाम बांदीपोरा में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया; एक आतंकवादी मारा गया, अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

ट्रेन हादसा : पश्चिम बंगाल में मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से मारी टक्कर

मालगाड़ी और कंचनजंगा एक्सप्रेस में टक्कर से 15 लोगों की मौत, 60 घायल

प्रात : किरण

न्यू जलपाईगुड़ी/कोलकाता/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार को सुबह एक मालगाड़ी की टक्कर लगने के कारण सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस के पीछे के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे कम से कम 15 यात्री मारे गए और 60 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, कई लोग अभी भी डिब्बों में अंदर फंसे हुए हैं। राज्य और केंद्र की विभिन्न एजेंसियां स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में युद्धस्तर पर लगी हैं। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि मृतकों में मालगाड़ी का पायलट और सह-पायलट भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए लोगों को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि उत्तर बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से लगभग 30 किलोमीटर दूर रंगापानी स्टेशन के पास ही मालगाड़ी के इंजन द्वारा पीछे से टक्कर मारे जाने के कारण कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डब्बे पटरी से उतर गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना दुखद है। जिन लोगों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। उन्होंने आगे कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि हादसे में घायल हुए लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। मैंने अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों का सहायता के लिए बचाव अभियान जारी है। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। रेल अधिकारियों से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यात्री ट्रेन पटरी पर खड़ी थी, तभी मालगाड़ी ने पीछे से उसे टक्कर मार दी। भीषण टक्कर के कारण कंचनजंगा एक्सप्रेस के दो पिछले डिब्बे तुरंत ही पटरी से उतर गए, जबकि एक अन्य डिब्बा मालगाड़ी के इंजन के ऊपर, अधर में लटक गया।

अधिकारियों ने बताया कि इलाके में खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। इस दुर्घटना ने एक वर्ष पहले ओडिशा के बहनागा बाजार के निकट हुए कोरोमंडल एक्सप्रेस दुर्घटना की यादों को ताजा कर दिया है। इस हादसे में लगभग 300 लोग मारे गए थे तथा 1,000 से अधिक लोग घायल हुए थे।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ण पर किए पोस्ट ने कहा, ह्यअभी-अभी दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा इलाके में एक दुखद रेल दुर्घटना होने के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। विस्तृत जानकारी का इंतजार है, बताया जाता है कि कंचनजंगा एक्सप्रेस को एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी है। उन्होंने आगे लिखा, ह्यजिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, डॉक्टर, एंबुलेंस और आपदा टीमों को बचाव, राहत और चिकित्सा सहायता के लिए घटनास्थल पर भेज दिया गया है। युद्धस्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस दुर्घटना के कारण उत्तर बंगाल और देश के पूर्वोत्तर भाग से लंबी दूरी की रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं।

राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित यात्रियों के परिवहन के लिए आपातकालीन आधार पर क्षेत्र से अतिरिक्त बस सेवाएं शुरू की जा रही हैं। शुरूआती खबरों से पता चला है कि मालगाड़ी के लोको पायलट ने शायद सिग्नल को पार कर लिया होगा। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि सिग्नलिंग सिस्टम में कोई समस्या थी या नहीं या इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनें एक-दूसरे के इतने करीब कैसे आ गईं।

दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिस्ता उन नेताओं में शामिल हैं जो बचाव कार्यों का निरीक्षण करने के लिए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। कंचनजंगा एक्सप्रेस के कोच संख्या एस6 में सवार अगरतला के एक यात्री ने बताया कि उसे अचानक तेज झटका महसूस हुआ और भीषण आवाज के साथ डिब्बा रुक गया। उसने यह भी दावा किया कि राहत और बचाव कार्यों में देरी हुई।

एक टेलिविजन चैनल से बात करते हुए यात्री ने कहा, मेरी पत्नी, बच्चा और मैं किसी तरह क्षतिग्रस्त कोच से बाहर निकले। हम अभी भी परेशान ही हैं। बचाव कार्य भी काफी देर से शुरू हुआ।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल दुर्घटना स्थल का दौरा किया: कोलकाता। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार अपराह्न पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास रंगापानी में ट्रेन दुर्घटना स्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

सड़क बड़े वाहनों के चलने के लिहाज से संकरी होने के कारण रेल मंत्री को दुर्घटना स्थल तक पहुंचने के लिये कुछ दूरी मोटरसाइकिल के पीछे बैठकर तय करनी पड़ी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक अधिकारी के अनुसार, सोमवार सुबह रंगापानी स्टेशन के पास एक मालगाड़ी सियालदह जाने वाली कंचनजंघा एक्सप्रेस से पीछे से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने रेल हादसे में लोगों की मौत पर जताया शोक, मुआवजे की घोषणा की: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में रेल हादसे में लोगों की मौत पर शोक जताया और कहा कि उन्होंने अधिकारियों से बात कर स्थिति का जायजा लिया तथा उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल में हुआ रेल हादसा बहुत ही दुखद है।

उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, अधिकारियों से बात की और स्थिति का जायजा लिया। प्रभावितों की सहायता के लिए बचाव कार्य जारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी दुर्घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजा राशि की घोषणा की। पीएमओ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

रेल दुर्घटना पर राष्ट्रपति मुर्मू ने शोक व्यक्त किया: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में हुई रेल दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल में रंगापानी स्टेशन के पास सोमवार को एक मालगाड़ी और सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस के बीच टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच लोग मारे गए और करीब 30 अन्य लोग घायल हो गए।

बंगाल ट्रेन हादसा: प्रशासन ने जारी किये हेल्पलाइन नंबर: पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी के समीप हुए ट्रेन हादसे के बाद राहत एवं बचाव का काम जोर-शोर से जारी है तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रक्रिया बल (एसडीआरएफ और 15 एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस घटना के बारे में पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। वे वॉर रूम में मौजूद हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

प्रशासन ने पीड़ितों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। न्यू बोंगाईगांव स्टेशन हेल्पलाइन नंबर 9435021417 9287998179 हैं। वहीं अलुआबारी रोड इमरजेंसी नंबर- 8170034235, किशनगंज इमरजेंसी नंबर- 7542028020 और 06456-226795, दालखोला इमरजेंसी नंबर- 8170034228 बारसोई इमरजेंसी नंबर- 7541806358 और सैमसी इमरजेंसी नंबर- 03513-265690 03513- 265692 हैं।

दार्जिलिंग रेल दुर्घटना पर धनखड़ ने जताया दुख: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में हुई रेल दुर्घटना पर गहरा दुख प्रकट किया है। श्री धनखड़ ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दार्जिलिंग में रेल दुर्घटना में लोगों का मारा जाना दुखद है। उन्होंने कहा, मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिजनों के साथ है। उन्होंने घायलों के शीघ्र समस्त होने की कामना भी की। दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस रेलगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें कई लोगों के हताहत होने की खबरें हैं।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने आठ लोगों के मरने की पुष्टि की

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं सीईओ जया वर्मा सिन्हा ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में न्यू जलपाईगुड़ी के समीप ट्रेन हादसे में आठ लोगों के मरने की पुष्टि की है। सुश्री सिन्हा ने कहा, प्रथम दृष्टया मानवीय भूल इसकी वजह मानी जा रही है। शुरूआती संकेत से पता चलता है कि यह सिग्नल की अनदेखी का मामला है। कवच को पश्चिम बंगाल के लिए योजना के अनुसार प्रचारित किया जाना चाहिए।

ट्रेन हादसे को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को भीषण ट्रेन हादसे को लेकर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेताओं ने अनुसार यह केंद्र सरकार के घोर कुप्रबंधन का नतीजा है।

रेलवे मंत्रालय में घोर कुप्रबंधन- मल्लिकार्जुन खरगे: खरगे ने इस दुखद हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ितों के परिजनों को तत्काल मुआवजा प्रदान किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते 10 वर्षों में मोदी सरकार ने रेलवे मंत्रालय में घोर कुप्रबंधन किया है। खरगे ने आगे कहा ह्यमोदी सरकार ने रेल मंत्रालय को कैमरे से संचालित होने वाले मंच में बदल दिया है। आज का हादसा इस स्याह सच की बानगी पेश करता है। कांग्रेस नेता अपने सवालों पर कायम रहेंगे और भारतीय रेलवे के कुप्रबंधन के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह बनाएंगे।

बीते 10 वर्षों में रेल हादसों में बढ़ोतरी- राहुल गांधी : उधर राहुल गांधी ने भी इस हादसे के बाद केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कुप्रबंधन और लापरवाही की वजह से बीते 10 वर्षों में रेल हादसों में बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से आए दिन लोगों की मौत हो रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा ह्यआज की दुर्घटना इस वास्तविकता का एक और उदाहरण है। एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में, हम इस घोर लापरवाही पर सवाल उठाते रहेंगे और इन दुर्घटनाओं के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराएंगे। कांग्रेस नेता ने इस हादसे पर शोक प्रकट किया।

रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा की परवाह नहीं- ममता बनर्जी

उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि रेल मंत्रालय को यात्रियों की सुरक्षा की कोई परवाह नहीं है। यहां तक कि रेलवे मंत्रालय को अपने अधिकारियों, इंजीनियरों, कर्मचारियों और श्रमिकों की भी परवाह नहीं है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि वे पूरी तरह से रेलवे कर्मचारियों और रेलवे अधिकारियों के साथ हैं। लेकिन केंद्र सरकार को सिर्फ चुनाव की चिंता है। पश्चिम बंगाल की सीएम ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को इस बात की फिक्र रहती है कि चुनाव में हेरफेर और धांधली कैसे करनी है।

लालू यादव ने उठाए सवाल: लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया एक्स पर एक लाइन का मैसेज पोस्ट किया है, जिसमें लिखा है- 'देश में लगातार हो रहे रेल हादसों का जिम्मेवार कौन है ? लालू प्रसाद के इस ट्विट पर लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर जीतेंद्र प्रसाद सिंह, जिसने बायो में खुद को मोदी समर्थक लिखा है ने लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में हुए रेल दुर्घटनाओं का लिस्ट जारी करते हुए सवाल किया है क्या लालू प्रसाद ने इन दुर्घटनाओं के बाद इस्तीफा दिया था। वहीं कुछ यूजर्स ने लालू यादव के कार्यकाल को बेहतर बताया।

भीषण गर्मी के कारण आठवीं कक्षा तक सभी स्कूल बंद

पटना और गया के डीएम ने जारी किया आदेश

प्रात : किरण

पटना। बिहार में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। आसमान से आग बरस रहे हैं। पटना समेत कई जिलों में भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। कई लोग लू लगने से बीमार पड़ रहे हैं। पटना और गया में प्रचंड गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन सभी स्कूल बंद करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि 18 और 19 जून तक उष्ण लहर की स्थिति बने रहने की सूचना मिली है। इसलिए 19 जून तक सभी स्कूल में आठवीं कक्षा तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।

शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगाया गया

पटना के डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि उष्ण लहर के कारण छात्रों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसलिए आठवीं कक्षा तक स्कूल में पढ़ाई 19 जून तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। इस अवधि में अपने कार्यालय कार्य कर सकते हैं। साथ ही ऑनलाइन माध्यम से कक्षाओं के संचालन की छूट होगी। 19 जून तक प्रभावी रहेगा।

प्रचंड गर्मी व लू से जन जीवन बेहाल : राजधानी पटना सहित पूरे प्रदेश में प्रचंड गर्मी व लुक कहर जारी है जंजीवाद जनजीवन पूरी तरह बेहाल है। लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। पूरा बिहार भीष्म उष्ण लहर और उष्ण लहर की चपेट में है। आग बरस रहे आसमान से आमजनों के साथ पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, और जानवर तक परेशान हैं। बारिश के बिछड़ते इस मौसम में खेतों में दरार पड़ते जा रहे हैं। खेती की समय सीमा एक सप्ताह शेष रह गई है। अगर ऐसी स्थिति में मानसून बिहार में प्रवेश नहीं करती है तो किसानों को अपने धन के बीज रोकने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है और किसान खेती कार्य में पिछड़ सकते हैं। कुछ किसानों का यह मानना है कि अपनी बोरिंग से वह अपने खेत में पानी का पटवन करके धान का बीज तो डाल चुके हैं लेकिन, तेज धूप और भीषण उष्ण लहर के कारण धान के पौधे जलने लगे हैं। मौसम विश्लेषण के अनुसार दक्षिण पश्चिम भाग के बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल जिले में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस जबकि दक्षिण मध्य भाग के पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री रहने की संभावना है।

पेपर लीक रोकने को नया कानून बनाएगी नीतीश सरकार

जल्द ही 1 लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण की तैयारी

प्रात : किरण

पटना। विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक आम बात हो गई है। पेपर लीक पर रोक लगाने को लेकर नीतीश सरकार गंभीर है लाख प्रयासों के बाद भी पर्चा लीक नहीं रूक रहा। ऐसे में नीतीश सरकार सख्त कानून बनाने जा रही है। अगले विधानमंडल सत्र में इस संबध में सरकार बिल पेश करेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को इस संबंध में अपनी मंशा स्पष्ट कर दिया है

अगले विधानमंडल सत्र में आयेगा प्रस्ताव :

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंत्रियों और अधिकारियों की बैठक में स्पष्ट तौर पर कहा कि नियुक्ति के लिए आयोजित परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता और प्रश्न पत्र लीक न हो, इसको लेकर उन्होंने एक सख्त कानून बनाने का निर्देश दिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि इससे संबंधित प्रस्ताव आगामी विधानसभा के सत्र में लाया जाय।

सरकारी नौकरी का खुलने वाला है पिटारा :

बिहार में सरकारी नौकरी का पिटारा खुलने वाला है। बहुत जल्द 1 लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण की तैयारी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सरकारी नौकरी और रोजगार देने को लेकर दोनों डिप्टी सीएम, मंत्रियों और विभाग के प्रधान सचिवों को युद्द स्तर पर लगने को कहा है। विस चुनाव से पहले तक नीतीश सरकार 10 लाख की बजाय 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देगी। सीएम नीतीश कुमार ने सात निश्चय- 2 के अन्तर्गत 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री, संबंधित विभागों के मंत्रीगण, मुख्य सचिव, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/ सचिव के साथ बैठक कर आगामी एक वर्ष में लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बचे हुये नौकरी एवं रोजगार देने के काम को कार्ययोजना बनाकर मिशन मोड में पूर्ण करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने बताया कि अब तक 5 लाख 16 हजार लोगों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 1 लाख 99 हजार सरकारी नौकरी से संबंधित नियुक्ति हेतु प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है। अगले तीन महीने के अंदर नियुक्ति पत्र वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। नियुक्ति करने वाले विभिन्न आयोगों को 2 लाख 11 हजार नई नियुक्ति हेतु अधियाचना भेजी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त अगले एक महीने में 2 लाख 34 हजार रिक्तियों की अधियाचना विभिन्न आयोगों को भेजी जायेगी। साथ ही आगामी वर्ष में नियुक्ति हेतु 72 हजार और रिक्तियां होने का अनुमान है, जिसकी अधियाचना अगले वर्ष भेजी जायेगी।

बता दें, सात निश्चय- 2 के अन्तर्गत 5 लाख 16 हजार नियुक्तियां की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 1 लाख 99 हजार नियुक्ति पत्र वितरण के लिये तैयार है। साथ ही 5 लाख 17 हजार रिक्तियों के विरूद्ध नियुक्ति प्रक्रियाधीन है यानी (5 लाख 16 हजार + 1 लाख 99 हजार + 5 लाख 17 हजार) कुल 12 लाख से अधिक सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है। इस प्रकार मुख्यमंत्री के सात निश्चय 2 के अन्तर्गत 10 लाख सरकारी नौकरी देने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, उसे पार करते हुये वर्ष 2024-25 तक 12 लाख से अधिक लोगों को सरकारी नौकरी दे दी जायेगी। सात निश्चय - 2 के अन्तर्गत 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था। अब तक सात निश्चय- 2 के अन्तर्गत 22 लाख से अधिक रोजगार सृजित किये जा चुके हैं और आने वाले एक वर्ष में 11 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किये जायेंगे।

दौरा | बिहार में बुधवार को नालंदा विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन करेंगे पीएम

पीएम मोदी आज और कल उत्तर प्रदेश और बिहार का करेंगे दौरा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज और कल उत्तर प्रदेश और बिहार का दौरा करेंगे। इस दौरान वह पीएम किसान की 17वीं किस्त के तहत 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करेंगे, स्वयं सहायता समूहों की 30 हजार से अधिक महिलाओं को कृषि सखियों के रूप में प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे और बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री 18 जून को शाम लगभग पांच बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में भाग लेंगे। शाम करीब सात बजे प्रधानमंत्री दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखेंगे और रात करीब आठ बजे काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा और दर्शन भी करेंगे। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोदी की वाराणसी की यह पहली यात्रा है।

शपथ लेने के बाद, प्रधानमंत्री ने किसान कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए पीएम किसान निधि की 17 वीं किस्त जारी करने के लिए अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए थे। पीएमओ ने कहा कि इस प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से ह्यप्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत लगभग 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की 17 वीं किस्त जारी करेंगे। अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान

परिवारों को पीएम-किसान के तहत 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है। इस दौरान, प्रधानमंत्री कृषि सखियों के रूप में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 30 हजार से अधिक महिलाओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान करेंगे। पीएमओ ने कहा कि ह्यकृषि सखी कन्वर्जेंस प्रोग्राम(केएससीपी) का उद्देश्य कृषि सखियों को प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करके ग्रामीण महिलाओं को कृषि सखी के रूप में सशक्त बनाकर ग्रामीण भारत को बदलना है। यह प्रमाणन पाठ्यक्रम लखपति दीदी कार्यक्रम के उद्देश्यों से जुड़ा है। अगले दिन बुधवार को सुबह लगभग 9.45 बजे प्रधानमंत्री नालंदा का दौरा करेंगे। वह सुबह करीब 10.30 बजे बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के परिसर का उद्घाटन करेंगे और एक सभा को भी संबोधित करेंगे। विश्वविद्यालय की कल्पना भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) देशों के बीच संयुक्त सहयोग के रूप में की गई है। उद्घाटन समारोह में 17 देशों के मिशन प्रमुखों सहित कई प्रतिष्ठित लोग भाग लेंगे।

परिसर में 40 कक्षाओं के साथ दो शैक्षणिक ब्लॉक हैं जिनकी कुल बैठने की क्षमता लगभग 1900 है। इसमें दो सभागार हैं जिनमें प्रत्येक में 300 सीटों की क्षमता है। इसमें लगभग 550 छात्रों की क्षमता वाला एक छात्र छात्रावास है। इसमें इंटरनेशनल सेंटर, एम्फीथिएटर सहित कई अन्य सुविधाएं भी हैं। पीएमओ ने कहा कि यह परिसर एक नेट जीरोह्ण ग्रीन कैंपस है। यह सौर संयंत्र, घरेलू और पेयजल उपचार संयंत्र, अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के लिए जल पुनर्चक्रण संयंत्र, 100 एकड़ जल निकायों और कई अन्य पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं से लैस है। विश्वविद्यालय का इतिहास से गहरा संबंध है। लगभग 1600 साल पहले स्थापित मूल नालंदा विश्वविद्यालय को दुनिया के पहले आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है। साल 2016 में, नालंदा के खंडहरों को संयुक्त राष्ट्र विरासत स्थल के रूप में घोषित किया गया था।

वायनाड से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी वाड्रा

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया ऐलान

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक की और राहुल गांधी की संसदीय सीट को लेकर फैसला किया। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि राहुल गांधी वायनाड सीट छोड़ेंगे और रायबरेली अपने पास रखेंगे। इसके बाद प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार होंगी। इस मीटिंग में सोनिया गांधी के साथ राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल भी शामिल हुए। खरगे ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हम सबने बैठक में यह तय कर लिया कि राहुल गांधी रायबरेली सीट अपने पास रखेंगे, क्योंकि रायबरेली पहले से भी उनके काफी नजदीक रही है। उस परिवार के साथ जुड़ाव है और पीढ़ियों से वहां से लड़ते आए हैं। इसलिए वहां

के लोगों और पार्टी के लोगों का भी कहना है कि वह रायबरेली की सीट अपने पास रखें। वायनाड के लोगों का प्यार भी राहुल को मिला है। वे लोग चाहते हैं कि राहुल वायनाड में ही रहें, लेकिन कानून इसकी इजाजत नहीं देता। इसलिए वायनाड सीट से प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ेंगी।

राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह एक मुश्किल फैसला था क्योंकि रायबरेली और वायनाड, दोनों से उनका भावनात्मक लगाव है। उन्होंने कहा, ह्यह्यवायनाड से सांसद के तौर पर पिछले पांच साल बहुत शानदार और सुखद अनुभव वाले रहे हैं। वायनाड के लोगों ने मुझे बहुत कठिन समय में लड़ने के लिए समर्थन और ऊर्जा दी। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा।" उन्होंने कहा, ह्यह्यमैं वायनाड का दौरा करना जारी रखूंगा और वायनाड से किये गए वादे पूरे किए जाएंगे। राहुल ने आगे कहा कि रायबरेली और वायनाड को ह्यह्यदो-दो सांसद मिलेंगे।" उन्होंने कहा, ह्यह्यरायबरेली से मेरा पुराना नाता है और मुझे बहुत खुशी है कि मैं इसका प्रतिनिधित्व करूंगा। यह कोई आसान फैसला नहीं था, क्योंकि मेरा लगाव दोनों (वायनाड और रायबरेली) से है ह्णह्ण

बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि मैं इस फैसले से बहुत खुश हूं। वायनाड का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात होगी। मैं एक अच्छा प्रतिनिधि बनने की कोशिश करुंगी। रायबरेली से मेरा पुराना रिश्ता है और मैंने रायबरेली और अमेठी के लिए काफी काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

उपभोक्ताओं को मात्र आधा घंटा मिल रहा अमृत जल

काशीपुर, एजेंसी। गर्मी में बिजली कटौती और लोड कम होने से जलसंस्थान के टैंक नहीं भर पा रहे हैं। जिसके चलते अमृत योजना में सुबह शाम एक-एक घंटे सप्लाई के जगह आधा घंटा ही पानी दिया जा रहा है। गर्मी के चलते बिजली और पानी की समस्या लगातार दिखाई दे रही है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज के कारण जलसंस्थान के ओवर हैड टैंक की मोटर पानी नहीं खींच पा रही है। जिस कारण टैंक भर नहीं पा रहे हैं। ऐसे में संस्थान की ओर से भी उपभोक्ताओं को पानी कम पहुंच पा रहा है। अमृत योजना के तहत दिए गए कनेक्शनों को सुबह-शाम एक-एक घंटा पानी देना है, लेकिन वर्तमान में बिजली की आंख मिचौली के कारण संस्थान के टैंक भी पूरे नहीं भर पा रहे हैं। जिस कारण कई इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित है। उपभोक्ताओं का भी कहना है उनके नलों में मुश्किल से आधे घंटे पानी आ रहा है। पहले की तरह पानी की स्पीड भी कम है। जिससे उनकी टंकियां भी नहीं भर पा रही है। ऐसे में पानी की बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं। कुर्मांचल कॉलोनी निवासी सुभाष गोला, नरेंद्र, राकेश और नंदराम ने बताया कि बीते महीने से यह समस्या आ रही है। पानी जहां एक घंटे आता था, वह अब आधे घंटे भी मुश्किल से आ रहा है। जिस वजह से पानी की टंकियां भी नहीं भर पा रही है। सिर्फ पीने का पानी भरने योग्य हो जा रहा है।

गांजा तस्कर को 10 साल की सजा

अल्मोड़ा, एजेंसी। विशेष सत्र न्यायाधीश ने गांजा तस्करी के दोषी त्रिलोक सिंह, निवासी बेल्टी, भिकियासैंण को 10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। उसे एक लाख रुपये जुर्माना भी चुकाना होगा। वहीं, इसी मामले में एक आरोपी भूपेंद्र सिंह निवासी बाड़ीकोट, भिकियासैंण को दोषमुक्त किया है। 10 जनवरी 2023 को चेकिंग के दौरान भतरौंजखान पुलिस ने कठपतिया तिराहे पर एक कार को रोका और उसकी तलाशी ली। कार में दो कट्टों में भरा 22.225 किलो गांजा बरामद हुआ। आरोपी कार सवार त्रिलोक सिंह और भूपेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। तब से यह मामला न्यायालय में चल रहा था। विशेष सत्र न्यायाधीश ने सभी पक्षों-गवाहों को सुनने और साक्ष्यों का परिशीलन करने के बाद आरोपी त्रिलोक सिंह को दोषी करार देते हुए उसे 10 साल कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। वहीं, दूसरे आरोपी भूपेंद्र सिंह को दोषमुक्त किया है। मामले में अभियोजन पक्ष की तरफ से आठ गवाह पेश किए।

आभूषण साफ करने के नाम पर सोने के कुंडल उड़ाए

खटीमा, एजेंसी। जेवर साफ करने के नाम पर दो लोगों ने महिला के सोने के कुंडल पार कर लिए। बाद में महिला के शोर मचाने पर दो बाइक सवार लोग भाग गए। पकड़िया में दो बाइक सवार लोग जेवर साफ करवाने की बात कहकर आए थे। ये लोग पायल नाम की महिला के घर पहुंचे। महिला ने अपनी अंगूठी और बिछुए निकालकर दे दिए। इसके बाद पायल करीब आधे तोले के सोने के कुंडल लाई। उन्होंने बर्तन में पानी में केमिकल मिलाकर कुंडल डाल दिए। उन्होंने महिला से दोबारा पानी मंगवाया, जैसे ही महिला पानी लेकर आई उन्होंने उसे कटोरी पकड़ा दी। फिर गरम पानी करके लाने को कहा।

कांग्रेस ने उद्यान घोटाले में मंत्री का मांगा इस्तीफा

हल्द्वानी, एजेंसी। न्यायालय से उद्यान घोटाले की सीबीआई जांच के आदेश जारी होते ही कांग्रेस राज्य सरकार पर हमलावर हो गई है। शनिवार को कांग्रेसियों ने बुद्ध पार्क में सरकार का पुतला जलाते हुए उद्यान मंत्री और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने कहा कि देवभूमि को शर्मसार करने वाले उद्यान घोटाले पर सीबीआई की विस्तृत जांच रिपोर्ट ने भाजपा राज की पोल खोल दी है। नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री और उद्यान मंत्री गणेश जोशी को अपना पद छोड़ देना चाहिए। जिला महामंत्री मलय बिष्ट ने कहा कि भाजपा के संरक्षण में ही उत्तराखंड को लूटने का खेल लंबे समय से चल रहा है।

बनभूलपुरा में वाहनों की एंट्री बंद, नैनीताल नहीं जा सकेंगे बाइक सवार; 17 से 19 तक इन रुट्स पर डायवर्जन

हल्द्वानी, एजेंसी।
ईद-उल-अजहा पर सोमवार को हल्द्वानी में रूट डायवर्जन रहेगा। गौलापुल रेलवे क्रासिंग से ताज चौराहे व ताज चौराहे से गौलापुल रेलवे क्रासिंग की तरफ दोपहिया व चौपहिया वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी है। मंगलपड़ाव से घासमंडी की तरफ भी वाहन नहीं जा सकेंगे।

खास बात यह कि 17 से 19 जून तक ईद मनाने के लिए बाइकों से नैनीताल, भवाली व भीमताल जाने वालों को पुलिस बैरियर पर रोककर लौटा देगी। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि रूट डायवर्जन प्रातः सात बजे से देर शाम तक जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है। रामपुर रोड से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले वाहन टीपीनगर तिराहा से डायवर्ट होकर बरेली रोड से तीनपानी बाईपास तिराहे होकर गौला बाईपास से काठगोदाम जाएंगे। बरेली रोड से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले वाहन तीनपानी बाईपास तिराहा से गौला बाइपास होकर काठगोदाम को जाएंगे। कालाढूंगी की ओर से आने वाले वाहन लालडांठ तिराहे से डायवर्ट होकर पनचक्की तिराहा से काठगोदाम को

जाएंगे। भीमताल व नैनीताल रोड की ओर से आने वाले वाहन नारीमन तिराहा काठगोदाम से डायवर्ट होकर गौला बाइपास से बरेली रोड व रामपुर रोड की ओर जाने वाले शेष वाहन मंडी बाईपास से टीपीनगर तिराहे से जाएंगे। पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाली रोडवेज व केमू की बसें नारीमन तिराहे से तिकोनिया वर्कशाप लाइन होकर रोडवेज स्टेशन तक आएंगी। रोडवेज स्टेशन हल्द्वानी से बरेली व रामपुर रोड की ओर जाने वाली समस्त रोडवेज बसें रोडवेज के पश्चिमी गेट से सिंधी चौराहा से गंतव्य को जाएंगी। रोडवेज स्टेशन हल्द्वानी से कालाढूंगी रोड की ओर जाने वाली बसें रोडवेज पूर्वी गेट से वर्कशाप लाइन से प्रेम टाकिज होकर तिकोनिया से डिग्री हाइडिल गेट तिराहे से कालाढूंगी रोड में जाएंगी। बरेली रोड से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले वाहन तीनपानी तिराहा से डायवर्ट कर गौला बाइपास से नारीमन तिराहा काठगोदाम को जाएंगे। अन्य छोटे वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर गांधी इंटर कालेज से डायवर्ट कर आइटीआइ तिराहे से मुखानी चौराहा होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। रामपुर रोड से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले वाहन जिन्हें नैनीताल जाना है वह पंचायतघर तिराहे से डायवर्ट होकर आरटीओ रोड होकर हनुमान मंदिर से कालाढूंगी रोड होकर गंतव्य को जाएंगे। शेष वाहन शीतल होटल तिराहे से डायवर्ट होकर तीनपानी तिराहा बरेली रोड से गौला बाईपास होकर नारीमन तिराहा को जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर आइटीआइ तिराहे से डायवर्ट कर मुखानी चौराहा को भेजा जा सकता है।

कालाढूंगी रोड से आने वाले वाहन ऊंचापुल, लालडांठ तिराहे से डायवर्ट कर हाईडिल तिराहा से कालटैक्स को जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर मुखानी चौराहा, नवाबी रोड तिराहे से वाहन डायवर्ट किए जाएंगे। नैनीताल की ओर से बरेली रोड को आने वाले वाहन नारीमन तिराहा काठगोदाम से गौला बाईपास होकर जाएंगे। नैनीताल से रामपुर व कालाढूंगी रोड की ओर जाने वाले वाहन कालटैक्स तिराहे व हाइडिल तिराहे से पनचक्की मुखानी चौराहा व लालडांठ तिराहे को जाएंगे।

रामपुर रोड, बरेली रोड, चोरगलिया रोड, कालाढूंगी रोड से ईद मनाने के लिए पर्वतीय क्षेत्र (नैनीताल, भीमताल, भवाली) को जाने वाले समस्त दोपहिया वाहनों का प्रवेश 17 जून से 19 जून तक वर्जित रहेगा। चैकिंग प्वाइंट (टांडा बैरियर, बेलबाबा, आम्रपाली चौकी, खेड़ा चौकी, नारीमन तिराहा, भीमताल मोड़) में रोककर बाइक सवारों को वापस लौटा दिया जाएगा।

चार महीने बाद बनभूलपुरा मामले में पहली जमानत, पुलिस पर पथराव के बाद थाने को लगा दी थी आग

हल्द्वानी, एजेंसी।
बनभूलपुरा हिंसा से जुड़े मामलों में चार महीने बाद एक स्थानीय युवक को जमानत मिली है। मेडिकल आधार पर न्यायालय ने उसके प्रार्थनापत्र को स्वीकार किया है। आरोपित गंभीर बीमारियों से ग्रस्त है। हिंसा से जुड़े तीन में दो प्राथमिकी में पुलिस ने उसे आरोपित बनाया था।

आठ फरवरी को बनभूलपुरा स्थित मलिक के बगीचे में नगर निगम, प्रशासन और पुलिस की टीम नजूल भूमि को कब्जे से मुक्त कराने के लिए गई थी। इस दौरान जमीन पर बने मदरसे और नमाजस्थल को ध्वस्त करने के दौरान हिंसा भड़क उठी।

देखते-देखते भारी भीड़ ने चारों तरफ से पथराव शुरू कर दिया। इसके बाद थाने में भी आगजनी कर दी गई। वहीं, हिंसा को लेकर बाद में पुलिस ने तीन-तीन अलग प्राथमिकी दर्ज की थी। 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें महिलाएं भी शामिल थी। इसके बाद कुछ आरोपितों ने जमानत के लिए प्रार्थनापत्र भी दाखिल किया। लेकिन आवेदन खारिज हो गया।

इस बीच पता चला कि हिंसा मामले में जेल में बंद एक युवक गंभीर बीमारियों से ग्रस्त है। आरोपित की तरफ से पैरवी करने वाले अधिवक्ता मनीष पांडे ने बताया कि मेडिकल आधार पर एडीजे फर्स्ट की कोर्ट में जमानत को प्रार्थनापत्र लगाया गया था। जिसे स्वीकार कर लिया गया। फिलहाल युवक हल्द्वानी जेल से बाहर आ चुका है। हिंसा मामले में 107 लोग गिरफ्तार हुए थे। बनभूलपुरा हिंसा को लेकर पुलिस ने तीन प्राथमिकी दर्ज की थी। जबकि नगर निगम की ओर से सरकारी जमीन को खुर्द-बुर्द करने के मामले में चौथी प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। कुल 107 लोगों की गिरफ्तारी पुलिस ने की थी। चार माह बाद एक को मेडिकल आधार पर जमानत मिल चुकी है।

युकां ने निगम कर्मियों को निर्धारित वेतन देने की मांग की, ज्ञापन सौंपा

काशीपुर, एजेंसी।
युवा कांग्रेस ने नगर निगम ठेकेदारों द्वारा निगम कर्मियों को श्रम विभाग से निर्धारित वेतन से कम देने पर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर श्रम विभाग के आदेशों का पालन कराने की मांग की। युकां महानगर अध्यक्ष राहुल रमनदीप कांबोज व महासचिव अनित मारकंडे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर आयुक्त विवेक राय को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा कि नगर निगम में निगम कर्मचारियों के साथ शोषण हो रहा है। नगर निगम के अंतर्गत अनुबंध के माध्यम से कार्योजित कार्मिकों को ठेकेदार के द्वारा अल्प वेतन दिया जा रहा है। पूर्ण वेतन न देने से कर्मियों के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो रहा है। मौके पर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष लवदीप सिंह, तुषार गुप्ता, साहिल रजा, शाहजाद, कामिल, मोनीश आशी, फैसल, विवेक कौशिक, ललित मोहन आदि लोग मौजूद रहे।

भीड़ से हांफ गया पूरा हरिद्वार, हर तरफ जाम ही जाम; ध्वस्त हुई यातायात व्यवस्था

हरिद्वार, एजेंसी।
गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि हरिद्वार-दिल्ली हाईवे और शहर छोटा पड़ गया। मंगलौर के नारसन बार्डर से लेकर हरिद्वार तक हाईवे पर भीषण जाम लगा रहा। यातायात व्यवस्था सुचारु करने के लिए रुड़की के नगला इमरती से वाहनों को लक्सर की तरफ डायवर्ट कर हरिद्वार भेजा गया। इसके बावजूद हरिद्वार में भीड़ का दबाव कम नहीं हुआ।

जाम से बचने के लिए यात्रियों ने पुलिस के रोकने-टोकने के बावजूद अपने वाहन शहर के अंदर दाखिल कर दिए, जिससे यात्री श्रद्धालुओं के अलावा स्थानीय निवासियों को भी भारी दिक्कत उठानी पड़ी। हाईवे पर रविवार रात यानि 24 घंटे बाद तक भी रुक-रुककर वाहन लग रहा था और भारी भीड़ के चलते वाहन रेंग-रेंगकर चलते नजर आ रहे थे।

गंगा दशहरा पर एक दिन पहले ही हरिद्वार में लाखों की भीड़ पहुंच गई। रविवार को दिन भर यात्रियों के हरिद्वार पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। जिससे धर्मनगरी पूरी तरह पैक हो गई। हरकी पैड़ी के आस पास अपर रोड, मोती बाजार, बड़ा बाजार, खड़खड़ी जैसे इलाकों में दम घुटने से जैसे हालात बने रहे।

पुलिस को भीषण गर्मी के बीच यातायात सुचारु करने में मशक्कत उठानी पड़ रही है।

हरिद्वार- गंगा दशहरा पर पुलिस-प्रशासन के अधिकारी हरिद्वार पहुंचने वाली भीड़ का अंदाजा नहीं लग पाए। यही वजह है कि भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने को किए गए सारे इंतजाम ध्वस्त हो गए। हालात ऐसे रहे कि दिल्ली-हरिद्वार हाईवे पर 24 घंटे बीतने पर भी वाहनों का दबाव कम नहीं हुआ। बल्कि स्थिति और बद से बदतर हो गई। इसका एक बड़ा कारण यह है कि संभावित भीड़ को नजर अंदाज किया गया और अनुमानित संख्या व आवश्यकता के अनुसार प्लान नहीं बनाया गया।

डेढ़ करोड़ की लागत से पाइप लाइन बिछाएगी नगर पालिका

सितारगंज, एजेंसी।
भीषण गर्मी में नलकूपों के सूखने से शहर के कई वार्डों में जलसंकट गहरा गया है। इससे निपटने के लिए नगर पालिका ने डेढ़ करोड़ की लागत से विभिन्न वार्डों में पाइपलाइन बिछाने की योजना तैयार की है। शनिवार को मंत्री सौरभ बहुगुणा के निर्देश पर ईओ नौशाद हसीन ने जलसंस्थान के अधिकारियों के साथ बैठक कर पाइपलाइन बिछाने को लेकर चर्चा की। जिसमें जनसंस्थान के अधिकारियों ने चार दिनों में योजना का एस्टीमेट बनाकर नगर प्रशासन को भेजने की बात कही है।

ईओ ने बताया कि पालिका के टाइड ग्रांट में पेयजल योजना के

लिए करीब डेढ़ करोड़ रुपए बचे हैं। जिसकी मदद से आगामी दो महीने में पाइपलाइन बिछाने की योजना है। जेई उज्ज्वल कुमार ने बताया कि पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए दो महीने में पाइपलाइन बिछाने की योजना है। इस दौरान एई बीडी भट्ट ,रवि रस्तोगी, पंकज गहतोड़ी आदि थे ।

फुटहिल कॉलोनी की सड़क अतिक्रमण में उलझी

हल्द्वानी, एजेंसी।
नगर निगम की ओर से आयोजित चौपाल में फुटहिल कॉलोनी के लोगों ने खोदी गई सड़क को बनाने की मांग की। उधर एक सामाजिक कार्यकर्ता पहले अतिक्रमण हटाने और उसके बाद सड़क बनाने की मांग पर अड़ गई। चौपाल में लावारिस जानवर, सफाई, स्ट्रीट लाइटों को मुद्दा छाया रहा।

शनिवार को नगर आयुक्त विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में वार्ड 41 गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल के पास और वार्ड 42 हिम्मतपुर तल्ला क्षेत्र में चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान फुटहिल कॉलोनी की सड़क का विवाद चौपाल में उठा। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता ने पहले अतिक्रमण हटाने और फिर सड़क निर्माण पर जोर दिया। मामला बढ़ने पर नगर आयुक्त ने इस कॉलोनी की सड़क दूसरी जगह बनाने के निर्देश दिए। वहीं, दोनों वार्डों में लोगों ने सड़क की हालत खस्ता होने की शिकायत की। लोगों ने कहा कि क्षेत्र की सड़कें टूटी पड़ी हैं लेकिन कई बार मांग के बावजूद इन्हें नहीं बनाया जा रहा है। वहीं क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट के पोल नहीं लग सके हैं। इस कारण रात के समय इन इलाकों में आवाजाही करने में परेशानी होती है।

30 गांव...18 घंटे गुल रही बत्ती, 15 हजार से अधिक की आबादी परेशान; गर्मी के बीच गुजारनी पड़ी रात

अल्मोड़ा, एजेंसी।
अल्मोड़ा जिले के सल्ट विकास खंड में मौलेखाल फीडर से जुड़े 30 से अधिक गांवों में 18 घंटे बत्ती गुल रही। ऐसे में क्षेत्र की 15 हजार से अधिक की आबादी को अंधेरे में गर्मी के बीच रात गुजारनी पड़ी।

अल्मोड़ा जिले के सल्ट विकास खंड में मौलेखाल फीडर से जुड़े 30 से अधिक गांवों में 18 घंटे बत्ती गुल रही। ऐसे में क्षेत्र की 15 हजार से अधिक की आबादी को अंधेरे में गर्मी के बीच रात गुजारनी पड़ी। आए दिन बिजली कटौती से क्षेत्र के लोगों में यूपीसीएल के खिलाफ खासा आक्रोश है।

सल्ट के रणथंबल, नौकुचिया, जालीखान, बांगीधार, जसपुर,

मैणाकोट, देवीखाल, भैरंगखाल, भ्याड़ी , कोटाचामी, कटरिया आसूतले, कालीगांव सहित 30 से अधिक गांवों में बीते शनिवार बिजली आपूर्ति ठप हो गई। ग्रामीण पूरी गर्मी सहते हुए बिजली का इंतजार करते रहे लेकिन उन्हें मायूस होना पड़ा। ग्रामीणों को भीषण गर्मी में घरों के बाहर आंगन में रात गुजारनी पड़ी। 18 घंटे बाद दूसरे दिन रविवार को यूपीसीएल की टीम ने खराबी को दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल की। बिजली आने से लोगों को राहत मिली। लोगों का कहना है आए दिन बिजली आपूर्ति बाधित होने से उन्हें खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी यूपीसीएल उनकी इस परेशानी को गंभीरता से नहीं ले रहा है। बिजली की आपूर्ति ठप रहने से जहां लोग गर्मी से बेहाल रहे वहीं कारोबारियों को भी खासा नुकसान झेलना पड़ा। आटा चक्की, साइबर कैफे, सीएसएसी सेंटर में काम पर ठप रहा। वहीं भीषण गर्मी के बीच बिजली न होने से फ्रिज में रखी आइसक्रीम पिघल गई।

दो हेलीकॉप्टर से आग काबू करने की कोशिश जारी

भीमताल, एजेंसी।
अल्मोड़ा के बिनसर अभयारण्य के जंगल में लगी आग बुझाने में शनिवार को वायुसेना को 80 प्रतिशत सफलता मिली।

भीमताल झील से दो हेलीकाप्टरों के जरिये सुबह से शाम तक आठ बार पानी भरकर जंगल में लगी आग पर छोड़ा गया। ऐसे में आग आबादी क्षेत्र तक नहीं पहुंची। विंग कमांडर शैलेश सिंह ने कहा कि शनिवार को आठ बार में 19200 लीटर पानी आग में पड़ने से अस्सी प्रतिशत आग पर काबू पा लिया गया है। जंगलों में आग का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां एक के बाद एक जंगल आग से स्वाहा होते जा रहे हैं। बेतालघाट विकासखंड के ओड़ाबास्कोट गांव से सटे जंगल के आग की चपेट में आने से बेशकीमती वन संपदा राख हो गई। यहां बांज व चीड़ के कई पेड़ों को

भी नुकसान पहुंचा है। पहाड़ों पर जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इससे मवेशियों के लिए चारा पत्ती का संकट खड़ा हो गया है वहीं आग की तपिश से प्राकृतिक जल स्रोतों में भी जलस्तर तेजी से घटता जा रहा है। शनिवार को बेतालघाट विकासखंड के ओड़ाबास्कोट गांव से सटा चीड़ व बांज बाहुल्य चुरानीभाटी व कपसोड़ का जंगल आग से धधक उठा। देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया। आसमान छूती लपटों से कई बांज व चीड़ के पेड़ तक जल गए। जंगली जानवरों को नुकसान पहुंचने के साथ ही बेशकिमती वन संपदा को भी नुकसान पहुंचने का अंदेशा है।

दिल्ली में जल संकट भाजपा द्वारा प्रायोजित : संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में जल संकट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जानबूझकर उत्पन्न किया गया है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने भाजपा पर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। इन आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

सिंह ने कहा, हमारा मानना है कि प्यासे को पानी पिलाने से ज्यादा पुण्य का काम नहीं होता और पानी रोकने से बड़ा कोई पाप नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, पिछले कई दिनों से दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित जल संकट है। जब मैं कह रहा हूं कि यह भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रायोजित जल संकट है, तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि भाजपा के लोग चाहते हैं कि दिल्ली के लोगों को पानी न मिले और इसके लिए भाजपा के लोग हरसंभव कोशिश कर रहे हैं कि कैसे भी करके दिल्ली में जल संकट हो।

आप नेता ने कहा कि दिल्ली को हरियाणा से पानी मिलता है और जब भाजपा शासित राज्य आवश्यक पानी नहीं देता है तो पानी की कमी हो जाती है। उन्होंने कहा, दिल्ली में पानी कम हो रहा है, क्योंकि हमें हरियाणा से पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है और इसके परिणामस्वरूप दिल्ली में जल संकट पैदा हो गया है। सिंह ने कहा कि दिल्ली को, उसका उचित हिस्सा देने के लिए हरियाणा सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद उसे उसका हक नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, ह्यहम हरियाणा के लोगों के लिए पानी का हिस्सा नहीं मांग रहे हैं, हम दिल्ली के हिस्से का पानी मांग रहे हैं, आप वह भी नहीं देना चाहते। दूसरी बात, जब हम उपराज्यपाल (दिल्ली) से शिकायत करते हैं, तो शिकायतों का समाधान करने के बजाय उपराज्यपाल अपने राजनीतिक बयान जारी करते रहते हैं। आप नेता ने दावा किया कि भाजपा दिल्ली में पानी की समस्या को हल करने के लिए नहीं, बल्कि जल संकट को बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, ह्ययह संकट भाजपा के उपराज्यपाल, हरियाणा सरकार और भाजपा द्वारा प्रायोजित है। अगर दिल्ली को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलने लगे तो पानी की समस्या कम हो सकती है। देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और भाजपा दिल्ली की जनता के प्रति जवाबदेह हैं। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पानी की किल्लत है। जलापूर्ति कम होने या न होने की वजह से लोग परेशान हैं तथा निजी जल टैंकर से पानी ले रहे हैं।

दिल्ली के चूड़ीवाला इलाके में गिरी मस्जिद

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के चूड़ीवाला इलाके में आज एक बड़ा हादसा हो गया। जहां सड़क धंसने की वजह से एक मस्जिद अचानक भरभराकर गिर गई। इसका घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है कि कुछ लोग मस्जिद से दूर खड़े होकर उसका वीडियो बना रहे हैं। तभी अचानक मस्जिद गिर जाती है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच जाती है। हालाकि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। करीब 10 साल पहले इस मस्जिद को बनाया गया था और ये संगमरमर की मस्जिद के नाम से फेमस थी। आज सुबह पुलिस को यह सूचना मिली कि मस्जिद के सामने सड़क धंस गई है। इसके बाद पुलिस ने आस-पास की दुकानों को खाली करवाया, जिससे बड़ा हादसा होने से रोका जा सके। दोपहर मस्जिद के सामने लोगों की भीड़ लगी थी। तभी अचानक ये मस्जिद भरभराकर गिर गई। गनीमत ये रही कि इसकी जद में कोई नहीं आया क्योंकि पुलिस ने पहले से ही आस-पास के इलाके को खाली करवा लिया था। अब पुलिस और प्रशासन इस बात की जांच में जुटा है कि सड़क कै धंसी। फिलहाल मलबे को सड़के से हटाने का काम जारी है।

दिल्ली में पानी को लेकर हाहाकार, भाजपा सांसद मनोज तिवारी का दिल्ली सरकार पर वार

- आम आदमी पार्टी के तमाम मंत्री और नेता हरियाणा पर पानी नहीं देने का आरोप लगा रहे हैं

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में पानी की किल्लत के बीच राजनीति भी चरम पर पहुंच गई है। दिल्ली सरकार और बीजेपी के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। बीजेपी इस संकट को लेकर दिल्ली सरकार के खिलाफ उग्र होती नजर आ रही है। उत्तर पूर्वी लोकसभा सीट से सांसद मनोज तिवारी ने मुखर्जी नगर जल बोर्ड दफ्तर के बाहर भाजपा कार्यकताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही केजरीवाल सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा था कि हरियाणा से अपर्याप्त जल प्रवाह के कारण दिल्ली में शोधित जल का उत्पादन घटकर 932 एमजीडी रह गया है। इस पर पलटवार करते हुए मनोज तिवारी ने लिखा है कि, जितना पानी हर साल छोड़ा जाता था, इस साल उससे ज्यादा पानी हरियाणा की तरफ से दिल्ली को दिया गया है, बावजूद इसके दिल्ली सरकार लोगों को पानी नहीं उपलब्ध करा पा रही है। क्योंकि दिल्ली में टैंकर माफियाओं का बोलबाला है। टैंकर माफिया के साथ सांठ-गांठ कर दिल्ली सरकार लोगों की समस्या की तरफ ध्यान न देते हुए दिल्ली वासियों को परेशान करने में लगी है।

मनोज तिवारी ने ये भी कहा कि, दिल्लीवासी अब समस्याओं को झेलते झेलते परेशान हो चुके हैं और उन्होंने मन बना लिया कि अब आम आदमी पार्टी को दिल्ली की सत्ता से दूर कर देगी। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले वक्त में जब भाजपा दिल्ली के विधानसभा चुनाव जीतेगी तो सबसे पहले पानी की समस्या का ही समाधान किया जाएगा।

वहीं, वेस्ट जिले के तिलक नगर विधानसभा के विधायक जरनैल सिंह के दफ्तर के बाहर भाजपा नेताओं ने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजीव बब्बर भी मौजूद थे। उन्होंने कहा की, आम आदमी पार्टी के विधायक से सवाल पूछने पर डरकर भाग गए और पुलिस बुला लिया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के तमाम मंत्री और नेता हरियाणा पर पानी नहीं देने का आरोप लगा रहे हैं जबकि हरियाणा से पर्याप्त मात्रा में पानी लगातार आ रहा है लेकिन पिछले 10 सालों में पानी के बंटवारे को लेकर कोई नीति नहीं बन पाई है और दिल्ली जल बोर्ड की लापरवाही से पाइपलाइन से लीकेज की वजह से हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है।

फादर्स डे पर पिता ही बना बेटी का कातिल, कंझावला में युवती की हत्या के मामले में खुलासा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

रविवार को जब सभी लोग फादर्स डे मना रहे थे, उसी दिन दिल्ली में एक पिता ने अपनी बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी। दरअसल रविवार रात करीब नौ बजे कंझावला इलाके में युवती की बेरहमी से हत्या किए जाने के मामले में खुलासा हुआ है। सामने आया कि हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि युवती का पिता ही था। दरअसल घटना को लेकर पीसीआर कॉल मिलने के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो वहां करीब 22 वर्षीय युवती को मृत अवस्था में पाया, जिसके गले और पेट में गहरे चोट के निशान थे। पुलिस ने युवती के शव को संजय गांधी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया और मामले की जांच शुरू की। मामले को सुलझाने के लिए स्पेशल स्टाफ और कंझावला थाने की टीम गठित की गई, जिन्होंने सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और टेक्निकल सर्विलांस का भी सहारा लिया। जांच के दौरान सामने आया कि युवती को उसका पिता कैब से लेकर कंझावला आया था, जहां उसने बेटी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी। डीसीपी डॉ. गुरइकबाल सिंह सिद्धू ने बताया कि, आरोपी पिता को पुलिस ने विभिन्न इलाकों से छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान नंद किशोर के रूप में की गई है, प्रेम नगर, किराड़ी में रहता था और कांच की फिटिंग का काम करता है। युवती परिवार की मर्जी के खिलाफ अपनी पसंद के लड़के से शादी करना चाहती थी और इसी बात से नाराज पिता ने उसकी हत्या कर दी। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि मामले में और किस-किस की भूमिका है।

फल तथा शीतल जल का किया गया वितरण : डॉ.आर.पी.गुप्ता

नई दिल्ली। अग्रवाल विकास मंच दिल्ली प्रदेश द्वारा सोमवार को निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर शीतल दूध जल वितरण एवं फल वितरण का कार्यक्रम हेडगेवार हॉस्पिटल कड़कड़डूमा पर किया गया। जिसमें संस्था द्वारा ठंडा शरबत आम केले छोले कुलचे का लगभग 1000 आदमियों के बीच वितरण किया गया। कार्यक्रम मैं संस्था के अध्यक्ष आर पी गुप्ता, एडवोकेट मनीष अग्रवाल, महामंत्री रविंद्र गुप्ता, कैशियर नरेश चंद्र अग्रवाल, वाइस चेयरमैन अशोक कुमार मित्तल, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, संरक्षक संजीव अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, गोपाल कृष्ण बंसल, राजीव अग्रवाल, संगठन मंत्री मनोज गुप्ता ने अपनी सेवाए मुख्य रूप से उपस्थित होकर दी। अध्यक्ष जी द्वारा यह बताया गया कि समय-समय पर अग्रवाल विकास मंच इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है वह जन सेवा के कार्य में हमेशा संलग्न रहता है।

आतिशी ने हरियाणा सरकार से यमुना नदी में पानी छोड़ने की अपील की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने सोमवार को वजीराबाद बैराज का दौरा किया और हरियाणा सरकार से यमुना नदी में पानी छोड़ने की अपील की। आतिशी ने कहा कि वजीराबाद बैराज को हरियाणा से पानी मिलता है, जो चंद्रावल, ओखला और वजीराबाद के जल उपचार संयंत्रों में जाता है। उन्होंने कहा, अगर पानी नहीं मिलेगा, तो जल उपचार संयंत्र कैसे काम करेंगे। हम हरियाणा सरकार से अपील करते हैं कि दिल्ली के लोग चिंतित हैं और उन्हें यमुना नदी में पानी छोड़ना चाहिए।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अचानक बिजली हुई गुल, कई सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार दोपहर अचानक बिजली गुल हो गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसका असर चेक इन और चेक आउट के साथ अन्य कामों पर भी पड़ा। राहत की बात यह रही की इस वजह से किसी भी फ्लाइट को रीशेड्यूल नहीं किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, ग्रिड में वोल्टेज बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ।

एयरपोर्ट का संचालन करने वाली संस्था, दिल्ली एयरपोर्ट इंटरनेशनल लिमिटेड (डायल) द्वारा दी गई जानकारी की अनुसार, दोपहर 2 बजे के आसपास दिल्ली हवाई अड्डे के मुख्य रिसीविंग सब-स्टेशन (एमआरएसएस) ने ग्रिड में एक महत्वपूर्ण वोल्टेज स्पाइक का पता लगाया, जो कथित तौर पर 765 केवी लाइन की ट्रिपिंग के कारण था। दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) ग्रिड से इस वोल्टेज असंतुलन ने कुछ समय के लिए सभी आईजीआई टर्मिनलों को प्रभावित किया, जिससे बैगेज एक्सेप्टेंस और ई-गेट प्रभावित हुए।

डायल की तरफ से आगे कहा गया कि आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए, सक्रिय रूप से सभी टर्मिनलों को डीजी लोड पर स्विच कर दिया गया। इसके बाद दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) द्वारा स्थापित पावर बैकअप सिस्टम कुछ ही मिनटों में चालू हो गया और सभी संपर्क बिंदुओं पर यात्रियों की सुविधा के लिए सभी बैकअप प्रक्रियाएं शुरू कर दी गईं। अपराह्न 3 बजे तक, ग्रिड वोल्टेज स्थिर हो गया और सभी सेवाओं को डीजी लोड से डीटीएल ग्रिड लोड में आसानी से ट्रांसफर कर दिया गया। इसके बाद डीजी आपूर्ति काट दी गई। हम इस अवधि के दौरान सभी यात्रियों के धैर्य और समझ की सराहना करते हैं।

भारत विकास परिषद द्वारा ठंडे शरबत वितरण का आयोजन

प्रत्येक माह जन सेवा एवं राष्ट्र सेवा के कार्य करते रहेंगे: आदेश अग्रवाल

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा।ज्येष्ठ दशहरे के शुभ अवसर पर भारत विकास परिषद हसनपुर द्वारा अंबेडकर पार्क के सामने शरबत वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में लोगों ने ठंडे शरबत का खूब लुप्त उठाया। गौरतलब है कि रविवार को ज्येष्ठ दशहरा के पावन पर्व एवं ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए राहगीरों एवं गंगा स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं को कैंप लगाकर भारत विकास परिषद हसनपुर के दायित्वधारियों एवं सदस्यगणों द्वारा शरबत का वितरण किया गया। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष आदेश कुमार अग्रवाल द्वारा बताया गया कि हम भारत विकास परिषद के बैनर तले प्रत्येक माह जन सेवा एवं राष्ट्र सेवा के कार्य करते रहेंगे, जिसके अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम, स्कूलों में भारत को जानो प्रतियोगिता, वह अन्य प्रतियोगिताएं कराई जानी प्रस्तावित है। इस मौके पर आदेश कुमार अग्रवाल,राजीव कु मार अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल,कुलभूषण सक्सेना उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार अग्रवाल एडवोकेट संरक्षक, महिला संयोजिका शैल वाला अग्रवाल,श्रीमती संगीता अग्रवाल सहसंयोजीका दिनेश कुमार अग्रवाल बैंक वाले रविंद्र जिंदल ,दिनेश कुमार अग्रवाल जय भोले , राजपुरुष अग्रवाल, रमेश चंद्र गोयल, अंकुर अग्रवाल खाद वाले, अरविंद कुमार शर्मा कानूनगो, कुलदीप कुमार रेडीमेड वाले सहित कार्यक्रम में निम्न दायित्व धारी एवं सदस्य गण उपस्थित रहे।

भारत कोरिया संगीत महोत्सव से दोनों देशों के रिशतो में वृद्धि को नए आयाम मिलेंगे : दिलीप पांडेय

प्रात : किरण संवाददाता

वर्ल्ड आर्ट एक्सचेंज ग्रुप द्वारा नोएडा के एक्सपो सेंटर में भारत कोरिया की संस्कृति और संगीत के उन्नयन और प्रदर्शन हेतु एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में दोनों देशों के गायक, गायिकाओं और क टीवीलाकारो ने अपनी कलाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोनों देशों के युवक और युवतियों द्वारा फैशन शो का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अलावे कलाकारो ने ताइकुंडो का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। दिल्ली विधान सभा के मुख्य सचेतक दिलीप कुमार पांडेय ने इस कार्यक्रम में अपना मुख्य वक्तव्य रखा। उन्होंने भारत और कोरिया के संयुक्त तत्वावधान में लोगो को भारत और कोरिया के संगीत का अनुभव कराने के लिए आयोजको का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रम दो अलग अलग संस्कृतियों और लोगों को भी जोड़ती हैं। दिलीप पांडेय ने शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम द्वारा जो आगाज हुआ है उम्मीद है कि इससे विश्व में दोनों देशों की लोकप्रियता बढ़ेगी। इस कार्यक्रम में गणमान्य लोगों में ड्रैगन पार्क, अध्यक्ष, कोका, पार्क सूंग जिन, सुश्री ली यंग जू, संगीत निदेशक, के पोप, , पार्क ही सूं, वर्ल्ड आर्ट एक्सचेंज ग्रुप, कैप्टन सुधीर मलिक, एयरपोर्ट अथॉरिटी, रोहित भंडारी, डॉ परविन्दर सिंह, जतिन शुक्ला, डॉ राकेश रमण झा, बलबीर कुमार, मनीषा कुमारी, अनिता शर्मा, सुनील झा, विजय वर्मा, अरुण शर्मा, साजिद चौधरी, अमित यादव आदि ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

एसओएल में दाखिला संबंधी दिक्कतें दूर करेंगे पुराने छात्र

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदकों को आवेदन करने, विषय चयन करने जैसी कई अन्य समस्याएं आ रही हैं। ऐसे में अब एसओएल में दाखिला लेने में आवेदकों की मदद पुराने छात्र करेंगे। एसओएल प्रशासन ने आवेदकों की मदद करने के लिए अपने दूसरे व तीसरे वर्ष के छात्रों की सहायता लेने का फैसला किया है। यह दाखिला प्रक्रिया जारी रहने तक इंटर्न बन कर काम करेंगे। इसके लिए इंटर्न के तौर पर उन्हें 12 हजार प्रति माह का भुगतान किया जाएगा। एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि अब तक हमारी फोन लाइन पर हम पुराने छात्रों की मदद लेते हैं। वह फोन के माध्यम से दाखिला लेने वालों की समस्याओं को सुलझाते हैं। अब दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, इस उद्देश्य के लिए हमारे यहां प्रवेश संबंधी गतिविधियों और अन्य शैक्षणिक उद्देश्यों में मदद करने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम इंटर्न की मदद लेंगे। चयनित प्रशिक्षुओं को प्रति माह 12 हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। दाखिला संबंधी सहायता के लिए करीब 50 छात्रों का चयन किया जाएगा। दाखिला संबंधी सहायता के लिए पहले प्रशिक्षित किया जाएगा।

भीषण लू से पांच मरीज अस्पतालों में भर्ती, दो की हालत गंभीर

नई दिल्ली। राजधानी में लगातार 45 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पारा बना हुआ है। भीषण लू की चपेट में आने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। बुजुर्गों को सबसे अधिक खतरा हो रहा है। वे लोग लू की चपेट में आ रहे हैं, जो लंबे वक्त से बाहर रह रहे हैं। पिछले दो दिनों में पांच मरीजों को लू लगने के बाद अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें दो मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल में पिछले दो दिनों में तीन मरीजों को भर्ती कराया गया है। इनमें एक 80 वर्षीय और एक 60 वर्षीय बुजुर्ग समेत एक 31 वर्षीय महिला शामिल है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार वार्ड आठ में तीन मरीज हैं। इनमें 80 वर्षीय बुजुर्ग की हालत गंभीर है और वे अभी तक वेंटिलेटर पर हैं। उन्हें 105 डिग्री तापमान होने पर भर्ती कराया गया था। उनका ब्लड प्रेशर नीचे गिरकर 66 पर आ गया था।

शरीर को आइस से ठंडा किया गया उन्हें पहले हीट स्ट्रोक यूनिट में ले जाकर आइस से ठंडा कर शरीर का तापमान सामान्य किया गया। अभी उनका ब्लड प्रेशर और पल्स दोनों सामान्य स्तर पर नहीं आ पा रहे हैं। उन्हें हार्ट अटैक भी आया है और उसका इलाज भी किया जा रहा है। 60 वर्षीय मरीज के शरीर का तापमान भी 105 डिग्री था। तापमान को सामान्य किया और अब उनका ब्लड प्रेशर सामान्य है। ब्रेन स्ट्रोक जैसा भी कुछ नहीं है और वे जल्द ठीक हो रहे हैं। महिला की हालत चिंताजनक बनी एक अन्य महिला को रविवार को भर्ती किया गया था। वे दूसरे अस्पताल से रेफर होकर आईं थीं। वे लगातार सफर कर रहीं थीं। उन्हें उल्टियां हो रहीं थी। जब आईं तो उनके शरीर का तापमान 105 डिग्री था। उनका ब्लड प्रेशर 240 था। उनको वेंटिलेटर पर रखा गया था। उनका ब्लड प्रेशर स्थिर है। वे लोगों को पहचान रहीं हैं, लेकिन हालत चिंताजनक बनी हुई है। सफदरजंग में से 23 मरीज भर्तीसफदरजंग अस्पताल में एक मरीज को सोमवार को भर्ती कराया गया है। उनकी 90 वर्ष आयु है। वे बेहोशी की हालत में हैं। उनकी हालत चिंताजनक है। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि यहां अब तक भीषण लू के कुल 23 मरीज भर्ती हो चुके हैं। पिछले माह दो मरीजों की मौत हुई थी। इस माह किसी की मौत रिपोर्ट नहीं हुई है। उधर लोक नायक अस्पताल में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को दस्त और उल्टी के शिकायत के बाद भर्ती किया गया है। डाक्टरों का कहना है कि प्रारंभिक लक्षण लू लगने के हैं, लेकिन जांच कर पुरानी बीमारियों के बारे में पता लगाया जा रहा है। अस्पताल की इमरजेंसी में लू लगने के कारण हर रोज मरीज आ रहे हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी जा रही है। कैसे लगती है भीषण लू आरएमएल अस्पताल में हीट स्ट्रोक यूनिट के प्रमुख डा. अमलेंदु यादव ने कहा कि भीषण लू गर्मी से होने वाली सबसे गंभीर बीमारी है।

जल संकट के लिए सीधे तौर से है जिम्मेदार दिल्ली की सरकार : ठाकुर विनोद जायस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक तरफ तो भीषण गर्मी का कहर बरस रहा है और दूसरी ओर गंभीर जल संकट। इस जल संकट के लिए केवल और केवल आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार जिम्मेदार है। यह कहना है उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते हैं राज्य सरकार का कर्तव्य बनता है वह शिक्षा, जल तथा बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था कर, इनके लिए संसाधन जुटाए और यदि कहीं कोई कमी है तो केंद्र सरकार का सहयोग ले। विनोद जायस कहते हैं मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल हों या उनकी सरकार के मंत्री सभी की एक आदत बन चुकी है यदि कुछ अच्छा हो जाए तो अपनी पीठ खुद थपथपाते हैं और यदि कोई समस्या इनके बूते से बाहर हो जाए तो उसका दोष केंद्र सरकार या उप राज्यपाल पर फोड़ देते हैं। विनोद जायस कहते हैं दिल्ली की जनता इनके दोगलेपन को समझ चुकी है और लोकसभा चुनावों में गठ्बन्धन के बावजूद इन्हें सबक सिखा चुकी है। विनोद जायस कहते है कोई भी राज्य सरकार यदि जनता के लिए बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था भी नहीं कर सके तो उसे सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। सरकार को अपनी विफलता स्वीकार करते हुए ईस्तीफा तत्काल प्रभाव से दे देना चाहिए। विनोद जायस कहते हैं आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली सरकार एक नाकाम विफल और सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी सरकार साबित हुई है। दिल्ली में लगातार बढ़ रही पानी की किल्लत की समस्या पर बात करते हुए विनोद जायस ने कहा, क्या आम आदमी पार्टी पार्टी का गठन सिर्फ इसलिए हुआ था की जब आम आदमी पार्टी किसी समस्या का हल निकालने में असमर्थ हो तो उसका ठीकरा भाजपा के सिर फोड़ दो। आप उस जनता के प्रति भी ईमानदार नहीं हो, सच्चे नहीं हो और हर मुद्दे पर स्टंट करते हो। दिल्ली की जनता पानी की समस्या से जूझ रही है। परेशान हो रही है और वो भी इस भीषण गर्मी में लेकिन दुर्भाग्य यह है की दिल्ली की जनता की सुनने वाला, दिल्ली की जनता के दर्द को समझने वाला कोई नहीं है।

3 साल पहले एम्स अस्पइताल से फरार हुए अपराधी को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार, अदालत ने घोषित किया था भगोड़ा

- सड़कों-गलियों की नियमित सफाई की जाए और जरूरत के हिसाब से अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को तैनात किया जाए- इमरान हुसैन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

क्राइम ब्रांच की टीम ने एक ऐसे कुख्यात अपराधी को धरदबोचने में कामयाबी हासिल की है जो तीन साल पहले एम्स अस्पताल से फरार हो गया था। पुलिस हिरासत से करीब 3 साल पहले फरार हुए इस आरोपी को दिल्ली की एक कोर्ट ने भगोड़ा भी घोषित कर दिया था अब उसको क्राइम ब्रांच की टीम ने सेंट स्टीफन अस्पताल के पास से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 42 साल के राधे श्याम के रूप में की गई है जसिके खिलाफ बलात्कार, धोखाधड़ी-जालसाजी और पुलिस हिरासत से भागने समेत पांच मामले दर्ज हैं।

पुलिस उपायुक्त (क्राइम) संजय कुमार सेन के मुताबिक आरोपी राधे श्याम 8 सितंबर 2021 को एम्स अस्पताल में ग्रेटर कैलाश पुलिसकर्मियों की हिरासत से फरार हो गया था। इसके खिलाफ हौज खास थाने, ग्रेटर कैलाश और कमला मार्केट थानों में पहले से एफआईआर दर्ज हैं जिस पर कोर्ट ने उसको भगोड़ा घोषित कयिा था। इसके फरार होने के बाद क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन और किडनैपिंग सेल (एईकेसी) की टीम लगातार तलाशी में जुटी हुई थी। इसको लेकर एसीपी/एईकेसी के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह और सुशील कुमार की देखरेख में एसआई श्याम बिहारी शरण के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी।

ये टीम आरोपी को जल्दी से जल्दर गिरफ्तार करने के लिए जानकारी हासलि कर रही थी। इस दौरान टीम को भगोड़ा आरोपी के बारे में कुछ इनपुट हासिल हुआ। इस पर काम करते हुए टीम ने पूरा जाल बिछाया और तीस हजारी के पास सेंट स्टीफन अस्पताल के गेट नंबर 3 के पास से आरोपी को दबोच लिया। आरोपी राधे श्याम त्रिनगर का रहने वाला है। उसने खुलासा किया कि कोर्ट ने उसको तीन मामलों में भगोड़ा घोषित किया है और वह पुलिस से बचने के लिए 2021 में एम्स अस्पताल से फरार हो गया था। आरोपी राधे श्याम ने दसवीं कक्षा तक पढ़ाई की है और मध्यवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने के चलते उसने जल्द से जल्द पैसा कमाने के लिए अपराध का रास्ता चुना। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के बाद अब मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

न्यू उस्मानपुर में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, सिर और सीने में लगीं तीन गोलियां

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

न्यू उस्मानपुर इलाके में शनिवार रात 10:30 बजे मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों ने गोलियां बरसाकर एक शख्स की हत्या कर दी। सिर व सीने में तीन गोलियां लगी हैं। वारदात के वक्त शख्स स्कूटी से अपने घर लौट रहा था। रास्ते में घात लगाए बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया।

मृतक की पहचान विक्की के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसे जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आशंका है कि रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है। ढाई माह पहले ही बदमाशों ने विक्की के बड़े भाई संजय की भी ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी थी।

हत्या समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज

विक्की की हत्या की सूचना मिलते ही स्वजन जग प्रवेश चंद अस्पताल पहुंचे और वहां जमकर हंगामा किया। इस दौरान अस्पताल का शीशे का दरवाजा भी तोड़ दिया। न्यू उस्मानपुर थाना ने हत्या समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। विक्की अपने परिवार के साथ न्यू उस्मानपुर पहला पुश्ता पर रहते थे। परिवार में पत्नी, पिता, छोटा भाई समेत कई सदस्य हैं। वह पेशे से प्रॉपर्टी डीलर थे।

जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जाय टिर्की ने बताया कि विक्की ने वर्ष 2010 में न्यू उस्मानपुर में रविंद्र नामक एक युवक की हत्या थी। विक्की के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास समेत चार आपराधिक केस दर्ज थे। विक्की की हत्या की सूचना मिलते ही स्वजन जग प्रवेश चंद अस्पताल पहुंचे। शव उस्मानपुर पुश्ता रोड पर ले गए। दो घंटे तक सड़क पर रखकर हंगामा किया।

भाई की हत्या के केस में शिकायतकर्ता था विक्की

बीते 26 मार्च को विक्की के बड़े भाई संजय की दो बदमाशों ने हत्या कर दी थी। वारदात के वक्त वह दूध बेचने के लिए जा रहा था। हत्या में उस्मानपुर के रहने वाले सुमित और दीपक नाम के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपितों ने पुलिस को पूछताछ में बताया था कि 26 मार्च से पहले उनका संजय और उसके भाई से झगड़ा हुआ था। दोनों भाइयों ने उनकी पिटाई की थी। इस पिटाई का बदला लेने के लिए ही दोनों ने संजय की हत्या की थी। इस मामले में विक्की शिकायतकर्ता था। आशंका है कि जेल में बैठकर सुमित और दीपक ने विक्की की हत्या करवाई।

पानी जैसे मुद्दे पर नहीं होनी चाहिए राजनीति : निर्मल गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी की किल्लत की समस्या पर राजनीति करने के बजाय सभी राजनीतिक पार्टियों को मिलकर इस समस्या को दूर करने का प्रयास करना चाहिए, ऐसा कहना है आर. डब्लू.ए.अध्यक्ष विवेक विहार निर्मल गुप्ता। दिल्ली में पानी की किल्लत की समस्या पर बात करते हुए निर्मल गुप्ता ने कहा कि देखिए पानी सभी की जरूरत है और मेरा ऐसा मानना है की पानी जैसे मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। निर्मल गुप्ता ने कहा कि यह वक्त ऐसा नहीं है की सभी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए। निर्मल गुप्ता नें कहा कि दिल्ली की सरकार अपनी तरफ से हर मुमकिन प्रयास कर रही है कि वह किसी भी तरह से दिल्ली की जनता को पानी की किल्लत की जिस समस्या का सामना करना पड़ रहा है उस समस्या को जल्द से जल्द दूर कर सके। निर्मल गुप्ता ने कहा कि पानी की किल्लत की समस्या दिल्ली में अमूमन होती नहीं है लेकिन इस वर्ष दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ भीषण गर्मी पड़ रही है जिस वजह से दिल्ली में पानी की मांग थोड़ी अधिक हो गई है और इसी वजह से दिल्ली में पानी की किल्लत की समस्या सामने आई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

दिल्ली में जल संकट पर आज भी सड़कों पर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में गहराते जल संकट को लेकर भाजपा ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा इस जल संकट को केजरीवाल सरकार की लापरवाही और जल बोर्ड का भ्रष्टाचार करार दे रही है। इसी कड़ी में सोमवार को भाजपा के सभी सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान भाजपा नेताओं ने कहा, केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण दिल्ली में पानी की किल्लत हो रही है। भाजपा जनता की आवाज बनकर सड़कों पर उतरी है। दिल्ली की भ्रष्ट केजरीवाल सरकार की वजह से पानी की कमी हुई है।

मोती नगर विधानसभा क्षेत्र में नई दिल्ली से भाजपा नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्य बांसुरी स्वराज के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां लेकर अरविंद केजरीवाल की इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। यही नहीं भाजपा के सभी सातों सांसद अपने-अपने क्षेत्र में विधायकों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

लक्ष्मी नगर चौक पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दुगार्पुरी चौक पर सांसद मनोज तिवारी, संगम विहार में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, द्वारका में कमलजीत सहरावत, करोल बाग में योगेंद्र चंदोलिया, चांदनी चौक में प्रवीण शंकर कपूर प्रदर्शन में मौजूद रहे।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा की लोकसभा सदस्य बांसुरी स्वराज ने कहा, केजरीवाल सरकार की काम करने की नीयत नहीं है। एक दशक से केजरीवाल सरकार यहां सत्ता में हैं, लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी सरकार ने कुछ नहीं किया है। दिल्ली जल बोर्ड का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर चरमराती अवस्था में है। दिल्ली में ऐसा लगता है कि गैरकानूनी टैंकर माफिया को केजरीवाल सरकार प्रोत्साहित कर रही है। दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली सरकार के नियंत्रण में हैं। दिल्ली की जनता को पानी पहुंचाने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है।

जल संकट की समस्या से पल्ला नहीं झाड़ सकती आम आदमी पार्टी सरकार : दीपक गाबा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली सरकार एक नाकाम विफल और सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी सरकार साबित हुई है जी हां ऐसा कहना है भाजपा शाहदरा जिला के महामंत्री दीपक गाबा का। दिल्ली में लगातार बढ़ रही पानी की किल्लत की समस्या पर बात करते हुए दीपक गाबा ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता की क्या सोच कर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में चुनाव लड़ा था और किस उद्देश्य से आम आदमी पार्टी का गठन हुआ है? क्या आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में सिर्फ इसलिए चुनाव लड़ा था की जीत गए तो जनहित नीतियों के नाम पर दिल्ली की जनता के साथ करोड़ों रुपयों का घोटाला करेंगे या आम आदमी पार्टी का गठन सिर्फ इसलिए हुआ था की जब आम आदमी पार्टी किसी समस्या का हल निकालने में असमर्थ हो तो उसका ठीकरा भाजपा के सिर फोड़ दो। दीपक गाबा ने आगे कहा कि सच में मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से बड़ा चालाक इंसान और आम आदमी पार्टी से बड़ी बेशर्म पार्टी नहीं देखी मतलब दिल्ली की जिस जनता ने आपको अपना बहुमूल्य वोट दे कर दिल्ली की सत्ता पर बिठाया, अरविंद केजरीवाल को और आम आदमी पार्टी को दिल्ली की जनता की सेवा करने का मौका दिया आप उन्हीं से झूठ बोल रहे हो, आप उस देवतुल्य जनता के प्रति भी ईमानदार नहीं हो, सच्चे नहीं हो तो फिर मैं तो यही कहूंगा की आप इंसान ही नहीं हो क्योंकि इतना निर्लज्ज तो एक इंसान कभी नहीं हो सकता। दीपक गाबा ने आगे कहा कि आज दिल्ली की जनता पानी की किल्लत की समस्या से जूझ रही है, परेशान हो रही है और वो भी इस भीषण गर्मी में लेकिन दुर्भाग्य यह है की दिल्ली की जनता की सुनने वाला, दिल्ली की जनता के दर्द को समझने वाला कोई नहीं है। दीपक गाबा ने आगे कहा कि मुझे बहुत दुख होता है जब मैं यह देखता हूं की जो पानी सभी की आवश्यकता है, जरूरत है उसी पानी के लिए लोग पानी के टैंकरों के आगे लंबी लंबी लाइनों में नंगे पांव इस भीषण गर्मी, तपती धूप में खड़े है। दीपक गाबा ने आगे कहा कि पानी की किल्लत की समस्या की वजह से जनता त्रस्त है लेकिन अफसोस आम आदमी पार्टी तब भी मस्त है।

दिल्ली में जल संकट के लिए केवल दिल्ली की सरकार जिम्मेदार : राजकुमार बल्लन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में पानी की किल्लत की समस्या से जूझ रही दिल्ली की जनता की दर्दनाक तस्वीर लोकतंत्र की हत्या की तरफ इशारा करती है, जी हां ऐसा कहना है भाजपा दिल्ली प्रदेश किसान मोर्चा के प्रभारी राजकुमार बल्लन का। दिल्ली में कई दिनों से चल रही पानी की किल्लत की समस्या पर बात करते हुए राजकुमार बल्लन ने कहा कि पानी की किल्लत की समस्या की वजह से जो हालत दिल्ली की जनता की हो रही है वह साफ साफ इस देश के लोकतंत्र की हत्या की तरफ इशारा करती है। राजकुमार बल्लन ने आगे कहा कि मतदान के दिन जनता अपने घरों से निकलती है, राजनीतिक पार्टियों के जो उम्मीदवार एक महीने से लगातार अपना चुनाव प्रचार करके जनता से वोट मांगने जाते है उन्में से किसी एक उम्मीदवार को अपना मत दे कर जीत दिलाती है सिर्फ एक उम्मीद से की जिस सरकार को और जिस उम्मीदवार को उन्होंने मत देकर जीत दिलाई है वह सरकार, वह उम्मीदवार उनकी बेहतरी के लिए, उनकी तरक्की के लिए कार्य करेगा और उनकी समस्या को दूर करने का कार्य करेगा लेकिन मौजूदा समय में जो कुछ भी दिल्ली में हो रहा है, दिल्ली सरकार और उसके नेताओं की नाकामी की वजह से जो पानी की किल्लत की समस्या दिल्ली वालों को भुगतनी पड़ रही है वो साफ साफ लोकतंत्र की हत्या है। राजकुमार बल्लन ने आगे कहा कि बिना किसी राजनीतिक झुकाव के मैं सिर्फ एक सवाल दिल्ली सरकार से पूछना चाहता हूं की दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली की सत्ता पर क्यों बिठाया था? परेशानियां झेलने के लिए। मेरे सिर्फ इस एक सवाल का जवाब पूरी ईमानदारी और सच्चाई से दे आम आदमी पार्टी और उसके नेता तो यकीनन उन्हें खुद से घृणा होनी शुरू हो जाएगी उस तकलीफ के लिए जो उन्होंने दी है दिल्ली की जनता को। राजकुमार बल्लन ने आगे कहा कि मुझे शर्म आती है यह बात कहते हुए की मैं जिस राज्य में रहता हूं उस राज्य के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल है और उस राज्य में आम आदमी पार्टी जैसी लालची और निकम्मी सरकार शासन करती है।

डायरेक्ट एडमिशन का कोई प्रावधान नहीं : आईपी यूनिवर्सिटी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आईपी यूनिवर्सिटी के किसी भी प्रोग्राम में डायरेक्ट एडमिशन का कोई प्रावधान नहीं है। यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध निजी संस्थानों में भी 90 प्रतिशत सीट यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित केंद्रिकृत काउंनसिलिंग के जरिए ही भरे जाते हैं। सिर्फ.10 प्रतिशत सीट ही कुछ निजी संस्थानों में प्रबंधन कोटे से भरे जाते हैं। प्रबंधन कोटे में सीटों के आवंटन के लिए भी यूनिवर्सिटी के तय दिशानिर्देश हैं। ये सीटें भी मेरिट के आधार पर भरी जाती हैं। किसी भी सीट को भरने के लिए डायरेक्ट एडमिशन का कोई प्रावधान नहीं है। यूनिवर्सिटी के संज्ञान में यह आया है कि कुछ लोग निजी संस्थान का प्रतिनिधि बता कर आवेदकों एवं संभावित आवेदकों को विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए डायरेक्ट एडमिशन के लिए प्रलोभित कर रहे हैं। इस तरह के दाखिले बैध नहीं हैं। यूनिवर्सिटी के यह भी संज्ञान में आया है कि कुछ निजी संस्थान संभावित आवेदकों को किसी दूसरी यूनिवर्सिटी में दाखिला करा कर अपने संस्थान में सिटिंग अरेंज्मेंट का प्रलोभन दे रहे हैं। येसे दाखिले यूनिवर्सिटी की दाखिला प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हैं। आवेदकों को यह सलाह है कि वे आवेदन का लॉगिन आईडी और पासवर्ड किसी से भी शेयर न करें और यूनिवर्सिटी की सेंट्रलाइज्ड काउन्सलिंग पर भरोसा रखें। काउन्सलिंग के कई चरण होते हैं। इसलिए थोड़ा पेसेंश भी रखें। अगर आपको लगता है कि कोई दाखिला के नाम पर झांसे में ले रहा है तो यूनिवर्सिटी के जनसंपर्क अधिकारी या मुख्य सतर्कता अधिकारी के संज्ञान में लाएँ।

सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के चारों वार्डों में छबीलें लगा बुझाई लोगो की प्यास : मतीन अहमद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है और लोग गर्मी से बेहाल हैं। दुकानों, दफ्तरों में काम करने वाले लोगों को तो इस चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिलती है, लेकिन जिन लोगों का काम सड़को से जुड़ा हुआ है या जो ऑटो रिक्शा, बैटरी रिक्शा चलाते हैं, उन्हें राहत देने के लिए सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक चौधरी मतीन अहमद, बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद की ओर से सीलमपुर वार्ड, मौजपुर वार्ड, गौतमपुरी वार्ड और चौहान बांगर वार्ड में बड़े पैमाने पर छबील लगाई गई और लोगों में शर्बत ए रूह अफजाह वितरित किया गया। इस मौके पर चौधरी मतीन अहमद ने कहा कि हमने पानी की कमी को लेकर कल जो मटका फोड़ विरोध प्रदर्शन किया था, इस दौरान देखा गया कि लोग गर्मी से परेशान हैं, जिसे देखते हुए आज शरबत का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह से लेकर शाम तक रिक्शा चालक, राहगीर, यात्रियों सहित आम लोगों को प्यास की शिदत लगती है, इसलिए हमने लोगों को राहत देने के लिए सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी चार वार्डों में छबीलें सजाई है और शरबत का वितरण किया। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने से लोगों की मदद होती है और अल्लाह खुश होता है। चौधरी जुबैर अहमद ने लोगों को अपने हाथों से शरबत बांटते हुए कहा कि सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र के लोग हमारे अपने लोग हैं और उनकी हर जरूरत का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है, जो लोग लगातार बाहर रहते हैं उनके लिए इस गर्मी में काम करना बहुत मुश्किल है इसलिए आज हमने चारों वार्डों में लोगों के बीच शरबत का वितरण किया है। डेली गेट सैयद नासिर जावेद ने कहा कि यह हमारी परंपरा रही है कि जब भी सार्वजनिक स्तर पर कोई मांग होती है तो सभी लोग मिलकर सहयोग करते हैं और लोगों को राहत देने का काम करते हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए बड़ी बड़ी छबील लगाई गई है और लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। राहगीरों ने शरबत पीया और शुक्रिया अदा किया। इस नेक काम की व्यवस्था में सहयोग देने वालों में रियाजुद्दीन राजू,सरताज अहमद,अनिल शर्मा, विनोद शर्मा, राजेंद्र प्रधान,जावेद बर्की,, सैयद नासिर जावेद, जर्रार अहमद, मोहम्मद आरिफ, परवीन जी, राम ठाकुर, राव नावेद, हामिद भाई, जमील मलिक, मश्कूर आलम, हाजी लियाकत मसूदी, अफसर खान, मन्नू इदरीसी, नईम भाई के नाम उल्लेखनीय हैं।

दिल्ली में जल संकट भाजपा द्वारा प्रायोजित है: संजय सिंह

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में जल संकट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रायोजित है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने भाजपा पर राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि प्यासे को पानी पिलाने से ज्यादा पुण्य का काम नहीं होता और पानी रोकने से बड़ा कोई पाप नहीं है। सिंह ने आरोप लगाया, मैं कह रहा हूं कि यह भाजपा प्रायोजित जल संकट है। भाजपा चाहती है कि दिल्ली के लोगों को पानी न मिले और वे यह सुनिश्चित करने के लिए सभी षड्यंत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली को हरियाणा से पानी मिलता है और जब भाजपा शासित राज्य आवश्यक पानी नहीं देता है तो पानी की किल्लत हो जाती है। उन्होंने दावा किया, ह्यहमें अपनी मांग के अनुसार पानी नहीं मिल रहा है। जब हम हरियाणा सरकार से अनुरोध करते हैं तो वह नहीं सुनती। हम उपराज्यपाल से अनुरोध करते हैं लेकिन वे आवश्यक काम नहीं करते। कुछ सप्ताह से राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पानी की किल्लत है। जलापूर्ति कम होने या न होने की वजह से लोग परेशान हैं तथा निजी जल टैंकर से पानी ले रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान के लिए एकीकृत अंतरराष्ट्रीय कार्यवाही जरूरी : डॉक्टर परविंदर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राजदूत डॉ. परविंदर सिंह ने हाल ही में नई दिल्ली में प्रतिष्ठित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक बैठक में भाग लिया, जिसमें उनके साथ पद्म श्री जितेंद्र सिंह शंटी भी मौजूद थउनकी चर्चा का मुख्य फोकस ग्लोबल वार्मिंग के तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दे और पर्यावरण पर इसके दूरगामी प्रभाव पर केंद्रित था। शांति और स्थिरता के लिए प्रसिद्ध डॉ. सिंह ने जलवायु परिवर्तन द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए एकीकृत अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई की अनिवार्यता पर जोर दिया। शिक्षा के क्षेत्र में एक सम्मानित व्यक्ति पद्म श्री जितेंद्र सिंह शंटी ने ने वंचित बच्चों के लिए विशेष रूप से पर्यावरण जागरूकता और संरक्षण के क्षेत्र में शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने के महत्व को भी रेखांकित किया। उनके सामूहिक संदेश में दृढ़ संकल्प और अटूट आशावाद का मिश्रण था, जो इस साझा विश्वास पर जोर देता था कि सहयोगी प्रयासों और शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के माध्यम से, हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं जो सभी के लिए टिकाऊ और न्यायपूर्ण दोनों हो। आशा और उद्देश्य से गूंजने वाले स्वर को बढ़ावा देकर, डॉ. सिंह और पद्म श्री जतिंदर सिंह ने सशक्तिकरण और संभावना की एक आकर्षक कहानी बताई, जिससे दूसरों को अधिक न्यायसंगत और पर्यावरण के प्रति जागरूक दुनिया की खोज में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

नेशनल इंकलाब पार्टी के पदाधिकारी की बैठक हुई

नई दिल्ली। नेशनल इंकलाब पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी व पदाधिकारीयों की आम सभा हाजी मोहम्मद अनीस की अध्यक्षता में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संपन्न हुई। इस आम सभा में पार्टी संविधान के अनुसार केंद्रीय पदाधिकारीयों के चुनाव की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अहम बैठक के दौरान डॉ अब्दुल सलाम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए डॉक्टर आरिफ(इंजीनियर) के नाम की उनके पदों पर पुनः नियुक्त किया गया घोषणा की, इसी क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के पद पर खुर्रम जहर आलम और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर सबा आलम के नाम पर सभी की आम सहमति बनी, और सभी के द्वारा पूर्ण सहमति से इन सभी नामों को स्वीकार भी कर लिया गया। इस प्रकार केंद्र पदाधिकारी की आम सभा में सर्वसम्मति से पार्टी के संविधान के अनुसार पुनः चार वर्षों के लिए निम्नलिखित पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं

हीट स्ट्रोक से बचाव और इलाज के लिए प्रयोग करें सत्तू और आम पन्ना

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद डॉक्टर आरती पाराशर नेकहा सत्तू आम पन्ना पोषण से भरपूर तो हैं ही, ये लू से बचाव और इलाज के लिए भी सर्वोत्तम हैं। मार्केट में उपलब्ध एनर्जी ड्रिंक या पेय पदार्थ अत्यधिक शुगर, नमक और प्रिजर्वेटिव होने के कारण लाभ के बजाय शरीर को हानि ही पहुंचाते हैं। इसलिए घर में बनाया हुआ सत्तू व आम पन्ने का ही प्रयोग करें। लू से बचाव के लिए घर से बाहर जाते समय सत्तू या आम पन्ना पीकर निकलें। इसी प्रकार गर्मी में बाहर से घर आने पर भी सत्तू या आम पन्ने का प्रयोग करें। डॉ पाराशर ने कहा, भुने हुए जौ और चने के आटे को पानी में घोलकर उसमें नींबू का रस, काला या सेंधा नमक, भुना हुआ जीरा पाउडर और धनिये व पुदीने के पत्ते मिलकर सत्तू बनाया जाता है। इसमें आवश्यकता व स्वाद के अनुसार शक्कर व चीनी या मिश्री भी मिलाई जा सकती है। अकेले चने के बुने हुए आटे से भी सत्तू बनाया जा सकता है। इसी प्रकार आम पन्ना कच्चे आम के गूदे को पानी में उबालकर और छान कर उसमें नींबू, काली मिर्च, अदरक, पुदीने व धनिये का रस मिलकर तैयार किया जा सकता है। आजकल आम पन्ना मार्केट में भी उपलब्ध है लेकिन वह प्रिजरवेटिव मिला हुआ होता है और उसमें शुगर की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है, इसलिए बेहतर है कि आम पन्ना घर पर ही बनाएं।

कलाबिम्ब-24 कला प्रदर्शनी 22 से

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

कलाबिम्ब-24 कला प्रदर्शनी इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में फाइनटच आर्ट मोटिवेटर्स एंड एजुकेटर्स के द्वारा 22 से 26 जून, 2024 तक आयोजित की जा रही हैं, प्रदर्शनी क्यूरेटर बलविंदर तंवर और रवींद्र तंवर ने बताया की प्रदर्शनी में भारत के समकालीन कलात्मकता के 24 सम्मानित कलाकारों की उत्कृष्ट कृतियाँ शामिल हैं। पेंटिंग, फोटोग्राफी, डिजिटल कलाकृति, से लेकर नवीन मिश्रित मीडिया कला के माध्यम प्रदर्शनी में हैं. प्रदर्शनी में भाग लेने वाले कलाकार-- अनीता गोयल, अंजलि गुप्ता, डॉ. सूर्यसनाता मोहंती, फुला चंद्र मिस्त्री हर्ष इंदर लूंबा, हिमानी पसरीचा, कृष्ण कर्मेश्वर, मनोमॉयदास, मनीष राव, मोहम्मद दानिश, मोनिका सिंह, मुकेश कुमार, परमानंद चौधरी, प्रियंका बर्धन, रविकांत झा, रवींद्रकुमार तंवर, रितेश बगई, सरताज हैदर नकवी, सतवीर राणा, शालिनीदत्त, सुनील जायसवाल, सुस्मिता मंडल, सुसनाता चटर्जी, सुब्रो पी बसु।

निजी स्वार्थ के कारण एयरपोर्ट की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं अधिकारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केंद्र सरकार सफलतापूर्वक सबका साथ और सबका विकास के साथ आगे बढ़ रही है लेकिन, उसी सरकार के कुछ विभाग जब अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए नियमों को ताक पर रख देते हैं, तो विसंगतियां सामने आती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से काम कर रहे हैं , उससे देश की जनता ही नहीं, विदेशों में रहने वाले भारतीयों का मान भी बढ़ा है। उनके विकसित भारत के सपने को साकार करने में हर भारतीय की भूमिका महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली के हिमाचल भवन में आयोजित एक संवादाता सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के काउंसिल श्री सर्वेंद्र सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि हम और आप उस समय हैं, जब देश का कुशल नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं। उनके बताए गए रास्तों पर हम और आप चल रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने जिस प्रकार से आतंकवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई हुई है, उसका ही फल है कि हम आज एक भ्रष्टाचार से जुड़े मसले पर बात करने आए हैं। सुप्रीम कोर्ट में काउंसिल श्री सवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की विकसित भारत की परिकल्पना से इतर कुछ चंद अधिकारी मनमाने तरीके से इस प्रकार के कार्यों में जुटे हैं कि वो उन विदेशी कंपनियों को इंडिया से बाहर दिखने का कार्य कर रहे हैं। कुछ कंपनी भारत में निवेश भी करना चाहती है, लेकिन अपने स्वार्थ के कारण कुछ अधिकारी ऐसा होने नहीं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेरी जानकारी में ये आया है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने हाल में ही एक एक्सबीआईएस मशीन के टेंडर की प्रक्रिया में एक ऐसी कंपनी के साथ आगे जाने का फैसला किया है, जिनकी मशीन में आग लगने का इतिहास है। उदाहरण के रूप में बताना चाहता हूं कि इंदौर एयरपोर्ट पर जुलाई 2023 में एक्सबीआईएस मशीन में आग लगी थी। जिस कंपनी की मशीन में आग लगी थी, उसी कंपनी का हाल ही में टेंडर में कॉन्ट्रैक्ट देने का फैसला कुछ अधिकरियों ने करने मूड बनाया हुआ है। संभव है हो भी गया हो। एक सवाल के जवाब में श्री सवेन्द्र सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के खुद के सुपरवाइजर ने इस कंपनी की मशीन के अच्छे से काम न करने की शिकायत ईमेल के द्वारा की थी लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा किसी प्रकार का जांच नहीं किया गया। 6 मार्च, 11 मार्च और 21 मार्च, 2024 को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के इंदौर एयरपोर्ट के सुपरवाइजर ने इस ओर ध्यान आकृष्ट कराया था। सुरक्षा जांच में चूक तक कही गई। लेकिन, इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

उनका यह भी कहना है कि माननीय मोदीजी ने बाहरी निवेश के रास्ते खोले हैं और टेक्नोलॉजी और इन्वेस्टमेंट के लिए इस प्रकार की कंपनियों को आमंत्रित किया है फिर भी लालफीताशाही के रहते उन विदेशी कम्पनिओ को गलत तरीके से टेंडर की प्रक्रिया से बाहर किया जा रहा है जो की बेहतर तकनीक से साथ इंडिया में अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने की इच्छुक हैं . इस प्रकार की कंपनियों के आगमन से प्रतिस्पर्धा बढ़ती हैं और सप्लाई की कीमतो में कमी आती है.

सावधान ! गन्ने में तेजी से फैल रहा है लाल सड़न (रडरॉट) रोग

- अवध एन्ड शुगर एनर्जी लिमिटेड ने बताएं रोग से बचाव के उपाय
- सूखे गन्नो को जड़ से उखाड़ कर बाहर निकाल कर जला दें: सुखवीर सिंह

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा।अवध शुगर एण्ड एनर्जी लि० यूनिट-स्योहारा के उपाध्यक्ष (गन्ना) श्री अरविन्द सिंह ने बताया कि गन्ने के खेतों में लाल सड़न (रेड रॉट) तेजी से फैल रहा है। यह रोग कोलेक्टोट्राइकम फैलकेटम नामक फफूँद के कारण फैलता है, तथा इस रोग से ग्रसित गन्ने पूरी तरह सूख जाते है। पेड़ी गन्ने के जिन खेतों में किसान भाईयों ने कल्ले छोड़ दिये उन खेतों में यह रोग ज्यादा दिखाई दे रहा है। चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष श्री सुखवीर सिंह ने बताया कि सूखे मेढ़ों को जड़ से उखाड़ कर बाहर निकाल कर जला दें तथा उखाड़े गये स्थान पर ब्लीचिंग पाउडर डाल दें। ब्लीचिंग पाउडर लेने हेतु अपने क्षेत्र के चीनी मिल सुपरवाईजर से सम्पर्क करें। गन्ने के स्वस्थ खेतों में ऐजोडेजो नामक फफूँद नाशक 200 मि.ली. प्रति एकड की दर से स्प्रे अवश्य कर दें इसके अतिरिक्त गन्ने के खेतों में चोटी बेधक की तीसरी पीढ़ी का प्रकोप प्रारम्भ हो गया है, इससे गन्ने की फसल को बचाने के लिए कोराजन अथवा हेलिप्रो (क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल) कीट नाशी रसायन की 150 मि.ली. मात्रा को 400 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से हल्की फुहार के साथ गन्ने के जड़ क्षेत्र को तर-बतर कर दें, तथा 24 घण्टे के अन्दर सिंचाई अवश्य कर दें। श्री अरविन्द सिंह ने बताया कि कीट नियन्त्रण के लिए दवाई की सही मात्रा, समय और सही तरीका सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। कोराजन व हेलिप्रो दवा चीनी मिल में उपलब्ध है किसान भाई अपने क्षेत्र के चीनी मिल सुपरवाईजर से मिलकर दवा प्राप्त कर सकते हैं। यदि दवा का प्रयोग नहीं किया गया तो गन्ने की पैदावार में 20-25 प्रतिशत का नुकसान हो सकता है।

15 दिन में सभी कटरों में आग से बचाव का चलेगा जागरूकता अभियान, चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

चांदनी चौक की नई सड़क पर दो मार्केट में आग से व्यापारियों को हुए भारी नुकसान पर अब ट्रेडर्स एसोसिएशन ने सभी व्यापारियों को आग से बचाव के लिए जागरूक करने का निर्णय लिया है। इसके लिए चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद ने अपनी बैठक सोमवार को बुलाकर इस संबंध में नीति बनाने का निर्णय लिया है।

इसके तहत चांदनी चौक के सभी कटरों के व्यापारियों और दुकानदारों को जागरूक किया जाएगा। ताकि आगे किसी को ऐसा नुकसान न हो जैसा ही अब हो चुका है। इसके लिए व्यापारियों स्वयं जागरूक रहे और जिम्मेदारी से काम करेंगे तो घटनाओं के होने की संभावना को कम किया जा सकता है।

चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद के प्रधान सुरेश बिंदल ने बताया कि चांदनी चौक की समस्याएं आज की नहीं है और जब कोई घटना होती है तो व्यापारियों के पास हाथ मलने के सिवाय कुछ नहीं होता है। करोड़ों का नुकसान होता है। ऐसे में हम चाहते हैं कि अपने स्तर पर व्यापारी खुद अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें ताकि आगे ऐसी दुर्घटनाओं का दोहराव न हो।

चांदनी चौक में हैं 74 कटरे

उन्होंने बताया कि हम सोमवार को परिषद की बैठक बुला रहे हैं। इसमें निर्णय लेंगे कि कैसे दूसरे व्यापारियों को आग की घटनाओं को रोकने के लिए जागरूक किया जा सकता है। बिंदल ने कहा कि चांदनी चौक में 74 कटरे हैं। हम शुरूआती तौर पर सभी कटरों के प्रधान और सचिव को बुलाएंगे। साथ ही अग्निशमन से लेकर इलेक्ट्रिकल विभाग के विशेषज्ञों द्वारा व्यापारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। चूंकि चांदनी चौक में संकरी गलियां है। ऐसे में आग लगने पर अग्निशमन की गाड़ियों को पहुंचने में दिक्कत होती है।

इसलिए इससे पहले छोटी आग को ही कैसे लोग काबू पा सकते हैं इस पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही एसी और अन्य इलेक्ट्रानिक आइटमों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए ताकि उनसे कोई घटना न हो इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि हमारी योजना है कि पहले हम सभी कटरों के प्रधान और सचिव को जागरूक करें फिर सभी कटरे की एसोसिएशन अपने स्तर पर आगे अन्य दुकानदारों और कर्मचारियों को जागरूक करें।

चार दिन बात भी तैनात है अग्निशमन की गाड़ियां

चार दिन से लगी आग अभी तक पूरी तरह नहीं बुझ पाई है। मौके पर अग्निशमन की गाड़िया खड़ी है और नागरिकों की आवाजाही पूरी तरह बंद है। ऐसे में दुकानदार अब भी इस इंतजार में है कि कब यहां पर आग पूरी तरह बुझे और कब वह अपनी दुकानों का हाल देखे।

अग्निशमन कर्मियों के सामने दिक्कत यह आ रही है कि मलबा कपड़े जिनमें आग लगी थी उनके ऊपर गिर गया है। अब रुक-रुक कर आग लगती है और धुंआ उठता है तो पानी वहां तक डाला जाता है। समस्या यह भी आ रही है कि मलबा ऊपर गिर जाने की वजह से पानी नीचे तक भी पहुंच नहीं पा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड में बकरीद पर्व शांतिपूर्ण संपन्न

जमुई/गिद्धौर। प्रखंड भर के इदगाहों और मस्जिदों में सोमवार को शहादत और कुबार्नी के पर्व ईद उल अजहा बकरीद की नमाज अदा की गई। प्रखंड के गिद्धौर, केतरुनवादा, बरदघटा, धनियाठीका, मौरा, कैराकादो आदि गांव में मुस्लिम भाइयों ने नमाज अदा कर एक दूसरे से गले मिल बधाई दी। धनियाठीका मस्जिद में इमाम हाफिज मोहब्बत शमशाद आलम एवं युवा समाजसेवी मो.शाहिद खाँन,झुन्नू खाँन ने अपने तकरीर में कहा कि कुबार्नी दीन की शान और इस्लाम का बड़ा निशान है। यह हजरत इब्राहिम अलैह सलाम की सुन्नत है। कुबार्नी जज्बा, इखलास, वफादारी का दर्श देता है। उनोन्हे प्रखंड भर के मुस्लिम भाइयों से भाइचारे के साथ शांति पूर्वक बकरीद पर्व मनाए जाने व नमाज अदायगी करने की बात कही। इधर बकरीद को लेकर प्रखंड के तमाम मस्जिदों एवं ईदगाहों में गिद्धौर बीडिओ अजय कुमार,सीओ आरती भूषण,पीओ बिपिन कु मार,थानाध्यक्ष रीता कुमारी,एसआई अनुज कुमार,आयुषी कुमारी,उमेश कुमार द्वारा प्रखंड क्षेत्र के गिद्धौर, धनियाठीका,मौरा,केतरु नवादा, कैराकादो,बरदघटा आदि जगहों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की मुस्तैदी से तैनात कर विधि व्यवस्था पर कड़ी नजर बनाए हुए थे।

दूसरे चरण की सक्षमता परीक्षा 26 से 28 जून तक

जमुई/गिद्धौर। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सक्षमता परीक्षा -2.0 की तारीख की घोषणा कर दी है। यह परीक्षा 26,27 और 28 जून को ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 85 हजार नियोजित शिक्षक शामिल होंगे,जो पहले चरण में उत्तीर्ण नहीं हो सके थे या जिन्हें अपना मनचाहा जिला नहीं मिला था। इन शिक्षकों को एक और मौका दिया जा रहा है।अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जल्द ही जारी किए जाएंगे। सक्षमता परीक्षा 2.0 के तहत अलग-अलग कक्षाओं के लिए साथ श्रेणी में कुल 59 विषयों की परीक्षा आयोजित की जाएगी।इस परीक्षा में कोई नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी। पहली से पांचवीं कक्षा के लिए एक विषय की परीक्षा होगी,जबकि छठी से आठवीं के लिए 8 विषय,माध्यमिक(नवमी से दसवीं) के लिए 19 विषय और उच्च माध्यमिक(11वीं से 12वीं) के लिए 31 विषयों की परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा में कुल 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। पहली से पांचवी कक्षा के लिए भाषा से 30,सामान अध्ययन से 40 और समान्य विषय से 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। इस तरह छठी से आठवीं,नौवीं व दशमी तथा 11वीं व 12वीं के शिक्षकों के लिए भी समान अंक प्रश्न पूछे जाएंगे। इसके अलावा सेकेंडरी स्कूल के प्रधान शिक्षक की परीक्षा 28 जून को और प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक की परीक्षा 29 जून को होगी।

तमोट परसा में पेड़ से लटका मिला एक महिला की शव, ग्रामीणों ने जताया हत्या की आशंका

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हीं हो पाएगा खुलासा हत्या है या आत्म हत्या

- मामले की तपतीश में जुटी पुलिस कर रही गहन अनुसंधान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा पेड़ से लटका मिला एक महिला का शव बरामद हुआ है वहीं ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताया है। मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। मामला भराहीं थाना क्षेत्र और मुरलीगंज थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाको के तमोट परसा वार्ड संख्या 02 का बताया गया है। मृतका की पहचान मुरलीगंज थाना क्षेत्र के तमोट परसा वार्ड संख्या 2 निवासी विपिन सिंह की 45 वर्षीय पत्नी रंजू देवी के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मृतका रंजू देवी की पुत्री का कुछ दिनों से धुरगांव वार्ड संख्या 12 निवासी रामचंद्र यादव के पुत्र विभूति सागर से प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था और कल शाम से ही वे अपने घर से गायब थी, जिस कारण रंजू देवी काफी परेशान थी। मृतका के पति विपिन सिंह भी बाहर गए हुए थे। घर में सिर्फ मृतका और उसकी पुत्रवधू कोमल हीं मौजूद थी। बीते रात सभी खाना पीना खाकर अपने-अपने कमरे में सोने चले गए थे। सुबह उठकर देखा तो रंजू देवी का शव घर के बाहर गले में रस्सी के सहारे एक पेड़ पर लटका है। आसपास के लोगों के सहयोग से शव को पेड़ से उतारा गया एवं घटना की जानकारी तत्काल भराहीं व मुरलीगंज थाने की पुलिस को दी गई। घटना की सूचना मिलते हीं भराहीं एवं मुरलीगंज थाने की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की छानबीन में जुट गई है। फिलहाल पुलिस ने मृतका की शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल मधेपुरा भेज दिया है। वहीं इस घटना को लेकर मधेपुरा एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि बहरहाल शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, पोस्टमार्टम के बाद हीं कुछ साफ हो पाएगा महिला की हत्या हुई है या सुसाइड का मामला है। पुलिस हर बिंदु पर गहन अनुसंधान कर रही है। वहीं ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं। हालांकि यह जांच का मामला है। वहीं इस मामले को लेकर जिला परिषद उपाध्यक्ष रघुनंदन दास और ग्रामीण शिवमणि सिंह ने घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग मधेपुरा एसपी संदीप सिंह से की है उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी दोषी हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

स्कूलों की व्यवस्था में नहीं हो रहा सुधार,मिल रही शिकायतें

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। शिक्षा विभाग द्धारा लगातार छात्र हित्र को लेकर नए-नए फैसले लिए जा रहे हैं। बच्चों के समग्र विकास और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने को लेकर लगातार निरीक्षण और अनुश्रवण का दौर जारी है। बावजूद मामला जस का तस दिख रहा है। शिक्षकों और संबंधित पदाधिकारियों की कार्यशैली में बहुत अधिक अंतर नहीं आ रहा। वही लगातार मिल रही शिकायत के बाद अब शिक्षा विभाग के नए निर्णय लेते हुए इसकी जिम्मेदारी जिले के डीएम को सौंप दी है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ ने सभी जिला पदाधिकारी को पत्र जारी करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग के माध्यम से विद्यालय में निरीक्षण एवं अनुश्रवण की व्यवस्था की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा चलाए गए सघन निरीक्षण के पश्चात भी विभाग के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में स्कूल की व्यवस्था पर शिकायतें लगातार मिल रही है ये शिकायतें सामान्यतः विद्यालय के संबंध में अब इतने निरीक्षण के पश्चात नहीं होनी चाहिए थी। इससे स्पष्ट होता है कि विद्यालयों के निरीक्षण एवं अनुश्रवण में त्रुटि हुई है। उन्होंने कहा है कि इस त्रुटि के कारण आवश्यक है कि जिला पदाधिकारी अपने स्तर से (शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों को छोड़कर) अन्य पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षक से इन विद्यालयों का निरीक्षण कराएं। डीएम करेंगे नोडल पदाधिकारी नामित मिले निर्देश के आलोक में डीएम अपने जिला के लिए एक नोडल पदाधिकारी (उप समाहर्ता) शिक्षा विभाग के शिकायतों के अनुश्रवण के लिए नामित करेंगे। टोल फ्री नंबर 14417 एवं 18003454417 पर प्राप्त शिकायत पत्रों को डीएम द्वारा नामित पदाधिकारी को शिक्षा विभाग के अनुश्रवण कोषांग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। गैर शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों से इन शिकायत पत्रों की स्वतंत्र जांच भी कराई जाएगी। साथ ही ई-शिक्षा कोष के माध्यम से इन प्रतिवेदन को सीधे अपर मुख्य सचिव,शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराना होगा।

प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाई बकरीद, अमन और शांति के लिए कि दुआ

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंजः-अलीगंज प्रखंड क्षेत्र में सोमवार को अलीगंज, आढा,चंद्रदीप, कैथा,दिन्नगर,चंद्रदीप, दरखा, सहोडा,मरकाम ,जखड़ा, मिजार्गंज,बेला,मातबलवा, सेवे सहित दर्जनों मुस्लिम गांव में ईदउल अजहा (बकरीद)का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने एक साथ नमाज पढ़ी और नमाज के दौरान अल्लाह की इबादत कर मुल्क में अमन चैन की दुआ मांगी। वहीं, सभी गांव के ईदगाह एवं मस्जिदों में ईद- उल-अजहा की एक साथ नमाज पढ़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी। अलीगंज ईदगाह के मैदान में नमाज पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। बतातें चले कि बकरीद के दिन इस्लाम धर्म से जुड़े लोग बकरे की कुबार्नी देते हैं। इस्लाम धर्म में बकरीद को बलिदान का प्रतीक माना जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, जिलहिज्ज का महीना साल का अंतिम महीना होता है। इसकी पहली तारीख काफी महत्वपूर्ण होती है। इस दिन चांद दिखने के साथ ही बकरीद की तारीख का ऐलान किया जाता है। जिस दिन चांद दिखता है उसके दसवें दिन बकरीद का पर्व मनाया जाता है।बकरीद इस्लामिक कैलेंडर के साल के सबसे आखिरी महीने में मनाई जाती है। बकरीद पर जहां बकरों की कुबार्नी दी जाती है वहीं ईद-अल-फित्र पर सेवई की खीर बनाई जाती है। बकरीद को या ईद उल-अजहा के नाम से भी जाना जाता है। हाफिज मोहम्मद मोबिन,हाफिज सल्लू,हाफिज इरफान ने बताया की इस्लामिक मान्यताओं के मुताबिक, पैगंबर हजरत इब्राहिम मोहम्मद ने अपने आप को खुदा की इबादत में समर्पित कर दिया था। उनकी इबादत से अल्लाह इतने खुश हुए कि उन्होंने एक दिन पैगंबर हजरत इब्राहिम की परीक्षा ली। अल्लाह ने इब्राहिम से उनकी सबसे कीमती चीज की कुबार्नी मांगी, तब उन्होंने अपने बेटे को ही कुर्बान करना चाहा। पैगंबर हजरत इब्राहिम मोहम्मद के लिए उनके बेटे से ज्यादा कोई भी चीज अजीज और कीमती नहीं थी। कहा जाता है कि जैसे ही उन्होंने अपने बेटे की कुबार्नी देनी चाही तो अल्लाह ने उनके बेटे की जगह वहां पर एक बकरे की कुबार्नी दिलवा दी। अल्लाह पैगंबर हजरत इब्राहिम मोहम्मद की इबादत से बहुत ही खुश हुए। मान्यताओं के अनुसार, उसी दिन से ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर कुबार्नी देने की परंपरा शुरू हुई। और सभी मुस्लिम भाई अपने घरों में बकरा को पोस पल कर बकरीद के दिन कुबार्नी देते है, बकरा का मीट तीन हिस्सों में बाटा जाता है,जिसमे दो हिस्सा गरीबों,यतिमो,एवं लाचारो को देना सबावाब होता है, कुबार्नी देने के साथ बुराइयों,एवं गुनाहों से तौबा करते है,सच्चे मन से कुबार्नी देते है,उनको खुदा कबूल करते है, वहीं रविवार को अलीगंज बाजार में त्योहार को लेकर गुलजार दिखी, । वहीं बकरीद त्योहार को लेकर बच्चे काफी उत्साहित दिखे,नन्हे नन्हे बच्चे रंग बिरंगी कपड़े पहन कर बकरीद की मुबारक बाद दे रहे थे,वही बड़े बुजुर्ग ने बच्चों को ईदी दिया, वहीं ईद उल.अजहा की नमाज के बाद सभी अपने अपने घरों में बकरा की कुबार्नी दिया, और रिस्तेदारो एवं परिवारों के घर जाकर एक दूसरे से गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारक बाद दी,सभी जगहों पर ईद की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से हुई,नमाज के दौरान मस्जिद व ईदगाह के बाहर शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किए गए, मौके पर मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवी एवं नौजवान बुजुर्ग सहित बच्चे मौजूद रहे।

ईद का पर्व सोनो मे हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई - बकरीद के नाम से जाना जाने वाला इद उल अजहा का त्योहार सोनो प्रखंड छेत्रों में सोमवार को शांति पुर्वक संपन्न हो गया है । हजरत इब्राहीम की अल्लाह के प्रति असीम श्रद्धा और उनके द्वारा किये गए बलिदान की याद में मनाया जाने वाला इस महापर्व पर सोनो प्रखंड छेत्र के पेरा मटिहाना , खपरिया , बाजराडीह , भरतपुर , ढोंढरी , तिलवरिया , कोड़ाडीह , गोरबा मटिहाना , रकतरोहनियां , कुसैया , गंदर , बंदरमारा , सोनो , मोहनाडीह , करहरीटांड़ , रजौन , दुधनियां , भलसुंभिया , बाबुडीह आदि गांवों में सोमवार की अहले सुबह बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने अपने ईदगाहों ओर मस्जिदों में जाकर एक साथ नमाज अदा करते हुए देश वासियों के लिए दुआ मांगी । तत्पश्चात एक दुसरे के संग गले मिलकर ईद पर्व का मुबारक बाद दिया । इसके बाद बड़े बड़े बकरों की कुबार्नी दी गई । बताया जाता है कि बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहीम की उस घटना पर आधारित है जब उन्होंने अल्लाह के हुक्म पर अपने पुत्र हजरत इस्माइल को बलिदान करने के लिए तैयार हो गए थे । अल्लाह ने उनकी परिक्षा लेने के लिए यह आदेश दिया था , लेकिन जब इब्राहीम अपने पुत्र को बलिदान करने लगे तभी अल्लाह ने उनकी निष्ठा को देखकर हजरत इस्माइल की जगह एक भेड़ को भेज दिया था । इस प्रकार हजरत इब्राहीम की बलिदान पुर्ण हो गया था । तभी से आज का दिन बलिदान का प्रतिक के रुप में मनाया जाने लगा है । आगे बताया गया है कि कुबार्नी की त्योहार का महत्व सिर्फ बलिदान तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह त्योहार सिखाता है कि अपने सबसे प्रिय वस्तुओं को अल्लाह के नाम करने के लिए तैयार रहना चाहिए । कुबार्नी का त्योहार परस्पर आपस में प्रेम , सद्भावना ओर सहायता का पाठ पढ़ाता है , जिस कारण लोग अपने अपने घरों में दिये गये बकरे की मांस को तीन हिस्सों में बांटकर खुशियां मनाते हैं । जिसमें एक हिस्सा गरीबों के लिए एवं दुसरी जरुरत मंदों ओर कुटुंब जनों के लिए तथा तिसरी हिस्से को अपने परिवार के लिए रखा गया है । जिस कारण यह बकरीद का त्योहार धार्मिक दृष्टिकोण से समाजिक समानता और भाईचारे का संदेश देते हुए इंसानियत की मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है । लिहाजा बकरीद का पर्व वास्तव में एक ऐसा पर्व है जो लोगों को आपस मे जोड़े रखता है ।

स्वास्थ्य भी स्वाद भी- गर्मी में यह फल कुदरती ठंडक और मिठास का दिलाता है एहसास

भीषण गर्मी में लोग ले रहे हैं ताड़ के फल का आनंद

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। भीषण गर्मी व तापिश से बेहाल है ऐसे में बाजार की रौनक बढ़ाने वाला ताड़ का फल(ताड़ रो कुआ) काफी तरावट दे रहा है। यह दिखाने में बेहद आकर्षक और खाने में मीठा लगता है। हालांकि,इस फल का बाहरी आवरण नारियल जैसा बहुत कड़ा होता।कड़े आवरण को छांटने-हटाने के लिए दबिया का प्रयोग किया जाता है। तब इसके अंदर किसी में दो,किसी में तीन,किसी में चार ताड़ का कुआ(फल) निकलता है। फल का आकार कुछ दिल नुमा होता है। युक्त फल पर भी पीले,कत्थई और उजले छिलके होते हैं,जो खा लेने पर स्वादहीन कसेला लगता है। छिलके के अंदर बदली रंग का गुदा होता है,जो खाने में मीठा और ठंडा लगता है।इस गुदा के अंदर पानी रहता है,जिसका स्वाद कुछ-कुछ नारियल पानी जैसा होता है। यह ताड़ का फल गर्मी के मौसम और मानसून आगमन के बीच बाजार में बिकने लगता है,और बरसात के शुरूआती दिनों तक बिकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं,कि ? इस रसीले फल के फायदे अनमोल है,जिन्हें जानकर ताड़ के फल के प्रति आपका आकर्षण बढ़ जाएगा। ताड़ का फल शरीर के लिए लाभदायक तो होता ही है,यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है।तीन साल से ताड़ का फल बिक्री करने वाले चंदन चौधरी कहते हैं साल में दो माह तक यह नगदी का धंधा है। एक ताड़ का कुआ 10 रूपया पीस करके बिकता है। ताड़ के फल के फायदे ताड़ फल खाने से पानी 77 ग्राम, प्रोटीन 1 ग्राम,फैट जीरो,काबोर्हाइड्रेट 21 ग्राम, कैल्शियम 9 ग्राम, फॉस्फोरस 33 मिलीग्राम,आयरन 0 मिलीग्राम,थिमाइन 04 मिलीग्राम,विटामिन सी 5 मिलीग्राम शरीर को मिलता है। डायबिटीज व एनीमिया के मरीजों के लिए लाभकारी ताड़ में प्रचुर मात्रा में विटामिन और खनिज पदार्थ पाया जाता है। ताड़ का फल डायबिटीज और एनीमिया के मरीज के लिए काफी लाभकारी है। साथ ही लू के प्रकोप से बचने में भी काफी मददगार साबित होता है।

अस्पताल में नही हो सका अबतक रोगी कल्याण समिति का गठन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रोगी कल्याण समिति की गठन हर अस्पताल में किया जाना है लेकिन रेफरल अस्पताल झाझा में रोगी कल्याण समिति का गठन नही अबतक नही हुआ जिससे यह विभागीय अफसरों की मनमर्जी व उदासीन रवैये को दर्शाता है। अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का गठन नही होने से आमजनों को समुचित स्वास्थ्य सेवा सही रूप से नही मिल पा रहा है। रोगी कल्याण समिति में बीडीओ को अध्यक्ष बनाने सहित अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, पंचायत के नामित एक जनप्रतिनिधि सहित अन्य लोगों को शामिल किया जाना है लेकिन अबतक अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का गठन नही हुआ है। इस संदर्भ में अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार ने बताया कि अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का अगर गठन हो जाता है तो स्वास्थ्य सुविधा को और बेहतर बनाया जा सकता है। कई ऐसे आवश्यक सामग्री की खरीददारी करना या नए सिरे से अस्पताल में काम करना, अस्पताल से जुड़ी अन्य कई कार्य कर पाना मुश्किल हो रहा है। उन्होनें बताया कि रोगी कल्याण समिति का गठन नही होने से हो रही परेशानी को लेकर विभाग को भी जानकारी दि गई है।

जमुई में शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की के साथ युवक ने बनाया शारीरिक संबंध

वहीं शादी से मना करने पर पीड़िता ने पुलिस को आवेदन देकर दर्ज कराया केस

- न्याय के इंतजार में पीड़िता पुलिस से लगातार कर रही मामले की जांच कराने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिले के सिमुलतला इलाके में नाबालिग को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध धोखाधड़ी करने का एक मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़िता ने सिमुलतला थाना में आवेदन देते हुए पुलिस से कार्रवाई और न्याय की मांग की है। पुलिस केस दर्ज करते हुए आरोप लगाने वाले लड़की का मेडिकल जांच करवाते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार सिमुलतला थाना इलाके के एक गांव की 17 साल 7 महीना की नाबालिग लड़की ने अपने ही गांव के 24 वर्षीय जयकुमार यादव नाम के युवक पर आरोप लगाया है।

आवेदन के अनुसार 24 साल के युवक ने लड़की को शादी का झांसा देकर मोबाइल पर बातचीत की और फिर अकेले में मिलने के लिए बुलाया। लेकिन, जब लड़की ने युवक से अकेले में मिलने से मना किया तो युवक लगातार पीछा करते रहा।

फिर एक दिन 11 मार्च 2024 को दिन के 11 बजे लड़की जब कोचिंग पढ़कर घर आ रही थी तभी रास्ते में उस युवक ने उसे रोक लिया और बोला कि मैं तुमसे शादी करूंगा, हमसे बात करो। फिर लड़की उससे बात करने लगी। इस दौरान सिमुलतला के एक कोठी में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया, उस समय युवक ने अपने मोबाइल से फोटो भी ले लिया।

लड़की का आरोप है कि वह डराने लगा कि हम जो कहेंगे वह तुम्हें करना पड़ेगा नहीं तो फोटो वायरल कर देंगे। इस तरह से ब्लैकमेल करते हुए युवक ने लड़की के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया और अब वह शादी किसी दूसरी लड़की के साथ करने जा रहा है। जब इसकी जानकारी लड़की को मिली तो उसने युवक से कहा कि तुम ऐसा नहीं कर सकते, शादी मुझसे ही करना पड़ेगा, जिसके बाद मारपीट की। युवती ने पुलिस को आवेदन देते हुए मामले की जांच पड़ताल कर जल्द ही कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस मामले में सिमुलतला थाना अध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने नाबालिग लड़की को सोमवार की सुबह मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा है।

ट्रक लूट मामले का पुलिस ने किया 12 घंटो अंदर बड़ा खुलासा

एक पिस्टल एक देशी कट्टा और लूट की रकम के साथ दो अपराधी हुआ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा में ट्रक लूट मामले का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया। 12 घंटो के अंदर लूट की रकम के साथ दो अपराधी को गिरफ्तार किया। एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा और लूट की रकम भी बरामद किया। दरअसल जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलदौर नहर के पास एनएच 107 मुख्य सड़क पर बीते देर रात एक ट्रक चालक से हथियार के बल पर लूटपाट की घटना घटित हुई थी, इस मामले का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। वहीं इस मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार बदमाशों के पास से लूट की 2500 रुपए नगद, एक देशी कट्टा, एक पिस्टल दो गोली, चार मोबाइल और एक बाइक भी बरामद हुई है। इस घटना के बाबत मधेपुरा एएसपी प्रवेंद्र भारती ने आज मुरलीगंज थाना में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि 15 जून की देर रात को कटिहार जिले के रौतारा थाना क्षेत्र अंतर्गत रमैली निवासी ट्रक चालक बिंदु महतो सहरसा के मिंटू भगत राइस मिल से धान का भूसा लोड कर एथेनॉल फैक्ट्री पूर्णिया जा रहे थे कि इसी बीच रास्ते में मुरलीगंज थाना क्षेत्र के बेलदौर नहर के समीप रात्रि के करीब दो बजे मुख्य सड़क पर अज्ञात बदमाशों द्वारा ट्रक चालक को हथियार का भय दिखाकर एक मोबाइल और 2500 रुपए लूट लिया गया। इस घटना की जानकारी ट्रक मालिक द्वारा मुरलीगंज पुलिस को दी गई जहां पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना एवं तकनीकी साक्ष्य से कांड का उद्भेदन कर लूटी गई मोबाइल, नगद रुपए, घटना में प्रयुक्त एक कट्टा एवं बाइक सहित दो बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश मुरलीगंज थाना क्षेत्र के गंगापुर वार्ड संख्या 8 निवासी मोलचंद मंडल के पुत्र प्रेम सागर और भलनी वार्ड संख्या 3 निवासी संजीव यादव के पुत्र आशुतोष आनंद उर्फ शिवम कुमार है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार दोनों बदमाशों पर पूर्व से भी कई मामले दर्ज है साथ हीं इनकी अपराधिक इतिहास भी पुरानी है, गिरफ्तार अपराधी को तत्काल जेल भेज दिया गया।

पूर्व जिला पार्षद स्वः पौषण प्रसाद यादव की मनाई गई द्वितीय पुण्यतिथि

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई पूर्व जिला पार्षद सदस्य सह जेपी सेनानी स्वर्गीय पोषण प्रसाद यादव की द्वितीय पुण्यतिथि पैतृक गांव कोरियासार स्थित उनके समाधी स्थल पर धूमधाम से मनाई गई। चकाई विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह राजद नेत्री श्रीमती सावित्री देवी, जिला पार्षद सदस्य प्रतिनिधि अजय कुमार यादव , दहियारी पेक्स सुकदेव प्रसाद यादव , समाज सेवी महेंद्र यादव के अलावा बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय पोषण प्रसाद यादव की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नमन किया । पैक्स अध्यक्ष सुखदेव यादव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पुष्पांजली अर्पित करने पहुंचे लोगों का स्वागत किया । पूर्व विधायक श्रीमती सावित्री देवी ने स्वः पौषण प्रसाद यादव की समाधि स्थल पर लगे उनके तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व को याद किया । सावित्री देवी ने कहा कि स्वः यादव अपने जीवन मे परोपकार व समाज सेवा के प्रति किये गए समर्पण अनूकरणीय है । जिला पार्षद प्रतिनिधि अजय कुमार यादव ने पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय पोषण प्रसाद यादव राजनीतिक व सामाजिक साहित्य के क्षेत्र में युवाओं को काफी मान सम्मान देते थे । मौके पर उपस्थित राजद युवा नेता विजय शंकर यादव , दहियारी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि राजेंद्र यादव , सरपंच प्रतिनिधि विष्णुदेव यादव , भाजपा नेता संतु यादव , असलम अंसारी , परमेश्वर यादव , यदुनंदन यादव , लोकन यादव , शंभू बरनवाल , सहित बड़ी संख्या लोग उपस्थित थे । ज्ञात हो कि कार्यक्रम के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे लोगों को भोजन की व्यस्था की गई थी ।

बुजुर्ग की लु लगने से मौत

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई - आये दिन चल रहे उमस भरी गर्मी ओर तपते जमीन से उठते लु के कारण मवैशी चराने गए एक बुजुर्ग की लु लगने से मौत हो गई है । मृतक की पहचान चकाई प्रखंड के चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपरा गांव निवासी संजय टुडग का 55 वर्षीय पिता डुगगा टुडू के रुप में हुई है । प्राप्त जानकारी के अनुसार डुगगा टुडू मवेशियों को चराने के लिए अपने गांव पिपरा से बटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत आदर्श ग्राम पंचायत राज दहियारी के अम्माटिल्हा गांव की तरफ लेकर चला गया ओर एक झाड़ी की आड़ में बैठकर अपने मवेशियों को चरा रहा था । जहां पर वे भीषण गर्मी ओर जमीन से उठते लु को वे बर्दाश्त नहीं कर सका ओर उसकी मौत हो गई । इसकी सुचना पाकर मौके पर पहुंची बटिया थाना की पुलिस ने शव की तहकीकात कर पंचनामा तैयार कर ही रहे थे कि तभी मृतक के परिजन वहां पहुंच गया ओर थाना अध्यक्ष से आरजु विनती कर मृतक के शव को साथ लेकर अपने गांव चला गया ।

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, मंगलवार, 18 जून, 2024

सम्पादकीय

आशावाद भी गायब

जहां युवा बेरोजगारी असामान्य रूप से ऊंची हो और खाद्य मुद्रास्फीति लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर हो, वहां कैसी जिंदगी की कल्पना की जा सकती है? अप्रैल के जारी ताजा आंकड़ों में भी खाद्य मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत दर्ज हुई है।कुवैत में विदेशी मजदूरों के एक रहवास में हुए भयंकर अग्निकांड में मरे 49 लोगों में तकरीबन 40 भारतीय हैं। उधर रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में भाड़े के सैनिक के तौर पर गए दो और भारतीयों की मौत हो गई है। ये भारतीय उन 30 लोगों से अलग हैं, जिनके परिजनों ने भारत सरकार से संपर्क किया था। मतलब यह कि रूस की तरफ से लडे के लिए जिन भारतीयों को बहला-फुसला कर ले जा गया गया, उनकी संख्या उससे कहीं अधिक है, जिसकी जानकारी भारत सरकार और भारत के आम लोगों को रही है। यह खबर तो पहले से बहुचर्चित है कि भारत सरकार ने खुद अपने प्रयास से सैकड़ों देशवासियों को युद्धग्रस्त इजराइल में मजदूरी करने के लिए भेजा।तो मन में पहली नजर में भाव यह उभरता है कि त्रासदी कहीं हो, उससे भारतीयों का कोई ना कोई संबंध निकल आता है। आखिर देश में अवसरों की इतनी कमी और उससे उत्पन्न निराशा इतनी व्यापक क्यों है कि देशवासी कहीं भी जाकर अपनी जान खतरे में डालने के लिए तैयार हो जाते हैं? हम कुछ आंकड़ों पर गौर करें, तो इस बारे में कुछ संकेत पा सकते हैं। मसलन, जहां युवा बेरोजगारी असामान्य रूप से ऊंची हो और खाद्य मुद्रास्फीति लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर चल रही हो, वहां आम जन की कैसी जिंदगी की कल्पना की जा सकती है? अप्रैल के जारी ताजा आंकड़ों में भी खाद्य मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत दर्ज हुई है।कुल आलाम यह है कि सर्वे एजेंसी गैलप के एक विश्वव्यापी आकलन में सामने आया कि भारत में सिर्फ 14 फीसदी कर्मचारियों ने अपनी स्थिति को खुशहाल श्रेणी में रखा। बाकी 86 प्रतिशत कर्मचारियों ने अपनी हालत को संघर्षरत या पीड़ादायक बताया। जबकि अपने को खुशहाल बताने वाले कर्मचारियों का वैश्विक औसत 34 प्रतिशत था। शासक तबकों और उनके संचार माध्यमों की तरफ से इस जमीनी सूरत पर परदा डालने के सुनियोजित अभियान लगातार चलाए जाते हैं। मगर उनसे संकट अब छिपाये नहीं छिप रहा है। अब हाल यह है कि अक्सर चुनावों के बाद दिखने वाला आशावाद भी इस बार गायब ही रहा है।

अब नौकरियों की बड़ी चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है। हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी, जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसदी बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निःसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढकर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है। सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढकर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी। गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसदी महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसदी है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है।

निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढा होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुठ्ठी में लिए जा रहे हैं, उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध में 2014-24 की अवधि में ऋण-आधारित हस्तक्षेपों और सरकार-आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतः एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चलता है कि सूक्ष्म कर्ज का इस्तेमाल स्थिर और टिकाऊ रोजगार सृजन के लिए किया जा रहा है। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएम-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यूए और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं। अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढे से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं, ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढा होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढा होगा। इससे देश की युवा श्रमशक्ति विदेशों में अधिक रोजगार के साथ अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई भी कर सकेगी। हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी।

साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार और माफिया गैंग

क्या इन्हीं अनैतिक मूल्यों के साथ आज का युवा और उनका साहित्य टिका हुआ है? साहित्य को गोरखधंधा बना दिया गया है। बहुत ही शर्म और जहालत की बात है। क्या साहित्य में माफिया गैंग का प्रवेश हो चुका है? आखिर क्या हो रहा है? कल केंद्रीय साहित्य अकादमी द्वारा 2024 के युवा व बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की सोशल मीडिया पर खबर के बाद बधाईयों के साथ-साथ, जैसे अकादेमी पुरस्कारों को लेकर हर साल होता रहा है, कोई न कोई सवाल, विवाद तो उठता ही उठता है, इस बार भी कुमार सुशांत ने प्रविष्टि की अंतिम तिथि, और उसके बाद छपी पुस्तकों पर सवाल उठाते हुए पोस्ट लिखी तो जाहिर है मामला तूल पकड़ना ही था, कई प्रतिक्रियाएं, सवालों के रूप में सामने आ रही हैं। अकादमी के किसी भी नियम में अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किताबों पर विचार के लिए कहीं कोई विशेषाधिकार का जिक्र या प्रावधान नहीं है। नियम -3 के बिन्दु (6) में स्पष्ट लिखा है कि 24 भारतीय भाषाओं में प्राप्त सुयोग्य पुस्तकों की सूची संबद्ध भाषा परामर्श मण्डल के (संयोजक सहित) सभी सदस्यों को इस अनुरोध के साथ भेजी जाएगी कि वे अकादेमी द्वारा निर्धारित तिथि तक दो पुस्तकों का अनुमोदित करें। नियम 7-विविध के पहले पैराग्राफ में यह जरूर लिखा है कि यदि भाषा परामर्श मण्डल के किसी सदस्य या निर्णायक के द्वारा संस्तुति भेजने की समय सीमा की अनदेखी की जाती है तो अकादेमी यह मानकर चलेगी कि उसकी कोई संस्तुति नहीं है

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इस बार की साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार की अंतिम घोषणा पूर्णतः जाली और संशयाधीन प्रतीत हो रही है। इससे बड़ी साहित्यिक दुर्घटना और क्या हो सकती है? इन मानदंडों पर चलते हुए हम कहाँ जा रहे हैं? समाज को क्या सीख दे रहे हैं? क्या इन्हीं अनैतिक मूल्यों के साथ आज का युवा और उनका साहित्य टिका हुआ है? साहित्य को गोरखधंधा बना दिया गया है। बहुत ही शर्म और जहालत की बात है। क्या साहित्य में माफिया गैंग का प्रवेश हो चुका है? आखिर क्या हो रहा है?

कल केंद्रीय साहित्य अकादमी द्वारा 2024 के युवा व बाल साहित्य पुरस्कारों की घोषणा की सोशल मीडिया पर खबर के बाद बधाईयों के साथ-साथ, जैसे अकादेमी पुरस्कारों को लेकर हर साल होता रहा है, कोई न कोई सवाल, विवाद तो उठता ही उठता है, इस बार भी कुमार सुशांत ने प्रविष्टि की अंतिम तिथि, और उसके बाद छपी पुस्तकों पर सवाल उठाते हुए पोस्ट लिखी तो जाहिर है मामला तूल पकड़ना ही था, कई प्रतिक्रियाएं, सवालों के रूप में सामने आ रही हैं। अकादमी के किसी भी नियम में अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किताबों पर विचार के लिए कहीं कोई विशेषाधिकार का जिक्र या प्रावधान नहीं है।

नियम -3 के बिन्दु (6) में स्पष्ट लिखा है कि 24 भारतीय भाषाओं में प्राप्त सुयोग्य पुस्तकों की सूची संबध्द भाषा परामर्श मण्डल के (संयोजक सहित) सभी सदस्यों को इस अनुरोध के साथ भेजी जाएगी कि वे अकादेमी द्वारा निर्धारित तिथि तक दो पुस्तकों का अनुमोदित करें।

नियम 7-विविध के पहले पैराग्राफ में यह जरूर लिखा है कि यदि भाषा परामर्श मण्डल के किसी सदस्य या निर्णायक के द्वारा संस्तुति भेजने की समय सीमा की अनदेखी की जाती है तो अकादेमी यह मानकर चलेगी कि उसकी कोई संस्तुति नहीं है और तदनुसार अपनी पुरस्कार प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी सिवाय उस विशेष परिस्थिति के जिसमें अकादेमी समय-सीमा को बढ़ा पाने की स्थिति में हो तथा वास्तव में उसे बढ़ाती हो।

आश्चर्य की बात जिन तीन लोगों के बारे में सवालिया निशान हैं वे तीनों ज्यूरी के द्वारा रेकॉमेंडेड हैं यानी तीनों पुस्तकों की पैरवी की गई है। वाह रे साहित्य अकादमी। कमाल तो यह कि तीन पैरवी वाले लोगों में एक को पुरस्कार दिया गया है। अब ज्यूरी कितनी ईमानदार है यह सोचने वाली बात है। कहीं ऐसा तो नहीं कि लिस्ट में जितने नाम आये हैं वे सभी ज्यूरी द्वारा रेकॉमेंडेड ही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं रेकॉमेंडेड नाम पर ही केवल विचार हुआ और जो लेखक निर्धारित समय के भीतर अपनी पुस्तक जमा किये उनकी पुस्तक पर (रिकमेंड न होने के कारण) विचार ही नहीं किया गया। लिस्ट में शामिल किस किताब को किस ज्यूरी मेंबर ने रेकॉमेंड किया क्या साहित्य अकादमी यह बतलायेगी?

प्रसिद्ध आलोचक,कवि, लेखक नवनीत पांडेय के अनुसार सवाल यह है कि अगर अकादेमी अपनी विज्ञप्ति में घोषित अंतिम तिथि में परिवर्तन नहीं करती है या बिना पब्लिक सूचना तिथि केवल निर्णायक पैनल को ही व्यक्तिशः सूचित कर तिथि बढ़ा देती है तो बात अलग है, बावजूद इसके किसी नियम में यह कहीं लिखा है कि निर्णायक मण्डल या पैनल को अंतिम तिथि के बाद प्राप्त या किसी व्यक्तिगत जानकारी,सोर्स से प्रकाशित किताब को सूची में शामिल कर, करा सकता है। यदि इन नियमों में कोई संशोधन नहीं हुआ है, यही हैं तो इनके प्रावधानों की जानकारी के बावजूद भी अगर निर्णायक मण्डल, पैनल तिथि के बाद प्राप्त, प्रकाशित किताबों पर विचार कर उसे अंतिम सूची में शामिल कर उन्हें पुरस्कार योग्य पाती है, पुरस्कार घोषित करती है तो अवश्य ही ये प्रतिभाए अप्रतिम और विलक्षण हैं, इस में संदेह नहीं होना चाहिए।

याद दिला दूँ कि साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार-2024 हेतु आवेदन और प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2023 थी। साहित्य अकादमी ने पुरस्कार की घोषणा के साथ जिन 12 लेखकों का नाम प्रकाशित किया है उनमें दो लेखकों की पुस्तक आवेदन की तिथि के बाद आयी है। पहले लेखक हैं शहादत और दूसरे विहाग वैभव। शहादत की पुस्तक ह्यकर्फ़्यू की रातह्ण लोकभारती प्रकाशन से 2024 में पब्लिश हुई यानी आवेदन की अंतिम तिथि के 5 महीने बाद और विहाग वैभव की पुस्तक राजकमल प्रकाशन से सितम्बर 2023 में प्रकाशित हुई यानी आवेदन की अंतिम तिथि के एक महीने बाद।

पाठक दोनों पुस्तक के प्रकाशन का प्रमाण गूगल में देखें। ऐसी स्थिति में साहित्य अकादमी ने इन दोनों लेखकों की पुस्तकों पर विचार कैसे किया? इन दोनों पुस्तकों का नाम अंतिम सूची में कैसे है? नियमतः तो यह अमान्य और अनैतिक है। इस विषय पर शोध करने के दौरान पाया कि पुरस्कृत लेखक की पुस्तक 30 अगस्त 2023 को प्रकाशित हुई और 31 अगस्त 2023 आवेदन की अंतिम तिथि थी। एक दिन में स्वयं लेखक महोदय पुस्तक प्रकाशक से लेकर साहित्य अकादमी के कार्यालय कैसे पहुंचा दिए? क्योंकि साहित्य अकादमी की प्रेस विज्ञप्ति में साफ-साफ लिखा है कि आवेदक को पुस्तक की दो प्रतियाँ स्वयं प्रमाणित जन्म प्रमाण पत्र के साथ जमा करानी होगी। साहित्य अकादमी से अनुरोध है कि इसपर गौर फरमाया जाए और तुरन्त काररवाई करते हुए साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2024 की घोषणा वापिस ली जाए। नए सिरे से पुरस्कृत युवा की नयी घोषणा की जाए। यह अन्य समर्थ युवा लेखकों के साथ ज्यादती है। यह तो बहुत गंभीर मामला है, पारदर्शिता का दावा करने वाली अकादमी के लिए बहुत ही अपमानजनक भी, लेखकों को संज्ञान लेना चाहिए, अकादमी सचिव, अध्यक्ष से जवाब तलब करना चाहिए। सुशांत जी, आपने प्रमाण सहित जो साहित्य अकादमी की पोल खोली है उस पर सभी साहित्यकारों की दृष्टि

फिर आतंकी हमलें, कायम हो शांति का उजाला

इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है।

ललित गर्ग

लेखक शिक्षाविद है

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है।

इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर मीं विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है।

जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये। इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है। पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है,

भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर

संजीव ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद पांचवीं बार जी-7 सेवन की महत्त्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए हैं। निश्चित तौर पर यह बैठक वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अभी तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मेंक्रो एवं इटली की राष्ट्र प्रमुख मेलोनी तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी से अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षी बैठक संपन्न की है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मुलाकात संभावित है। जी-7 के सदस्य देशों ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बैठक में पुरजोर कोशिश की गई है। इसके अलावा पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्ध विराम करने के लिए भरसक प्रयास किया गया।

पर भारत और अन्य जी-7 के सदस्य देश िंआर्टफशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर गंभीर मुद्दों पर नए पहलुओं पर विचार कर रहे हैं। भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहार्द का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी हुए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेंस्की अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े हैं। अब इस्त्रइल-हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है। दूसरी तरफ इस्त्रइल की बमबारी से घायल हुए फिलिस्तिनी नागरिकों के लिए सैकड़ो टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है।

भारत के संबंध रूस के साथ-साथ जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली जापान, कनाडा और नाटो देशों से भी मधुर हैं। इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, 120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता जबकि भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत के लिए आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हरसंभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया,नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनिगनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली के लिए अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी। भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है।

संक्षिप्त खबरें

एसपी ने किया थाने का औचक निरीक्षण, लंबित मामले का निपटारा का दिया निर्देश

एकमा । सरण के एसपी डॉ कुमार आशीष ने बकरीद महापर्व को लेकर क्षेत्र भ्रमण के लिए निकले हुए थे।इसी क्रम में जिले के एकमा थाने में पहुंचकर औचक निरीक्षण किया ।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने थाना क्षेत्र में हुए कांडों में हुई गिरफ्तारी की स्थिति का समीक्षा किया उन्होंने थाना क्षेत्र में हो रही नियमित गश्ती निर्गत वारंट कुर्की जपती के निष्पादन का भी गहन समीक्षा किया। समीक्षा के क्रम में किसी भी मामले में त्वरित निष्पादन पर चर्चा किया एसपी ने थाना अध्यक्ष को भूमि विवाद को समय पर निपटारा करने व अपराधियों की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। साथ ही विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को थाना क्षेत्र में नियंत्रण गस्ती करने का निर्देश दिया । इस दौरान थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर उदय कुमार पुअनि अर्चना कुमारी उपस्थित थी ।

मनाया गया ईद उल अजहा का त्योहार

लहलादपुरः प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा का त्योहार,शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया. सुबह नमाज अदा करने के लिए प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ गयी. नमाज पढ़ने के बाद सभी ने एक दूसरे के गले मिले तथा हाथ मिलाये. उसके बाद बकरे की कुर्बानियां दी गयी. बसहीं के पूर्व मुखिया असलम खां ने बताया कि ईद-उल-फितर के बाद मुस्लिम समुदाय का दूसरा सबसे मुख्य त्योहार ईद उल अजहा यानि बकरीद ही माना जाता है. यह त्याग एवं बलिदान का प्रतिक है

आपसी विवाद में हुई मारपीट में दो घायल

परसा।स्थानीय थाना क्षेत्र के तितरा नारायणपुर में आपसी विवाद में हुई मारपीट में एक महिला समेत दो बुरी तरह से घायल हो गया. जिसको परिजनों द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया.जहां चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया.और बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया.घायलों में कृष्णा राम की रीमा देवी वहरेन्द्र राम की पुत्र रूबी कुमारी बताई जाती है.

पुलिस अज्ञात युवक का शव किया बरामद

परसा।थाना क्षेत्र के फतेपुर नहर से परसा पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है. हालांकि युवक की शव का पहचान नहीं हो पा रहा है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया.वही युवक का शव पहचान करने में स्थानीय पुलिस जुटी हुई है

युवती का हुई अपहरण

तरैया थाना क्षेत्र के डेवढ़ी मिडिल स्कूल के समीप दवा खरीदने गई एक युवती लापता हो गई है ।इस संबंध में डेवढ़ी निवासी पीड़िता के पिता ने स्थानीय थाने में एक लिखित शिकायत प्रतिवेदन दिया है ।पीड़िता के पिता का कहना है की 15 जून को उसकी 15 वर्षीया पुत्री डेवढ़ी मिडिल स्कूल के पास दवा दुकान पर दवा खरीदने गई थी लेकिन दवा खरीद कर शाम तक लौट कर घर नही आई,काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका पता नही चल रहा है। पीड़ित ने अपने पुत्री के अपहरण की आशंका जताई है ।पुलिस जांच कर रही है।

हत्या के प्रयास व शराब कांड में 6 अभियुक्त गिरफ्तार, अवैध शराब के साथ, 02 मोटरसाईकिल बरामद

बगहा पुलिस द्वारा वाहन जांच के दौरान 78,500 रुपए का लगाया जुमार्ना

- बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने हेतु सभी मस्जिद,ईदगाह पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बगहा पुलिस प्रशासन पूरी तरह से रहें मुस्तैद

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा ।बगहा पुलिस जिला में रविवार को विगत 24 घंटा में 06 अभियुक्त की गिरफ्तारी की गई है ।कुल-04 वारंट का निष्पादन किया गया है जिसमें जमानतीय 02 अजमानतीय 02 है। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक,बगहा सुशांत कुमार सरोज ने प्रेस रिलीज जारी करके दिया ।उन्होंने बताया कि सेमरा थाना,ठकराहा थाना,चिउटहाँ थाना,रामनगर थाना द्वारा हत्या के प्रयास,हत्या, शराब के कांड में 06 अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया साथ ही 71.4 लीटर देशी शराब, 9.25 लीटर अंग्रेजी शराब एवं 02 मोटरसाईकिल बरामदगी की गई ।एसपी ने बताया कि बगहा पुलिस जिला में बगहा पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण हेतु वाहन जॉच किया गया ।जॉच के क्रम में यातायात थाना द्वारा-20,000, रामनगर थाना द्वारा-18,000, धनहाँ थाना द्वारा-12,000, चौतरवा थाना द्वारा-11,500, पटखौली थाना द्वारा-11,000, बगहा थाना द्वारा 6,000 इस प्रकार कुल-78, 500 रुपए का जुमार्ना लगाया गया। एसपी द्वारा बताया कि अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए बगहा पुलिस का निरंतर अभियान जारी है,रविवार की रात्रि में विभिन्न थाना क्षेत्रों में बगहा पुलिस द्वारा रोको टोको अभियान किया गया तथा संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों का विधिवत जांच किया गया ।सोमवार को एसपी के निर्देश के आलोक में बगहा पुलिस जिला में बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने हेतु सभी मस्जिद,ईदगाह पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बगहा पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहें कड़ी निगरानी रखे रहें।अपील किया गया की बगहा पुलिस आप सभी से शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील करती है। कृपया सुरक्षा नियमों का पालन करें और सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाएं।

बकरीद पर्व शांतिपूर्ण सम्पन्न

प्रात :किरण संवाददाता

बनियापुर। बनियापुर मे ई दे अजहा महापर्व शांति सद्भावपूर्ण महौल मे सम्पन्न हो गया है,जहा अहले सुबह जवान बूढ़े बच्चे साफ सफाफ कपड़ो मे सजधज कर अपने अपने ईदगाह पर पहुंचकर ईदे अजहा की नमाज अदा किया,वही सभी ने बाद नमाज एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद किया,साथ ही घर पहुंच अपने रब के बारगाह मे कुबार्नी पेशकर अल्लाह का शुक्र अदा किया ।पैगम्बरपुर बारह गावा ईदगाह मे नमाज के पूर्व संबोधितबकरीद (ईदेअजहा) महापर्व शांतिपूर्ण सम्पन्न बनियापुर। बनियापुर मे ई दे अजहा महापर्व शांति सद्भावपूर्ण महौल मे सम्पन्न हो गया है,जहा अहले सुबह जवान बूढ़े बच्चे साफ सफाफ कपड़ो मे सजधज कर अपने अपने ईदगाह पर पहुंचकर ईदे अजहा की नमाज अदा किया,वही सभी ने बाद नमाज एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद किया,साथ ही घर पहुंच अपने रब के बारगाह मे कुबार्नी पेशकर अल्लाह का शुक्र अदा किया ।पैगम्बरपुर बारह गावा ईदगाह मे नमाज के पूर्व संबोधित हाजी मौलाना सोहैल पैगम्बरपुरी ने मुसलमानो से समाज मे गरीब मजबूर की मदद और मोहब्बत का पैगाम दिया,वही बनियापुर डूंगूरपट्टी सतुआ धनगरहा कन्हौली पिठौरी पुछरी कटसा बतरौली मानोपाली सहित सभी गांवो मे ईदूजोहा महापर्व धूमधाम के साथ मनाई गयी गया तथा सेविया मिठाईया खिलाकर एक दूसरे को मुबारक्बाद दिया,वही सभी गांवो के ईदगाहो तक पुलिस प्रशासन मजिस्ट्रेट अपने ड्यूटी पर तैनात दिखे।

शक की बुनियाद ने ली विवाहिता की जान

प्रात :किरण संवाददाता

पानापुर(सारण) थाना क्षेत्र के वृत भगवानपुर गांव में जहर से एक विवाहिता की रहस्यमय मौत का का मामला प्रकाश में आया है . हालांकि महिला ने खुद जहर खाकर मौत को गले लगाया है अथवा उसके पति ने जहर देकर उसकी हत्या की है यह अबूझ पहेली बना हुआ है .मृत महिला अखिलेश महतो की 33 वर्षीया पत्नी रीना देवी बतायी जाती है .मृतका की पन्द्रह वर्ष पूर्व शादी हुई थी एवं उसके तीन बच्चे हैं . ग्रामीणों के अनुसार मृतका शनिवार को फोन पर किसी से बात कर रही थी जो उसके पति को नागवार गुजरा .पति ने उससे फोन नंबर दिखाने को कहा जिसे मृतका ने नही दिखाई .इसी बात से नाराज पति ने उसे दो चार थप्पड़ जड़ दिए . इसी से नाराज रीना ने जहर खाकर जान दे दी .बताया जाता है कि रविवार की सुबह उजाला हो जाने के कारण ससुराल वाले उसके शव को ठिकाने नही लगा सके एवं शव को झाड़ी में छिपाकर रात होने का इंतजार कर रहे थे. इस बात की जानकारी उसके मायकेवालों को लगी तो वे रविवार की सुबह ही उसके ससुराल पहुँच गये जिससे वे शव को झाड़ी में छिपाकर फरार हो गये. मृतका के मायके अमनौर थाना क्षेत्र के डाबर छपरा परशुरामपुर के अधिकांश सदस्य बाहर रहते है जिसकारण मृतका की मां सहित अन्य महिलाएं ही पहुँचकर खोजबीन में जुटी थी .किसी अनिष्ट की आशंका से सहमे मायकेवालों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने रविवार की रात मृतका का शव पृथ्वीपुर ढाला के समीप झाड़ी से बरामद किया एवं पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेजवाया .समाचार प्रेषण तक इस मामले में अबतक स्थानीय थाने में कोई आवेदन नही दिया गया है .

हिंदी के प्रकांड विद्वान व प्रसिद्ध समाजसेवी सच्चिदानंद पांडेय के श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे कई गणमान्य

प्रात :किरण संवाददाता

जलालपुर प्रखंड के विष्णुपुरा ग्राम निवासी, हिंदी के प्रकांड विद्वान व प्रसिद्ध समाजसेवी. स्वर्गीय सच्चिदानंद पांडेय के श्राद्धकर्म पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे रविवार की देर संध्या क ई गणमान्य शामिल हुऐसभी ने उनके तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी उन्हें याद करते हुए बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी जनकदेव पांडेय ने बताया कि स्वर्गीय सच्चिदानंद पांडेय पश्चिम बंगाल में खड्गपुर में रेलवे के उच्च विद्यालय में हिंदी के अध्यापक थेउनकी पत्नी स्व कांति पांडेय भी अध्यापिका थीजबकि उनके पुत्र मणीन्द्र पांडेय जलालपुर के खोरोडीह मिडिल स्कूल मे प्रधानाध्यापक हैं उन्होंने बताया कि अपने जीवन काल मे स्व पांडेय ने समाज को लेकर चलने तथा संस्कार व नैतिक शिक्षा तथा सामाजिक असमानता को दूर करने पर बल दियो उनकी स्मृति में शिवप्रसाद हरदेव चंद्रदेव सेवा न्यास की प्रबंध समिति ने ह्लपूज्य सच्चिदा कांति स्मृति छात्रवृत्ति दिए जाने की घोषणा की श्रद्धांजलि सभा में न्यास के अध्यक्ष ललन पांडेय, नन्दकिशोर पांडेय, शिक्षक नेता दिनेश सिंह ,उमेश कुमार तिवारी मनोज मिश्रा. अखिलेश्वर पांडेय. नागेंद्र ओझा, रामबाबू यादव कन्हैया महतो, राजेश कुमार ,वरुण पांडेय, सोनू तिवारी. गोलू सिंह,अरविंद दुबे,अजीत सिंह , बबलू सिंह, धर्मनाथ सिंह रामकुमार सिंह,रविकांत प्रसाद, कुन्नू दुबे, शैलेंद्र कुमार सिंह,उत्तम साह सुभाष कुमार राजुरंजन सहित दर्जनों अन्य भी थे जलालपुरे प्रखंड के विष्णुपुरा ग्राम निवासी, हिंदी के प्रकांड विद्वान व प्रसिद्ध समाजसेवी. स्वर्गीय सच्चिदानंद पांडेय के श्राद्धकर्म पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे रविवार की देर संध्या क ई गणमान्य शामिल हुऐसभी ने उनके तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी उन्हें याद करते हुए बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी जनकदेव पांडेय ने बताया कि स्वर्गीय सच्चिदानंद पांडेय पश्चिम बंगाल में खड्गपुर में रेलवे के उच्च विद्यालय में हिंदी के अध्यापक थेउनकी पत्नी स्व कांति पांडेय भी अध्यापिका थीजबकि उनके पुत्र मणीन्द्र पांडेय जलालपुर के खोरोडीह मिडिल स्कूल मे प्रधानाध्यापक हैं उन्होंने बताया कि अपने जीवन काल मे स्व पांडेय ने समाज को लेकर चलने तथा संस्कार व नैतिक शिक्षा तथा सामाजिक असमानता को दूर करने पर बल दियो उनकी स्मृति में शिवप्रसाद हरदेव चंद्रदेव सेवा न्यास की प्रबंध समिति ने ह्लपूज्य सच्चिदा कांति स्मृति छात्रवृत्ति दिए जाने की घोषणा की श्रद्धांजलि सभा में न्यास के अध्यक्ष ललन पांडेय, नन्दकिशोर पांडेय, शिक्षक नेता दिनेश सिंह ,उमेश कुमार तिवारी मनोज मिश्रा. अखिलेश्वर पांडेय. नागेंद्र ओझा, रामबाबू यादव कन्हैया महतो, राजेश कुमार ,वरुण पांडेय, सोनू तिवारी. गोलू सिंह,अरविंद दुबे,अजीत सिंह , बबलू सिंह, धर्मनाथ सिंह रामकुमार सिंह,रविकांत प्रसाद, कुन्नू दुबे, शैलेंद्र कुमार सिंह,उत्तम साह सुभाष कुमार राजुरंजन सहित दर्जनों अन्य भी थे।

शांतिपूर्ण ढंग से बकरीद सम्पन्न

मस्जिद और मेला स्थलों के पास पुलिस रही चौकस

प्रात :किरण संवाददाता

मढौरा में बकरीद शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया । प्रखंड के कई गांव में सोमवार को हर्ष उल्लास पूर्वक बकरीद का त्यौहार मनाया गया। इससे पहले मढ़ौरा के भावलपुर, नौतन, आवारी, ओल्हानपुर, मुबारकपुर, माधोपुर, मिजार्पुर, तेजपुरवा, सहित अन्य कई पंचायतों में स्थित मस्जिदों में मुसलमान समुदाय के लोगों ने नमाज अदा की व एक दूसरे से गले मिलकर दुआएं की मस्जिदों के आसपास लगने वाले भीड़ व मेला को देखते हुए मढ़ौरा पुलिस पूरी तरह मुस्तैद थी। इस दौरान मढौरा के किसी भी क्षेत्र से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। एसडीओ डॉक्टर प्रेरणा सिंह डीएसपी नरेश पासवान व थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बकरीद में शांति व्यवस्था बनाए रखने व मस्जिदों के समीप सुरक्षा के ख्याल से निरीक्षण करते रहे।

इस मौके पर मुखिया शैलेश राय ,मुखिया परमात्मा राय, मुखिया मिथिलेश सिंह, महफूज आलम, हरीश पासवान, सुनील कुमार,नागेंद्र राय, मासूम अंसारी, पप्पू आलम,महताब आलम, व अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुसलमान भाइयों को बकरीद पर्व पर बधाई दी। उधर बकरीद के मौके पर तेजपुरवा ईदगाह में काफी संख्या में मुस्लिम भाइयों ने बकरीद का नमाज अदा किया। नमाज अदा करने के बाद तेजपुरवा जामा मस्जिद के मौलाना यार मोहम्मद सलाफी साहब ने समाज के सभी वर्ग के लोगों से आपसी भाई चारे के साथ रहने का पैगाम दिया।

शिक्षा का मूल उद्देश्य है सत्य का संधान व व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि के बीच के अंतर्निहित संबंध को समझना : कुलपति

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा । शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के तत्वावधान में चार दिवसीय राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला सह अभ्यास वर्ग 14 से 17 जून के बीच संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में देशभर के कुलपति, शिक्षाविद, प्राध्यापक, शिक्षा क्षेत्र में कार्य करनेवाले विशिष्ट व्यक्ति तथा न्यास के प्रांत संयोजक/सह संयोजक समेत लगभग 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया। झारखंड की राजधानी रांची स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस अभ्यास वर्ग में जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई को भी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। जिसमें उपस्थित होकर उन्होंने सारगर्भित व्याख्यान दिया। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया गया जिसमें कुलपति प्रो. बाजपेई का शुभकामना संदेश एवं एक आलेख प्रकाशित हुआ। है। आलेख में प्राचीन भरतीय शिक्षण प्रणाली का उदाहरण देते हुए नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को उद्धत किया गया है। कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेई ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान संदर्भ में मीमांसा एवं पाठ्यक्रमों के एकीकरण के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा एवं उपनिषदों को मार्गदर्शन सिद्धांत के रूप में रखा गया है। इसमें ज्ञान, प्रज्ञा एवं सत्य को श्रेष्ठतम जीवन उद्देश्यों में शामिल किया गया है। भारतीय शिक्षा प्रणाली को चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भाष्कराचार्य प्रथम व द्वितीय, ब्रह्मगुप्त, अष्टपद गौतम, कणाद, पाणिनि, शंकरदेव, मैतेई, चाणक्य, चक्रपाणि, माधव, पतंजलि, नागार्जुन, पिंगल, कणाद, तिरुवल्लुवर जैसे अनेक महापुरुषों ने समय-समय पर अपने योगदानों से अभिसिंचित किया।

समाज व शब्दों के निर्माण पर प्रकाश डालते हुए कुलपति प्रो. बाजपेई ने कहा कि ज्ञान के समग्र प्रवाह एवं विस्तार से ही इनका निर्माण हुआ है। यह बात प्राचीन ज्ञान परंपराओं से सृजित सभ्यताओं, संस्कृतियों एवं समाजों पर उतनी ही सटीकता से लागू होती है जितनी कि आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक आधारित समाज और सभ्यताओं पर। उन्होंने शिक्षा के उद्देश्यों की व्याख्या करते हुए कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य सत्य के संधान के साथ ही व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं समष्टि के बीच के अंतर्निहित संबंध को समझना है। इसके लिए विविधताओं का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए उन्हें पुष्पित पल्लवित होने देना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा सामग्री का किया वितरण

प्रात :किरण संवाददाता

जय भोला भंडारी सेवा दल (रजि 33) छपरा, बिहार के द्वारा अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को यात्रा सामग्री का वितरण किया गया क यात्रा में काम आने वाली महत्वपूर्ण सामग्री जैसे- रजिस्ट्रेशन कार्ड, आई कार्ड, कैरीबैग, टी शर्ट, गमछा, टोपी (हेट), रेन कोर्ट (बरसती), ग्लूकोज, चॉकलेट, बिस्कुट, नमकीन इत्यादि क इस सेवा दल के द्वारा प्रत्येक वर्ष श्री बाबा अमरनाथ जी की यात्रा करायी जाती हैं कइस वर्ष पहला जत्था दिनांक 28 जून को, दूसरा जत्था 30 जून को, तीसरा जत्था 05 जुलाई एवं चौथा जत्था 07 जुलाई को छपरा से जाएगा कआपको बताते चलें कि सेवा दल के द्वारा श्री अमरनाथ यात्रा मार्ग उधमपुर, जम्मू-कश्मीर में भंडारा भी लगाया जाता है कयहां अमरनाथ यात्रियों के लिए भोजन, पानी, चाय-नास्ता के साथ ही यात्रियों के ठहरने व शौचालय की भी व्यवस्था निःशुल्क की जाती हैं तथा यात्रियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी किया जाता है कसेवा दल के द्वारा इस वर्ष चौथे विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है कयह बिहार का पहला भंडारा है जो अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लगता है कभंडारे की सामग्री को लेकर ट्रक दिनांक 19 जून बुधवार को छपरा से नगर भ्रमण करते हुए उधमपुर जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना होगी ।

पुलिस द्वारा 15 दिनों के विशेष अभियान में कुल 572 अभियुक्त गिरफ्तार, 12 हजार लीटर शराब जब्त

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों/अपराधकर्मियों की गिरफतारी एवं शराब के सेवन / बिक्री/ भंडारण/ निर्माण/परिवहन आदि पर पूर्णरूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए माह-जून के प्रथम पक्ष में विशेष अभियान चलाकर कुल 572 (पाँच सौ बहत्तर) अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें हत्या के कांड में-19. दहेज हत्या के कांड में-05. लूट में-04, डकैती में 05. आर्म्स अधि० में-06, हत्या के प्रयास में-05. अपहरण में 10. बलात्कार में-01. पॉक्सो में-02. अनु जाति/जनजाति में-13. पुलिस पर डमला के कांड में 08. आई०टी० अधि० में-03. खनन के कांड में 29, चोरी के कांड में 15 अन्य विशेष कांड में 22. मद्यनिषेध के कांड में 328, वारंट में 53 तथा अन्य कांडों के 44 अभियुक्त शामिल हैं। पूरे माह इस विशेष अभियान में कुल 12,502 लीटर शराब जिसमें देशी शराब 4853 ली०, विदेशी शराब-7649 ली०, आग्नेयास्त्र-06. जिंदा कारतूस 22. मोटरसाईकिल 24, पिकअप-02. कार-06, ट्रक 48. ट्रैक्टर-04. नगद राशि-263200 रूपया मोबाईल-21, साईकिल-01. अपहृता-13, गोली का पिलेट-02 धारादार हथियार-01. बैट्री-01. प्रेशर जक-01 फाइटर-01. डिटॉल-92 बॉक्स डिस्प्रीन-28 पीस, छश-52 सिरप-75 पीस नाइसिल पाउडर-181 बॉक्स, फेविकॉल-148 बॉक्स, फेक फेविकॉल-1540 पिस, इन हेलर 22 बॉक्स सोने जैसा आभूषण (लॉकेट-01. झुमका-03. नथुनी-02 अंगूठी-03. सिकडी-01), चाँदी जैसा आभूषण (पायल 04 जोड़ा, लॉकेट-01. अंगूठी-01) जप्त / बरामद किया गया। जिलें में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से 79,75,500 रू० जुमार्ना राशि वसूली गई। अवैध रूप से चल रहे देशी शराब की 81 भट्टीयो ध्वस्त कर लगभग 47000 लीटर अर्धनिर्मित शराब/पाश विनष्ट किया गया।

पाकिजगी के साथ ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई

जिला प्रशासन भी मुस्तैद दिखे, नमाज बाद लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को दी मुबारकबाद

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा । इदुल - अजहा की नमाज अदबो - एतराम के साथ शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया । बकरईद की नमाज को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद दिखी । शहर के साहेबगंज जामा मस्जिद, खनुवा मस्जिद, मौला मस्जिद,छोटा तेलपा मस्जिद, तकिया मस्जिद एवं साढ़ा ढाला ईदगाह सहित शहर के सभी वार्डों के मस्जिदों में ईद- उल-अजहा की नमाज अदा की गई । बता दे कि बकरईद के त्योहार पर बकरे की कुबार्नी देने की परंपरागत सदियों से चली आ रही है, जिसका इस्लाम धर्म में जिक्र भी किया गया है । मुस्लिम समुदाय नमाज के बाद बकरे की कुबार्नी करते हैं । इस त्यौहार को लेकर मुस्लिम समुदाय अपने घरों में बकरे को पालते हैं, या शहर के मंडीओ और देहातों से खरीद कर लाते हैं, और ईद -उल-अजहा नमाज अदा करने के बाद पाकिजगी के साथ बकरे की कुबार्नी देते हैं । ईद -उल -अजहा नमाज की खासियत है कि सभी मस्जिदों व ईदगाहों में लगभग 7:00 बजे तक अदा कर ली जाती है । सोमवार को संपन्न ईद- उल- अजहा नमाज को लेकर सुबह से ही मस्जिदों में लोगों का आना शुरू हो गया, और पूर्व से निर्धारित समय अनुसार मस्जिदों में पेशइमाम ने मुस्लिम समुदाय को ईद -उल -अजहा की नमाज पढ़ाया । इस्लाम धर्म के परंपरा के अनुसार नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समुदाय एक दूसरे गले मिलकर बकरईद की मुबारकबाद दी । जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग भी एक दूसरे को मुबारकबाद दे देते दिखे । इस्लाम धर्म के अनुसार गले मिलकर मुबारकबाद देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है । वहीं बकरे की कुबार्नी के बाद बाद मुस्लिम समुदाय कुबार्नी के गोश्त को अपने पड़ोसियों, सगे-संबंधियों में बाटते हैं और अपने पड़ोसी और दोस्तों को खिलाने की परंपरा की निभाते हैं । विदित हो कि बकरईद का त्यौहार तीन दिनों तक मनाया जाता है, आर्थिक रुप से संपन्न मुस्लिम समुदाय तीन दिनों तक बकरे की कुबार्नी करते हैं । शांतिपूर्ण माहौल में बकरईद का त्योहार संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा मुकम्मल व्यवस्था की गई थी । शहर के प्रमुख चौक चौराहा के अलावा विशेष रूप से खनुआ मस्जिद, साहेबगंज स्थित जामा मस्जिद, मौला मस्जिद, औलिया मस्जिद के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस वालों को तैनात किया गया था । इसके अलावा शहर के अन्य मस्जिदों में भी पुलिस बल को तैनात किया गया था । जिला भर में बकरईद का त्यौहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया । जिला प्रशासन भी इस त्यौहार को लेकर काफी गंभीर दिखे ।

पूरी अकीदत के साथ पढ़ी गई बकरीद की नमाज, नमाजियों की उमड़ी भीड़

विश्व शांति जन कल्याण औरफ भारत की अखंडता की मांगी गई दुआ

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया ।मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इदगाहो में कॉमी एकता भाईचारा सादगी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में त्याग और बलिदान का पर्व ईद उल अजहा की नमाज सोमवार को पूरी अकीदत के साथ पढ़ी गई। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अंचल अधिकारी राजीव रंजन थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा एन एच 727 समेत ग्रामीण क्षेत्रों में गास्ट लगाते रहे वहीं विभिन्न इदगाहो में थाना के पुलिस पदाधिकारी पुरुष और महिला पुलिस बल के साथ अलर्ट रहे ईदगाह के बाहर मेला का दृश्य रहा नमाज अदा करने के बाद सभी एक दूसरे के गले मिलकर भाईचारा का पैगाम दिया इधर मझौलिया में मुफ्ती सरफराज खान और मौलाना नुरालम समेत मौलवियों द्वारा बकरीद की नमाज पढ़ाई गई। डॉक्टर साबिर अली ने बताया कि ईद उल अजहा का पर्व त्याग बलिदान और कुबार्नी का पर्व है। हम लोगों को अपने अंदर की बुराइयों लोभ लालच ईर्ष्या द्वेश क्रोध हिंसक प्रवृत्ति का त्याग करते हुए सच्ची मानवता एकता भाईचारा प्रेम सांप्रदायिक सौहार्द अहिंसा और सेवा भावना को अपनाना चाहिए। ईद उल अजहा की नमाज में सैकड़ो नमाजियों ने भाग लिया।

हर्षोउल्लास के साथ ईद दुल अजहा की किया नमाज

प्रात :किरण संवाददाता

परसा ।प्रखंड व नगर पंचायत परसा बाजार के विभिन्न मुस्लिम समुदाय महल्लो में सोमवार को ईद-दुल-अजहा की नमाज को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी डा दीपक कुमार सिंह परसा नगर कार्यपालक पादाधिकारी मो ओसामा इब्न मंसूर थानाध्यक्ष सुनील कुमार समेत प्रखण्ड व नगर के अन्य कर्मचारी व पादधिकारीगण ने सोमवार की सुबह से ही पुलिस बल के साथ पूरे दिन गश्ती लगाते रहें ।बीडीओ डा दीपक कुमार सिंह ने बताया कि ईद-दुल-अजहा का त्यौहार पर किसी को भी बिहार सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करने दिया जाएगा। तथा गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले लोगो पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी. सभी लोगों से अपील किया कि किसी भी अफवाह में नही परे ।तथा सभी सरकारी नियमों का शत प्रतिशत पालन करें.थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि ईद-दुल-अजहा का त्यौहार शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए गए था. मिली प्राप्त जनकारी के अनुसार प्रखंड के चेतन परसा जमा मस्जिद हरपुर परसा सैदपुर पोखरपुर सराया साहो माड़र परसौना बलहा अन्याया विशुनपुर चादपुरा लालपुर पचरुखी अंजनी फिरोजपुर समेत सभी मुस्लिम समुदाय महल्लो के लोगों ने अपने अपने मस्जिदों व ईदगाहों में सोमवार की सुबह ईदु-दुल-अजहा की नमाज अदा किया गया.मौलाना मो अख्तर रजा मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह वार्ड पार्षद करमुल्लाह अख्तर अली मोहम्मद युसुफ मो सलीम अंसारी मो फिरोज ने कहा कि किसी भी तरह के अफवाह नही पड़ना है ।आपसी भाई चारे के साथ एक दूसरे मिलकर शांतिपूर्ण तरीके से ईद उल अजहा का त्यौहार सोमवार को संपन्न हो गया.हाफिज एजाज अहमद मो शहीम मौलाना शाहिद रजा मोहम्मद हुसैन मो अली हशन मो शोहैल जियाउलहक नदीम सिद्दीकी मो अली शेर शाकिब हुसैन सलामत हुसैन मो मोख्तार आलम मो अजमत समेत हजारो लोगों ने अपने अपने मस्जिदों व ईदगाहों में ईद उल अजहा का नमाज आदा किया।

संक्षिप्त खबरें

बढती गर्मी को देखते हुए सभी स्कुल19 तक बंद : जिलाधिकारी

गया। गया जिला के स्कूल भी 19 जून तक बंद रहेंगेडीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने 18 जून से 19 जून तक जिले के सभी सरकारी एव निजी विद्यालयों के वर्ग एक से आठ कक्षा तक पठन पाठन कार्य को बंद कराने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सभी कोचिंग संस्थानों को भी बन्द रखने का आदेश दिया है। सभी आंगनबाड़ी सेन्टर भी इस अवधि तक बन्द रहेंगे। जिला पदाधिकारी गया ने जिलेवासियों से अपील किया है कि आपदा विभाग द्वारा हीट वेव को लेकर जारी किए गए एडवाइजरी को पूरी तरह पालन करें।

पश्चिम बंगाल के हादसे पर रेल मंत्री इस्तीफा दे : जिलाअध्यक्ष

गया।बुलेट ट्रेन का दावा करने वाले रेलवे को संभाल नहीं पा रहे।पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में भीषण रेल हादसा हुआ है।कंचनजंगा एक्सप्रेस मालगाड़ी से टकरा गई है जिसमें कई लोगों के जन जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर है।रेलवे अभी तक कोई आंकड़ा जारी नहीं कर रहा है जिससे सफर कर रह लोगों के परिवार वाले परेशान हैं।बुलेट ट्रेन चलने का दावा करने वाली सरकार पुरानी रेल व्यवस्था को भी नहीं सम्भल पा रही है।सरकार ने रेलवे को सिर्फ कमाई का जरिए बनकर रखा है पर उसके रखरखाव का ख्याल नहीं रह रही है।रेल मंत्री को तुरंत हीं घटना की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए यह कहना गया जिलाअध्यक्ष कोंग्रेस गगन मिश्रा ने कहां। इसके साथ हीं आसपास के लोगों से आग्रह है कि वो लोगों घायलों की सहायता करें।जिला कांग्रेस कमिटी सभी के सुरक्षित रहने की कामना करती है।

बिहार बुनकर अध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री से पटवाटोली आने का दिया निमंत्रण

गया।प्रभारी मंत्री गया जिला , सह मंत्री उद्योग विभाग एवं पर्यटन विभाग , बिहार सरकार को गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ ने मानपुर पटवाटोली निर्मित अंगवस्त्र से सम्मानित करते हुए, मानपुर पटवाटोली वस्त्र उत्पादन उद्योग नगरी में अभिनंदन कार्यक्रम में पधारने के लिए आमंत्रण दिया गया है। जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुए बहुत जल्द मानपुर पटवा टोली पधारने की बात कही भोजन भात के साथ कार्यक्रम बनाने प्रस्ताव रखा है।

अरवल सदर अस्पताल में आए पांच मरीज की मौत,लु लगने कि अशांका

अरवले हिट वेव के भयंकर प्रकोप से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। जिले का तापमान 44के भी पार पहुंच गया है। भीषण गर्मी के इस प्रकोप से लोग तेजी बीमार पड़ने लगे हैं। जहाँ सदर अस्पताल में आये पांच मरीजों की मौत हो गई है। लू लगने कि अशांका जताई जा रहीं हैं हालांकि मरीज पहले से कई तरह की बीमारियों से पीड़ित थे। गर्मी में तकलीफ बढ़ने पर बीमारी ने मौत की नींद सुला दी। जिसमें करवासिन निवासी बाबुराम ,जयपुर निवासी पलक, बालूविगहा निवासी कृष्णा, भोजपुर के धेवरी निवासी लालमून देवी तथा महेंदिया के धनमनिया देवी शामिल है।

64 लीटर शराब बरामद, तस्कर भागने में सफल

आलमनगर (मधेपुरा)। आलमनगर पुलिस द्वारा लगभग 64 लीटर शराब बरामद किया गया हालांकि शराब तस्कर भागने में सफल रहा। दो शराब तस्कर पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार ने बताया कि गुप्त सुचना मिली कि मधेली दियारा में दो भाई शराब बेचने का काम किया जा रहा है सुचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी आशुतोष कुमार त्रिपाठी पुलिस बल के साथ जब वहां पहुंचा तो पुलिस गाड़ी को देखते ही एक व्यक्ति पीछे वाले रास्ते से भाग गया पुलिस बल के सहयोग से उसके घर की तलाशी लिया तो आंगन में रखे बोरे में 302 बोतल 375 एम एल जो लगभग 64 लीटर शराब बरामद किया इस बाबत विनय भगत, मनीष भगत पिता स्व. परमानन्द भगत मधेली दियारा निवासी पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

मिरहट्टी गांव में सौतेले भाई को बेघर करने का किया जा रहा है प्रयास

भागलपुर जिले के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मिरहट्टी पंचायत में सौतेले भाई को हिस्सा नहीं देने का मामला सामने आया है।बताते चलें कि नरेश यादव ने दो शादी की थी पहली पत्नी का नाम भगवती देवी से उसे चार पुत्र तथा एक पुत्री हुई थी वहीं पहली पत्नी के मौत के बाद दूसरी शादी किया दूसरी पत्नी का नाम बाबादाय से सिर्फ एक पुत्र सुधामासी हुआ था।नरेश यादव के मरने के बाद उसके पहले पत्नी का चारों पुत्र दिलीप यादव, कन्हैया यादव, बमबम यादव, सुरज यादव अपने पैतृक जमीन आपस में बांट कर मोटेसन के लिए ऑनलाइन आवेदन भी कर दिया लेकिन उसमें अपने सौतेले भाई का कहीं भी जिक्र नहीं किया है।इस की जानकारी जब सुधामासी को लगा तो उन्होंने मोटेसन पर आवजेक्सन लगा दिया।

मानपुर बाजार बागेश्वरी मंदिर के गेट पर नि:शुल्क शीतल जल सेवा पनशाला का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

गया।भीषण गर्मी से प्यास से भटकने वाले राहगीरों की परेशानी को देखते हुए बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण संघ के तत्वाधान में मानपुर बाजार बागेश्वरी मंदिर के गेट पर नि:शुल्क शीतल जल सेवा पनशाला का शुभारंभ निर्जला एकादशी के अवसर पर किया गया है। नि:शुल्क जलसेवा पनशाला का फीता काटकर उद्घाटन वजीरगंज कैंप के पुलिस उपाधीक्षक डीएसपी सुनील कुमार पाण्डेय , गोपाल प्रसाद पटवा अध्यक्ष बुनकर संघ , दुखन राम समाजसेवी , अनील जी अजंता स्टुडियो द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

सुनील कुमार पांडेय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी का स्वागत गोपाल पटवा अध्यक्ष बुनकर संघ ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र से सम्मानित कर किया गया है। पनशाला जलसेवा को सफल बनाने में प्रमुख सहयोगी दुर्गेश कुमार समाजसेवी , दीपक स्वर्णकार , श्याम कुमार उर्फ कारू लाल क्रोकरी , भोजपुरिया बाबा , छोटू चौधरी सहित बड़ी संख्या में मानपुर बाजार के दुकानदार भाई शामिल रहे हैं। जल सेवा पाठशाला खुलने से शीतल जल के लिए भटकने वाले राहगीरों सहित रिक्शा चालक , ठेला चालक , ऑटो चालक , मजदूर कामगार , स्कूली बच्चे , ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली महिलाएं एवं बुजुर्गों को पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। सुनील कुमार पांडे डीएसपी ने मानवता से जुड़े सामाजिक कार्य के लिए बुनकर संघ को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामना दिया और कहा इस तरह का सामाजिक कार्य में मेरा सहयोग हमेशा रहेगा। गोपाल पटवा बुनकर संघ अध्यक्ष ने कहा भीषण गर्मी और तपिश को देखते हुए इस वर्ष भी जलसेवा पनशाला का शुभारंभ बुनकर संघ द्वारा हुआ है पूर्व के वर्षों में भी पनशाला खोला गया था अगर जरूरत पड़ी तो अन्य जरूरी जगहों पर पनशाला खोली जाएगी। नगर आयुक्त मैडम से भी नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत मानपुर में कलाली मोड , बाबा खिरू रविदास धर्मशाला सुर्य पोखर मोड़ एवं मोफसिल मोड तीन स्थानों पर गया शहर की भांति मानपुर शहरी क्षेत्र में पनशाला खोलने का अनुरोध पटवा ने किया है। सिविल सोसाइटी गया नगर निगम एवं जिला प्रशासन के सहयोग के लिए सदैव तत्पर और प्रतिबंध है।निर्जला एकादशी के अवसर पर पेयजल सेवा के साथ-साथ शरबत का वितरण किया गया है। बड़ी संख्या में लोग शरबत पी रहे थे।

भाजपा श्रेत्रीय संगठन महामंत्री का अभिनंदन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया।भाजपा संगठन के क्षेत्रीय प्रभारी बिहार झारखंड नागेंद्र नाथ त्रिपाठी से भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने मुलाकात कर विष्णु चरण चिन्ह, अंगवस्त्र एवं फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया है।इस अवसर पर नरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा 2025 के लिए तैयार रहिए, भाजपा पूरे बिहार में एणडीए पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएंगे और गया लोकसभा की जीत पर बधाई और शुभकामना देते हुए कहा की गया लोकसभा का जीत भाजपा कार्यकताओं की जीत है आप सभी लोगों की मेहनत का फल है कि जीतन मांझी भारी मतों से विजयी हुए और दिल्ली में केंद्र सरकार में मंत्री पद पर सुशोभित हुए।

प्रो भरत सिंह के निधन पर साहित्यकारों में शोक की लहर

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद द्वारा मगध विश्वविद्यालय के हिंदी एवं मगही विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ भरत सिंह जी के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया।विधायक प्रतिनिधि सह मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने डॉ भरत सिंह के सम्मान में 2 मिनट का मौन रखा एवं उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे हिंदी और मगही भाषा के लिए समर्पित रहने वाले साहित्यकार के रूप में जाने जाते थे। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह एवं महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पिछले वर्ष औरंगाबाद जिले में कई पत्रिकाओं के विमोचन के मौके पर उनका औरंगाबाद आगमन हुआ था।विमोचन के मौके पर मगही में अपनी भाषण की शुरूआत करते थे।कहा करते थे कि मातृभाषा मगही के आंचल वाला चादर हम ओढकर बैठे हैं। जब तक हम मगही का विकास नहीं करेंगे तब तक हिंदी भाषा को हम राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिला सकते।उनके निधन से पूरे मगध प्रमंडल में साहित्यिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।शोकसभा के मौके पर समाजसेवी कृष्णा मेहता,वैश्य समाज जम्होर के सचिव संजय गुप्ता,राणा सुनील सिंह,प्रिंस कुमार,राहुल कुमार,मुन्ना कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

श्रेया हत्याकांड में पुलिस प्रसाशन के रवैया से जनता में भारी असंतोष : सुशील

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के निवर्तमान सांसद व भाजपा नेता सुशील कुमार सिंह ने श्रेया हत्याकांड को लेकर औरंगाबाद के एस.पी और वरीय पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर घटना के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा किया एवं कहा कि श्रेया हत्याकांड में पुलिस प्रसाशन के रवैया से जनता में भारी असंतोष है और इतना दिन बीत जाने के बाद भी कारवाई में देरी होने से काफी आक्रोश है। निर्मम तरीके और बेरहमी से हत्या किया गया है इसे दबाया नही जा सकता, पुलिस शीघ्र से शीघ्र इस कांड का सफल उद्भेदन करें और स्पीडी ट्रायल करके दोषियों को कठोर से कठोर सजा दिलवाने का काम करे।पोस्टमार्टम रिपोर्ट से परिजन और सर्व समाज के लोग सहमत नही है। परिजन लोग इसे आत्महत्या नही बल्कि हत्या बता रहे है। प्रशासन इसकी गंभीरता से जाँच करें।मृतक के विसरा को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में जाँच के लिए तुरंत भेजा जाए और उच्च स्तरीय पदाधिकारी के देख रेख में उसका जाँच हो जिससे मौत के कारण का स्पष्ट खुलासा हो सके और विसरा रिपोर्ट आने के बाद आगे की कारवाई उच्च स्तरीय पदाधिकारी के देख रेख में सख्ती से हो।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में श्रेया का वास्तविक उम्र से बढ़ाकर उम्र दशार्या गया है जो गम्भीर जाँच का विषय है। इस घटना को लेकर समाज के हर वर्ग के लोगो में आक्रोश है।जगह जगह छात्र एवं छात्राये एवं आम जन लोग कैंडिल जलाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है।सभी लोग अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता में है आखिर कैसे बच्चे लोग को पढ़ाये जब समाज में इस तरह के दरिंदे लोग ऐसा जघन्य अपराध कर रहे है।प्रशासन निष्पक्षता से कारवाई करे और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाए। ताकि समाज में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नही हो सके।

प्रभारी मंत्री से डॉक्टर मनीष पंकज मिश्र ने शहर की समस्या को ध्यान आकृष्ट कराया

प्रात : किरण संवाददाता

गया।बिहार सरकार के उद्योग और पर्यटन मंत्री सह गया जिला प्रभारी मंत्री नीतीश मिश्रा के गया जी के पावन धरती पर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी गया जिला किसान मोर्चा के सह प्रभारी डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने श्री विष्णु चरण चिन्ह, अंग वस्त्र एवं फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया इस अवसर पर डॉक्टर मनीष पंकज मिश्रा ने नीतीश मिश्रा को बधाई और शुभकामना देते हुए कहा यह हमारा सौभाग्य है की आप गया जिला के प्रभारी मंत्री बने हैं।प्रभारी मंत्री के रूप में गया शहर में बिजली एवं पानी की व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था का भी समीक्षा कर उपरोक्त विभागों का दिशा निर्देश दें, कि भीषण गर्मी गया जिला में पड़ रही है, चौबीस घंटे बिजली एवं पानी की व्यवस्था हो एवं विष्णु नगरी को पर्यटन क्षेत्र घोषित किया जाए। इस अवसर पर मंत्री प्रस्सन मुद्रा में सारी बातें को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिए इन बिंदुओं ज्वलंत मुद्रा है इसकी समीक्षा की जाएगी और विभागीय दिशा निर्देश दिया जाएगा।

श्रेया हत्याकांड में पुलिस ने की कार्रवाई, हिरासत में लिए गए तीन संदिग्ध

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। चर्चित श्रेया हत्याकांड में पुलिस ने तीन संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया है। अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस-वार्ता के दौरान सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी झ 01 संजय कुमार पांडे ने बताया कि प्राप्त साक्ष्य के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया जिसमें मृतिका के कथित प्रेमी, एक महिला एवं उसकी बेटी शामिल है।

उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड की आरोपित महिला नबीनगर में एक ब्यूटी पार्लर चलाती हैं जिसके बारे स्थानीय लोगों से पूछताछ में कुछ नकारात्मक बाते सामने आई हैं जो मृतिका और कथित प्रेमी को मिलाने का कार्य करती थी। इस बीच महिला की बेटी जो मृतिका की दोस्त थी वह इन दोनों के बीच सेतु का कार्य करती थी। उसका मृतिका के घर हमेशा आना जाना लगा रहता था। अब तक के तकनिकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान से पता चला है कि ये तीनों घटना में कारक के भूमिका हैं। उन्होंने बताया कि घटना के हर बिंदु पर जांच पड़ताल चल रही है और वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मृतिका के कुछ बॉडी पार्ट के विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है जिसके रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है। एसिड से छात्रा की मौत बेबुनियाद हैं। चिकित्सकीय परीक्षण के आधार पर छात्रा की मौत पानी में डूबने से हुई है।

आईआईटी के तैयारी करने वाले बच्चों के लिए बनाया स्मार्ट क्लास

प्रात : किरण संवाददाता

गया। आईआईटी की तैयारी कराने वाले बच्चों के लिए रोटरी गया सिटी ने स्मार्ट क्लास बनवाया है। लगभग ढाई लाख की लागत से बनाये गये इस स्मार्ट क्लास का शुभारंभ रोटरी क्लब ऑफ गया सिटी के अध्यक्ष विजय भलोटिया, बादशाह डालमिया, अमरेश कुमार, डा. रतन कुमार सहित अन्य सदस्यों ने फीता काटकर किया। इस स्मार्ट क्लास में बच्चें भीषण गर्मी में भी आराम से आईआईटी व एनआईआईटी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। अध्यक्ष विजय भलोटिया ने कहा कि स्मार्ट क्लास बन जाने से बच्चों में पढाई के प्रति एकाग्रता बढेगी।

हर संभव इस तरह के बच्चों को की जायेगी मदद वृक्ष संस्था में कार्यक्रम के दौरान बादशाह डालमिया ने कहा कि रोटरी गया सिटी इन बच्चों को और बेहतर सुविधा तैयारी के लिए मिले इसके लिए जो भी आवश्यकता होगी हमलोग मदद करेंगे। इस दौरान वृक्ष संस्था के संस्थापक चन्द्रकांत पाटेश्वरी ने बच्चों के लिए डिजीटल बोर्ड, वाटर कुलर व दो एसी लगाने पर रोटरी गया सिटी को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके संस्था में नि:शुल्क 150 बच्चों को आईआईटी की तैयारी करायी जा रही है। वहीं दस बच्चे एनआईआईटी के भी तैयारी कर रहे है। इसके अलावे संस्था गरीब व मजदूर वर्ग के लोगों के बच्चों को नर्सरी से दसवीं तक नि:शुल्क शिक्षा देती है। इस मौके पर प्रियरंजन डायर,शीरिष प्रकाश, अमरेश कुमार, सचिव अमित कुमार सिंह, पुनित खेतान, संजय कुमार, विकास अग्रवाल, अशोक लोहानी, प्रमोद गुप्ता, सुजीत कुमार, संजय पाल, विनोद मित्तल व अन्य सदस्यों ने हर संभव मदद करने की बात कही। इस मौके पर डुगेश्वर प्रसाद, रंजीत कुमार, कुलदीप, सुनील व राजीव कुमार मौजूद रहे हैं।

22 जून से 6 जुलाई तक सत्यचंडी धाम रायपुरा में आद्रा मेला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद से सटे हुए करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर प्रसिद्ध शक्तिपीठ सत्यचंडी धाम रायपुरा में 22 जून से लेकर 6 जुलाई तक आद्रा मेला आयोजन के निमित तैयारी के लिए एक बैठक आयोजित की गई। मां सत्यचंडी न्यास समिति के सचिव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित बैठक में आद्रा मेला के व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।चर्चा के क्रम में सचिव ने बताया कि मेला से संबंधित सारी तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है।सत्यचंडी धाम के विकास के लिए भी समिति के सदस्य कृत संकल्पित हैं।मेला में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो इसके लिए मास्टर प्लान बनाकर सभी तरह की सुविधा मुहैया कराई जाएगी।साथ ही साथ जिला प्रशासन से मेला में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु दंडाधिकारी की नियुक्ति की जाए, पेयजल हेतु प्रतिदिन चार टैंकर पानी उपलब्ध कराई जाए, स्वास्थ्य के लिए दक्ष चिकित्सकों की टीम हमेशा उपलब्ध रहे। अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था किया जाए।चलंत शौचालय की सुविधा दी जाए। इन सारी मांगों को प्रेषित कर औरंगाबाद के अनुमंडलाधिकारी को न्यास समिति के सचिव ने पत्र भी प्रेषित किया है। मौके पर उपाध्यक्ष अमरेश सिंह,सह सचिव राहुल सिंह,भागीरथ सिंह, रिशु सिंह, विकास सिंह, सूरज सिंह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि शक्तिपीठ सत्यचंडी धाम में सती माता का रक्तिम हस्त गिरने का प्रमाण है जिससे आद्रा नक्षत्र में यहां विशाल मेला का आयोजन किया जाता है।

जून को मलेरिया रोधी तो जुलाई को डेंगू रोधी माह मनाया जाएगा

लोगों को जागरूक करने के लिए शिक्षा विभाग, आईसीडीएस व जीविका के साथ चलाया जाएगा अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिला समेत सूबे में जल्द ही मानसून का आगमन होने वाला है। लेकिन मानसून के आने के साथ ही जिले में मच्छर जनित बीमारियों की भी संभावना बढ़ जाती है। जिसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी अपनी तैयारियों में जुटा गया है। इस क्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेष निर्णय पर जून और जुलाई माह में लोगों को मच्छर जनित बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का अयोजन किया जाएगा। इसके लिए जून को मलेरिया रोधी माह और जुलाई को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। ताकि लोगों को मलेरिया और डेंगू के लक्षण, इलाज और बचाव संबंधी जानकारी दी जा सके। सिविल सर्जन डॉ. ईला मिश्रा ने बताया कि मानसून के साथ मच्छर जनित बीमारियों की संभावना प्रबल हो जाती है। शहरी के साथ साथ ग्रामीण इलाकों में बारिश के पानी के कारण जगह जगह जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जिसके कारण मच्छरों को पनपने के अनुकूल माहौल मिल जाता है। ऐसे में लोगों को मच्छरों से बचाने और जागरूक करने के लिए सभी प्रखंडों को निर्देशित किया गया है। साथ ही, प्रखंडों में विभिन्न स्थानों पर बैनर पोस्टर लगाए जाएंगे। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्तर से तहत जिला स्तर, प्रखंड व पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस संबंध में जागरूक किया जा सके। साथ ही, लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों मसलन डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि के लक्षणों की जानकारी के साथ इलाज व बचाव के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। जिससे लक्षणों के दिखने पर वो तत्काल अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर इन बीमारियों की जांच करा सकें। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सदर अस्पताल में मलेरिया और डेंगू की निशुल्क जांच और इलाज उपलब्ध है।

विभिन्न गतिविधियों का किया जाएगा आयोजन : अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. केएन सिन्हा ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेर्शानुसार जून को मलेरिया रोधी माह और जुलाई को डेंगू रोधी माह मनाया जाएगा। जिसके तहत जिला स्तर, प्रखंड व पंचायत स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस संबंध में जागरूक किया जा सके। साथ ही, लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों मसलन डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि के लक्षणों की जानकारी के साथ इलाज व बचाव के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। जिससे लक्षणों के दिखने पर वो तत्काल अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर इन बीमारियों की जांच करा सकें। उन्होंने बताया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सदर अस्पताल में मलेरिया और डेंगू की निशुल्क जांच और इलाज उपलब्ध है।

सहयोगी संस्थानों के संयुक्त अभियान से चलाया जाएगा अभियान : डॉ. सिन्हा ने बताया कि जिले में मलेरिया रोधी माह और डेंगू रोधी माह के संचालन के लिए सहयोगी संस्थानों का भी सहयोग लिया जाएगा। ताकि, वृहद् स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा सके।

इसके लिए जिला शिक्षा विभाग, आईसीडीएस व जीविका के साथ पत्राचार किया जा चुका है। जिनके सहयोग से शहरी के साथ साथ ग्रामीण इलाकों के लोगों के बीच मलेरिया व डेंगू से बचाव की चर्चा करते हुए उन्हें मच्छर जनित बीमारियों से बचाव की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित होने आरोग्य दिवस के अवसर पर भी लाभुकों व उनके परिजनों को मच्छरों से बचाव की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय में मलेरिया और डेंगू रोधी माह के तहत नगर निगम क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

बकरीद व एकादशी पर्व के मौके पर मुस्लिम युवक ने मंदिरों के पुजारियों को गुलाब का फूल देकर दी बधाई

औरंगाबाद। पैगाम ए इंसानियत मुस्लिम समुदाय के सदस्यो ने बकरीद पर्व और निर्जल व्रत अक्दासदी कि साझी संस्कृति ही हमारी पहचान रही है। सोमवर को बकरीद का नमाज अदा करने के बाद पैगाम ए इंसानियत मुस्लिम समुदाय के जिलाध्यक्ष मो. शहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, आमिर रजा, मो. इबरार, मो. बंटी, मो. सहाबुद्दीन उर्फ नन्हे, मो. जुल्फेकार सहित के नेतृत्व में शहर के धर्मशाला मोड संकट मोचन मानस मंदिर नावाडीह रोड स्थित महावीर मंदिर, सब्जी मंडी स्थित कारगिल चौक के पास, शंकर जी मंदिर के पुजारी को बकरीद एवं निर्जल एकदासी त्यौहार के मौके पर गुलाब का फूल देकर दोनों पर्व की गले मिलकर हार्दिक शुभकामनाएं दिया। पैगाम ए इंसानियत के जिलाध्यक्ष सल्लू खान, शिव शंकर मंदिर के पुजारी डब्लू पांडे संकट मोचन मानस के मंदिर अजय पांडे नगर थाना परिसर में भोला संकर मंदिर के पुजारी दीपक पांडेय, गणेश मंदिर के मनीष पांडे ने कहा कि जिला के दोनों धर्म के लोगो से कहा कि साझी संस्कृति ही हमारी पहचान रही है। दोनों समुदाय आपस में एक-दूसरे के साथ हमेशा मिलकर एक साथ होकर रहते हैं वहीं पर काम इंसानियत के जिला अध्यक्ष समाजसेवी सल्लू खान ने कहा कि अलग-अलग त्योहार अलग-अलग धर्मों के साथ जोड़े जाते हैं। लेकिन यह गलत है। असलियत यह है कि हमारे हर त्योहार पूरे देश, पूरे समाज के हैं। जाने-अनजाने हर त्योहार के साथ हर समुदाय के लोग जुड़ जाते हैं। बकरीद ईद हो या निर्जल अकड़सी होली-दिवाली, महावीर जयंती हो या क्रिसमस, हर त्योहार पर पूरे समाज के लोग आपस में जुड़ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि अलग-अलग धार्मिक पहचान के बाद भी हमारी सांस्कृतिक जड़ें इस मिट्टी से जुड़ी हुई हैं, जिसने हम सब पर एक जैसा प्यार लुटाया है। इस पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए जिला पैगाम इंसानियत मुस्लिम समुदाय के सदस्य पूरी तरह मुस्तैद दिखा। नमाज स्थल से लेकर शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर हिन्दू मुस्लिम समुदाय के दोनो तरफ से लोग एक दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद देते हुए नजर आए। सल्लू खान ने शहरी क्षेत्र के विभिन्न नमाज के स्थलों पर घूमकर जायजा लिया। सभी जगहों प। एक दिन पूर्व ही शहर के पठन टोली मस्जिद परिसर में रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर सोशल मीडिया पर भी भड़काऊ पोस्ट साझा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। साथ ही सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को बधाई दी और शांति व्यवस्था के बीच में बकरीद पर्व मनाए जाने की अपील की।

अरवल के पिपरा बांग्ला बालू घाट से डंपर में शव लोड जहानाबाद में बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। पिपरा बांग्ला बालू घाट पर रात्रि में 15 जून को कागजी मोहल्ला के दर्जनों लोगों ने बालू लदे ट्रकों को बालू बराबर कर रहे थे इसी दौरान बैदराबाद निवासी विनोद चौधरी बालू घाट के सटे सोन नदी में जाल डालकर घर लौट रहा था। तभी कुछ लोगों ने पड़कर बुरी तरह पीट-पीट कर हत्या कर डालें विनोद को मर जाने के बाद बालू घाट पर एक हाईवे में लोडिंग हो रहा है बालू में लाश को ठिकाना लगाने के लिए बालू के साथ लोड कर दिए गए, इधर विनोद चौधरी के पिता जब विनोद चौधरी घर पर नहीं आया तो 16 जून को थाने में जाकर गुम होने का आवेदन दिया, एक हाईवे डंपर पर बालू लोडिंग हुआ था उसे गाड़ी का चालान बेगूसराय के था। 16 जून को हाईवे डंपर के ड्राइवर द्वारा बालु को जहानाबाद जिले के घोसी मोड़ के समीप बालु खाली किया जा रहा था इसी दौरान डंपर से 22 वर्ष के लड़के की लाश मिला मिलता है स्थानीय लोगों ने देखने काफी बड़े कथा जुट गई उसे वक्त इलाके में हड़कंप मंच गया, इसकी जानकारी मिलते ही परिवार वालों ने जहानाबाद जाकर लाश को पहचान किया तो वह शव किसी और का नही था बल्कि बैदराबाद निवासी विनोद चौधरी का था। पुलिस शव बरामद कर पोस्टमार्टम कर अंत्य परीक्षण में लग गए। परिवार को जानकारी मिली और बैदराबाद से जहानाबाद जाकर प्राथमिक की दर्ज करवाई।

सुल्तानगंज प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों में बड़े ही धूमधाम मनाया गया बकरीद का त्योहार

प्रात : किरण संवाददाता

सुल्तानगंज प्रखंड भर में धूमधाम से बकरीद का त्योहार सोमवार को मनाया जा रहा है।दिलगौरी ईदगाह मैदान कोलगामा मस्जिद काशीपुर मस्जिद सुल्तानगंज के गंगा तट स्थित शाही मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों और ईदगाह मैदानों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई। जिनकी इमामत वहां के इमामों ने कराई। इसके बाद एक दूसरे को गले लगाकर परंपरानुसार ईद की मुबारक बाद दी इसके बाद कुबार्नी की रस्म भी अदा हुई। शाही मस्जिद के इमाम ने कहा कि मुल्क की तरक्की के लिए सभी नेकी की राह पर चलें। बूढ़े मां बाप, जरूरतमंद गरीब बच्चों की मदद करें। सभी ने यहां देश में अमन और भाईचारे सहित सुलतानगंज वासियों की खुशहाली की दुआ भी मांगी।

ईदगाह में पुलिस प्रशासन की ओर से विधि व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुल्तानगंज थाना पुलिस सशस्त्र बलों के साथ मुख्य रूप से मौजूद थे। थाना क्षेत्र में भी भ्रमणशील होते दिखाई दिए। इस दौरान नोमान अंसारी, अफोरोज आलम, मो सेराज, मो सानू, मो साहिद इत्यादि सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद थे।

नई फिल्म के लिए रणवीर सिंह को बढ़ाना पड़ रहा है 15 किलो वजन?

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर तैयारी में जुटे हैं और अभिनेता अपने शारीरिक बदलाव पर काम कर रहे हैं। इस बात का दावा लेखिका शोभा डे ने अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में किया है। उन्होंने रणवीर के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि वह अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए वजन बढ़ा रहे हैं। हालांकि, अभी भी लोगों को रणवीर के आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

शोभा के साथ दिखे रणवीर

लेखिका शोभा डे ने रणवीर सिंह से एक कैफे में मिलने के बाद कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने रणवीर के साथ कुछ सेल्फी भी साझा की है। एक तस्वीर में रणवीर शोभा और उनके दोस्त के साथ मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में रणवीर फ्रेंच फाइज की एक प्लेट लिए दिख रहे हैं।

आगामी फिल्म का किया दावा

तस्वीरें साझा करते हुए शोभा ने लिखा, 'अलीबाग के हमारे पसंदीदा कैफे में चौंकाने वाली मुलाकात, सेल्फी किंग रणवीर सिंह पिता बनने से पहले बहुत जरूरी समय बिता रहे हैं और अपनी अगली फिल्म शुरू करने जा रहे हैं।'

12 किलो वजन बढ़ा रहे हैं रणवीर!

शोभा ने आगे लिखा, 'लेकिन उन्होंने कहा कि वो कार्ब्स पर ध्यान दे रहे हैं। उन्हें अपने नए प्रोजेक्ट के लिए 15 किलो वजन बढ़ाने की जरूरत है। हमेशा की तरह आकर्षक, सहज और हमेशा विनम्र। अलीबाग में उनसे मिलकर बहुत खुशी हुई।' हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस प्रोजेक्ट की बात कर रही हैं।

रणवीर सिंह का वर्क फ्रंट

रणवीर सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार आलिया भट्ट के साथ 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया था। फिल्म की कहानी दोनों किरदारों रॉकी और रानी के चारों ओर घूमती है, जो अलग-अलग जगह से ताल्लुक रखते हैं। उनकी आगामी फिल्मों की बात करें तो वह अजय देवगन और अक्षय कुमार के साथ सिंघम अगेन में नजर आएंगे।

सितारों के प्रति हद से ज्यादा दीवानगी ठीक नहीं

सोनाली बेंद्रे इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। पिछले दिनों वे वेब सीरीज ब्रोकन न्यूज सीजन 2 में नजर आई थीं। दर्शकों को उनका यह शो काफी पसंद भी आया। इस शो में उनके सात जयदीप अहलावत भी दिखाई दिए थे। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू दिया है जिसमें वे बॉलीवुड स्टार्स के प्रति फैंस की दीवानगी के बारे में बातें करती नजर आईं। सोनाली बेंद्रे दिलजले से लेकर डुप्लीकेट और मेजर साब जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि जब वे 1990 में भोपाल गई थीं तब कथित तौर पर उनके एक फैन ने आत्महत्या कर ली थी क्योंकि वे उस फैन से नहीं मिल पाई थीं। इस बात को सुनकर अभिनेत्री कहती हैं, क्या यह सच है और अगर सच है तो यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हद की दीवानगी नहीं है।

सोनाली बेंद्रे अविश्वास के साथ प्रतिक्रिया देते हुए बोलती हैं, यह गलत है। आप किसी इंसान को ऐसे कैसे भगवान के जैसे मान सकते हैं। स्टार्स भी सधारण इंसान होते हैं। मुझे नहीं पता है कि ऐसा कुछ हुआ था और यह सही नहीं है। मुझे प्रशंसकों के चिट्ठी आते थे और शायद उनमें से कई चिट्ठी खून से लिखे होते थे। मुझे इस बात से भी तकलीफ होती थी। सोनाली बेंद्रे इस फैन कल्चर को गलत मानती हैं। वे कहती हैं, किसी के काम को सराहना सही है, लेकिन एक हद में रहकर। ऐसे खुद को नुकसान पहुंचा लेना समझदारी नहीं है। मैंने अपनी बीमारी से एक बात सीखी है कि कोई भी सुंदर चीज अपने आप में संपूर्ण नहीं होती है। फैंस सिर्फ पर्दे पर हमें अभिनय करते देखते हैं। वास्तव में उन्हें नहीं पता होता है कि हम एक इंसान के तौर पर कैसे हैं या हम निजी जिंदगी में किन चीजों से गुजर रहे हैं।

आलिया भट्ट ने स्टोरीटेलिंग की दुनिया में रखा कदम

फिल्म की दुनिया में अपने अभिनय और खूबसूरती का लोहा मनवाने के बाद अब अभिनेत्री आलिया भट्ट स्टोरीटेलिंग की दुनिया में भी छाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बच्चों के लिए अपनी पहली पिक्चर बुक लॉन्च की है। आलिया ने कहा कि वह किताबों की एक सीरीज पर काम कर रही हैं।

रविवार को आलिया ने बच्चों के कपड़ों के ब्रांड एड-ए-मम्मा के तहत बच्चों की पिक्चर बुक की सीरीज की पहली किताब 'एड फाइंड्स ए होम' पेश की है।

नई किताब के लिए जाहिर की खुशी

आलिया ने अपनी नई भूमिका के बारे में इंस्टाग्राम पर किताब के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए खुशी जाहिर की है। इस तस्वीर में आलिया किताब के साथ पोज देते हुए मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीर साझा करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'एक नया रोमांच शुरू हो रहा है 'एड फाइंड्स ए होम' एड-ए-मम्मा की दुनिया से किताबों की एक नई सीरीज की शुरुआत है।' अभिनेत्री ने लिखा, मेरा बचपन कहानियों और कहानीकारों से भरा था और एक दिन मैंने अपने अंदर के उस बच्चे को बाहर लाने और बच्चों के लिए किताबों में डालने का सपना देखा, मैं अपने साथी कहानीकारों की आभारी हूं। जिन्होंने अपने शानदार विचारों, इनपुट और कल्पना से हमारी पहली किताब को जीवंत करने में मदद की। इस यात्रा के लिए शुभकामनाएं।'

कॉफी शॉप में लीजा हेडन को मिली थी पहली फिल्म

लीजा हेडन अपना जन्मदिन मना रही हैं। लीजा अभिनेत्री होने के साथ फैशन डिजाइनर भी हैं। फिल्मों से पहले लीजा कई मशहूर ब्रांड के विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं। पहले वह शिक्षिका बनना चाहती थीं, लेकिन बाद में दोस्तों की सलाह पर उन्होंने मॉडलिंग शुरू की। अनिल कपूर ने उन्हें सबसे पहले एक कॉफी शॉप में देखा था और फिल्म आयशा के लिए उन्हें चुना। इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वह न्यूयॉर्क में अभिनय का प्रशिक्षण लेने भी गई थीं।

15 नवम्बर को प्रदर्शित होगी अभिषेक बच्चन की शूजीत सरकार निर्देशित फिल्म

विक्की डोनर, पीकू और सरदार उधम जैसी दमदार फिल्मों का निर्माण कर चुके फिल्म निर्माता शूजीत सरकार ने प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दिया है। फादर्स डे के अवसर पर निर्माता ने अपनी आगामी फिल्म पर अहम अपडेट साझा किया है, जिसमें अभिनेता अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का शीर्षक अभी सामने नहीं आया है, लेकिन शूजीत की पोस्ट से साफ हो रहा है कि इसकी कहानी पिता और बेटी के खूबसूरत रिश्ते पर आधारित होगी। साथ ही इसकी रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। शूजीत सरकार ने अपने प्रोडक्शन हाउस राइजिंग सन फिल्म्स के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से उपरोक्त फिल्म के बारे में अधिक जानकारी साझा की। निर्माता ने पोस्ट किए गए वीडियो को कैप्शन दिया, इस फादर्स डे पर उस प्यार, हंसी और अमूल्य सबक को संजोएं जिसके लिए पिता हमें तैयार करते हैं।

15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में शूजीत सरकार की हार्दिक पिता-बेटी के रिश्ते की आगामी कहानी के लिए तैयार हो जाइए। हालांकि पोस्ट के कैप्शन में कहा गया है कि शूजीत सरकार की आगामी पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी के लिए तैयार हो जाइए लेकिन तथ्य यह भी है कि फिल्म के निर्माताओं ने केवल अभिषेक बच्चन की उपस्थिति के बारे में खुलासा किया है। फिल्म के बाकी कलाकारों के बारे में विवरण अभी भी गुप्त है। बीते दिनों शूजीत सरकार ने फिल्म के बारे में बात की थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह एक और भावनात्मक और जीवन के अहम पहलू से जुड़ी फिल्म होगी, जिसमें हास्य भी शामिल होगा। फिल्म का निर्देशन जहां शूजीत सरकार कर रहे हैं, वहीं इसका निर्माण रोनी लाहिड़ी और शील कुमार कर रहे हैं।

यंग एक्टर्स पर काम्या पंजाबी ने कसा तंज

टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी ने हाल ही में यंग एक्टर्स पर निशाना साधा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आजकल के एक्टर्स को एक्टिंग से ज्यादा अपने सोशल मीडिया फॉलोअर्स की ज्यादा चिंता होती है। बता दें, काम्या इन दिनों अपने नए शो इश्क जबरिया को लेकर चर्चा में हैं।

आजकल सोशल मीडिया का जमाना है

इंटरव्यू में काम्या पंजाबी ने कहा, आजकल सोशल मीडिया का जमाना है। दुर्भाग्यवश, ज्यादातर मेकर्स यह देखकर ही कास्टिंग करते हैं कि एक्टर के सोशल मीडिया फॉलोवर कितने हैं? इंडस्ट्री में एक एक्टर कितना अच्छा है, वह कितना बेहतरीन काम करता है, मेकर्स के लिए ये बातें मायने नहीं रखती हैं। यह तो गलत बात है। सच्चाई यह है कि ये नए एक्टर्स जिनके मिलियन फॉलोअर्स होते हैं, वे 10 लाइन का डायलॉग तक बोल नहीं पाते हैं। मुझे यह बहुत फनी लगता है।

इनका ध्यान सिर्फ ट्रेंडिंग गानों पर रील्स बनाने पर होता है उन्होंने आगे कहा, कई यंग एक्टर्स का फोकस अच्छी एक्टिंग नहीं, बल्कि सिर्फ सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने पर होते हैं। इनका ध्यान सिर्फ और सिर्फ ट्रेंडिंग गानों पर रील्स बनाना और उन्हें पोस्ट करने पर होता है।

सेट पर ऐसा माहौल देखती हूं तो हंसी आती है

एक उदाहरण देते हुए, एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरे पिछले शो में मेरी एक को-एक्टर थीं, जिन्हें एक शादी अटेंड करनी थी। मैंने नोटिस किया कि उनका फोकस कहीं भी शादी को एन्जॉय करने पर नहीं था। बल्कि, उसे 6 रील्स बनाने का स्ट्रेस था। यह देखकर मैं हैरान थी। आज की यंग जनरेशन मोमेंट को एन्जॉय नहीं करती है। जब सेट पर ऐसा माहौल देखती हूं तो हंसी आती है। वहीं, ऐसे लोगों पर दया भी आती है। इश्क जबरिया में मोहिनी की भूमिका निभाते आएंगी नजर इश्क जबरिया में काम्या मोहिनी की भूमिका निभा रही हैं। इससे पहले वह रेत, अस्तित्व- एक प्रेम कहानी, पिया का घर, मर्यादा- लेकिन कब तक, शक्ति और बनूं मैं तेरी दुल्हन जैसे कई शोज में नजर आ चुकी हैं।

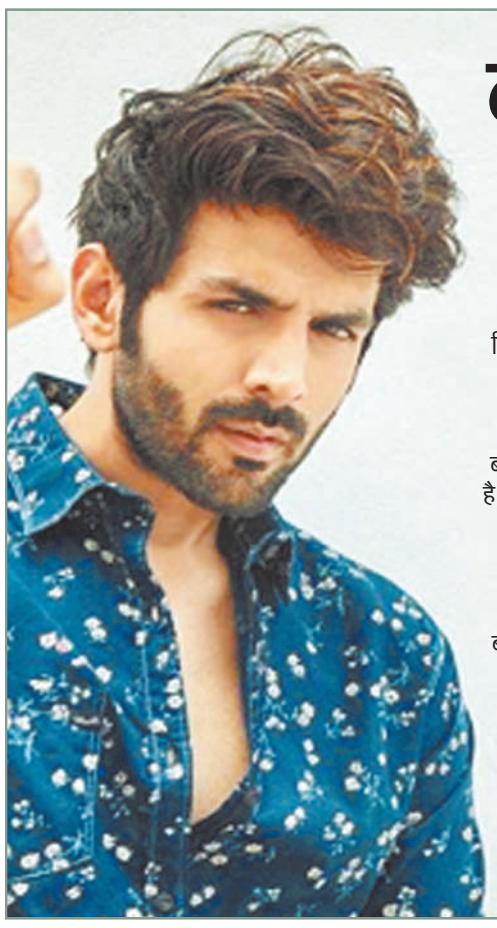

कार्तिक ने बताई चंदू चैंपियन को करियर की सबसे बड़ी फिल्म

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म की रिलीज से पहले प्रमोशन के दौरान कार्तिक आर्यन दर्शकों के बीच गए। इस दौरान उन्होंने इसे अपने करियर की सबसे चैलेंजिंग फिल्म बताया। हालांकि, फिल्म जब रिलीज हो चुकी है तो इसे क्रिटिक्स से सकारात्मक रिव्यू मिले हैं, उनके अभिनय की भी तारीफ हो रही है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म औसत प्रदर्शन ही कर रही है। फिल्म की सफलता उसके बॉक्स ऑफिस से ही मापी जाती है। बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक का नजरिया क्या है, हाल ही में उन्होंने बताया।

निर्माताओं को मिलना चाहिए फायदा

फिल्म की सफलता उसके बॉक्स ऑफिस नंबरों पर निर्भर करती है। ऐसे में चंदू चैंपियन के बॉक्स ऑफिस को लेकर क्या कार्तिक वाकई चिंतित हैं? इस पर उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। फी प्रेस जर्नल से बातचीत में कार्तिक ने कहा कि हर कोई चाहता है कि फिल्में मुनाफा दें। कार्तिक ने कहा कि जो भी संख्याएं हों, उन्होंने स्वीकार किया है। हालांकि, उन्होंने इस पर जोर दिया है कि जो भी नंबर हों, उनके निर्माताओं के लिए फायदेमंद होने चाहिए।

बॉक्स ऑफिस सक्सेस पर क्या सोचते हैं कार्तिक?

उन्होंने आगे कहा कि एक बार जब उनके निर्माता और एक्जीबिटर्स उनकी फिल्मों से पैसा कमा लेते हैं, तो उनका काम पूरा हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह एकमात्र दबाव है जो उन पर है और बाकी सब केवल सुर्खियों के लिए हैं। उन्होंने माना कि फिल्म तगड़ी कमाई करे, यह कोई भी नापसंद नहीं करेगा, लेकिन वे इस तथ्य से सहमत हैं कि हर फिल्म पैसे कमाने वाली नहीं होगी। कार्तिक ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल करना जारी रखने की इच्छा व्यक्त की, लेकिन फॉर्मूले के बारे में अनिश्चितता को स्वीकार किया।

इस वजह से खास है चंदू चैंपियन

कार्तिक ने आगे कहा कि चंदू चैंपियन उनके लिए सबसे चैलेंजिंग थी। वे इसे हमेशा संजोकर रखेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोग उनकी फिल्मोग्राफी में इस भूमिका को याद रखा जाएगा। साथ ही कहा कि इसकी कहानी काफी अहम है, जिससे लाखों लोगों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 है। इसमें वह तृप्ति डिमरी के साथ नजर आएंगे। साथ ही विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी फिल्म का हिस्सा हैं। इसके अलावा उनके पास आशिकी 3 भी है।

गुलशन देवैया को हरलीन के साथ काम करना है पसंद

गुलशन देवैया अपनी आगामी वेब सीरीज 'बैड कॉप' के प्रमोशन में जुटे हुए हैं इस सीरीज में वह अनुराग कश्यप और हरलीन सेठी के साथ नजर आएंगे। अभिनेता ने हरलीन सेठी के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। गुलशन देवैया ने कहा कि इससे पहले उन्होंने हरलीन को 'कोहरा' में देखा था, हालांकि उनकी मुलाकात काफी कम हुई थी। अभिनेता ने बताया कि उनकी अच्छी दोस्ती थी, वह उन्हें काफी पसंद करते हैं और प्यार भी। गुलशन देवैया ने कहा, सीन के दौरान हम एक दूसरे की काफी मदद करते थे। गुलशन ने कहा कि वह फिर से हरलीन के साथ काम करना चाहते हैं। 'बैड कॉप' 21 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

संक्षिप्त समाचार

विमेंस इंडियन चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन

इंदौर, एजेंसी। युथ एंड कम्युनिटी एम्पावरमेंट कॉउंसिल डब्ल्यूआईसीसीआई, मध्य प्रदेश की स्टेट प्रेसिडेंट, निवेदिता चौहान द्वारा और सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया अधिवक्ता, अभिनव मिश्रा के सहयोग से रविवार को इंदौर में नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेशनल कमिशन फॉर वीमेन, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया से एफिलिएटेड हैं। कार्यक्रम में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पैनल डिस्कशन हुआ। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे से शाम पांच बजे तक वेलेडिक्टरी सेरेमनी हुई। दो पैनल डिस्कशन में 14 पेनालिस्ट शामिल हुए, जिसमें निवेदिता चौहान ने पेनालिस से बातचीत की और वहां मौजूद लोगों ने भी अपने सवाल पूछे। वेलेडिक्टरी सेरेमनी की मुख्य अतिथि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन रही। इंदौर हाई कोर्ट के जस्टिस और एडमिनिस्ट्रेटिव चीफ जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी भी कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल थे। सेरेमनी में बेस्ट रिसर्चर और प्रेजेंटेशन का सम्मान कर उन्हें कैश प्राइज दिया गया। पहला पैनल डिस्कशन 'फाइनेंशियल इंक्लूजन ऑफ वूमेन विषय पर चर्चा हुई। इसमें रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जस्टिस इंदिरा बैनर्जी, दिल्ली हाई कोर्ट की सिटींग जस्टिस नीना बंसल कृष्णा, नेशनल कमीशन फॉर वूमेन की मेंबर श्रीमती ममता कुमारी, सीएएम की फॉर्मर पार्टनर गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया की स्टैंडिंग कॉउंसिल श्री राधिका दुबे, और अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर और राइटर डीवा शाह पैनल शामिल हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट जस्टिस इंदिरा बैनर्जी ने कहा कि महिलाएं घर तक ही सीमित नहीं है। इसका मतलब ये नही है कि उन्हें खाना नही बनाना है या बच्चों को नहीं पालना है। यह मानसिकता बदलने की जरूरत है कि महिला और पुरुष का काम अलग अलग गई। स्वामी विवेकानंद कहते थे कि महिलाएं और पुरुष एक ही पक्षी के दो पंख है। यदि महिलाएं पीछे रहेंगी तो राष्ट्र कभी आगे नहीं बढ़ सकेगा। उन्होंने आर्टिकल 14 पर ध्यान केंद्रित किया और कहा कि देश में ऐसे कानून बनाना चाहिए जो महिलाओं को समानता मिल सकें।

ओप्पो ने भारत का पहला आईपी 69-रेटेड सुपर-रग्ड मॉनसून-रेडी फोन एफ27 प्रो+ 5जी पेश किया

मुंबई, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने एफ27 प्रो+5जी पेश किया है। यह देश का पहला आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटेड सुपर रग्ड, मॉनसून रेडी स्मार्टफोन है। एफ27 प्रो+ दो रंगों - डस्क पिंक और मिडनाईट नैवी में मिलेगा और 128जीबी स्टोरेज के लिए इसका मूल्य 27,999 रुपये एवं 256जीबी वैरिएंट के लिए 29,999 रुपये होगा। इस स्मार्टफोन में ओप्पो का फुल डिवाईस प्रोटेक्शन सॉल्यूशन - डैमेज प्रूफ 360 डिग्री आर्मर बॉडी है, जो डिवाईस को ड्रॉप और स्क्रैच से सुरक्षा प्रदान करती है। इसमें चार साल तक टिकाऊ 5,000 एमएएच की बैटरी लगी है। इस लॉन्च के बारे में सैवियो डीसूज़ा, डायरेक्टर, प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस, ओप्पो इंडिया ने कहा, ओप्पो एफ27 प्रो+ 5जी उन ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप है, जो सदैव गतिशील रहते हैं, और जिन्हें एक ऐसे स्मार्टफोन की जरूरत है, जो चाहे धूप हो या बारिश, हमेशा उनके साथ रहे। यह एकमात्र स्मार्टफोन है, जिसे सभी तीन आईपी66, प्रदान करता है। साथ ही इसमें 360 डिग्री आर्मर बॉडी है

बिकने जा रहा है पेटीएम का मूवी और इवेंट टिकटिंग बिजनेस

इस बारे में पेटीएम और जोमैटो की बातचीत अंतिम दौर में है

इस डील के लिए वैल्यूएशन 2,000 करोड़ रुपये हो सकता है

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम अपने मूवी और इवेंट टिकटिंग बिजनस को बेचने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी की फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। सूत्रों का कहना है कि पेटीएम अपने नॉन-कोर एसेट्स को बेचने की रणनीति पर काम कर रही है। मूवी और टिकटिंग बिजनस को बेचना भी उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। अगर यह डील फाइनल होती है तो इसके लिए पेटीएम के मूवी और इवेंट टिकटिंग बिजनस की वैल्यू करीब 2,000 करोड़ रुपये हो सकती है।

रविवार देर रात स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में जोमैटो ने कहा कि वह पेटीएम के मूवी और इवेंट टिकटिंग बिजनस के खरीदने के लिए बातचीत कर रही है।

जोमैटो ने कहा कि यह बातचीत उसके गोइंग-आउट बिजनस को मजबूत करने के इरादे से की जा रही है। हालांकि अब तक कोई बाध्यकारी निर्णय नहीं लिया गया है जिसके लिए बोर्ड की मंजूरी की जरूरत होगी। इस बीच एक अलग फाइलिंग में पेटीएम ने यह भी कहा कि बातचीत अभी शुरुआती दौर में है। इसमें कोई बाध्यकारी समझौता शामिल नहीं है जिसके लिए बोर्ड की मंजूरी या डिस्क्लोजर की जरूरत होगी। कंपनी वह नियमित रूप से विभिन्न रणनीतिक अवसरों की खोज करती है जिससे शेयरहोल्डर की वैल्यू बढ़ाई जा सके। एंटरटेनमेंट बिजनस की बिक्री पर विचार किया जा रहा है। अर्निंग्स कॉल में हमने बताया था कि हमारा जोर पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विसेज पर होगा।

क्या होगा फायदा

सूत्रों ने कहा कि पेटीएम अपने पेमेंट और फाइनेंशियल सर्विस बिजनस पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है। कंपनी केवल उन अवसरों पर ध्यान केंद्रित करेगी जो उसके मर्चेंट्स को अपने बिजनस बढ़ाने में मदद करेंगे। जोमैटो के लिए यह डील वैल्यू एड करेगी। पेटीएम की मूवी और इवेंट टिकटिंग वर्टिकल को खरीदना उसके गोइंग-आउट बिजनस के लिए फायदेमंद रहेगा। मार्च तिमाही में जोमैटो के गोइंग-आउट सेगमेंट का रेवेन्यू 100 प्रतिशत बढ़कर 93 करोड़ रुपये रहा। सूत्रों ने कहा कि पेटीएम अपनी मूवीज और इनसाइडर (इवेंट प्लेटफॉर्म) वर्टिकल को एक टीम में मर्ज कर रहा है। फिलहाल ग्राहक पेटीएम ऐप पर मूवीज और इवेंट दोनों बुक करना जारी रख सकते हैं। डील पूरी होने के बाद जोमैटो अपने प्लेटफॉर्म के भीतर दोनों वर्टिकल को एकीकृत करने पर काम कर सकता है। सूत्रों ने कहा कि डील की औपचारिक घोषणा अगले सप्ताह हो सकती है।

325 प्रतिशत का दमदार रिटर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। पेप्सिको के लिए बॉटल बनाने वाली कंपनी वरुण बेवरेज के शेयरों की कीमतों में पिछले कुछ सालों के दौरान तूफानी तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 325 प्रतिशत बढ़ा है। यानी इस दौरान निवेशकों का पैसा दोगुना से अधिक हो गया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में बाजार बंद होने के समय पर 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1638 रुपये के लेवल पर था। इससे पहले दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 1650 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। यह 52 वीक हाई है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 754.35 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2,12,846.10 करोड़ रुपये का है।

बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी इस स्टॉक को लेकर बुलिश नजर आ रहे हैं। ब्रोकरेज फर्म ने एफएमसीजी स्टॉक को 'बाय' टैग दिया है। आनंद राठी का मानना है कि कंपनी के शेयर इस साल 1900 रुपये के लेवल तक पहुंच जाएंगे। 2 साल पहले वरुण बेवरेज के शेयरों का भाव 527 रुपये के लेवल पर था। वहीं, 16 जून को 2021 को कंपनी के शेयरों का भाव 263 रुपये के लेवल पर था। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 523 प्रतिशत बढ़ा है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी है

इस साल के पहले क्वार्टर में कंपनी को 537.30 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। जोकि सालाना आधार पर 25.2 प्रतिशत अधिक है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 429.10 करोड़ रुपये का था। बता दें, वरुण बेवरेज जनवरी से दिसंबर का साइकल मानती है।

किफायती मकानों की बिक्री में चार फीसदी की गिरावट

लग्जरी अपार्टमेंट की अधिक मांग बनी वजह

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही में 60 लाख रुपये तक की कीमत वाले किफायती मकानों की बिक्री चार फीसदी घटकर 61,121 इकाई रह गई है। कम आपूर्ति और लग्जरी अपार्टमेंट की अधिक मांग से किफायती मकानों की बिक्री में गिरावट आई है। रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रॉपइक्विटी के मुताबिक, आठ प्रमुख शहरों मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बंगलूरू, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, पुणे चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद में जनवरी-मार्च, 2023 में 63,787 किफायती मकान बिके थे।

आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में 2,26,414 किफायती मकान बिके थे।2020 में कोविड महामारी के बीच बिक्री घटकर 1,88,233 इकाई रह गई। हालांकि, 2021 व 2022 में बिक्री में तेजी आई और यह बढ़कर क्रमशः 2,17,274 एवं 2,51,198 इकाई पर पहुंच गई।

नईआपूर्ति में 37.90 फीसदी की कमी

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च, 2024 के दौरान देश के इन आठ शहरों में 60 लाख रुपये तक के नए मकानों की आपूर्ति 37.90 फीसदी घटकर 33,420 इकाई रह गई।एक साल पहले की समान अवधि में इन शहरों में कुल 53,818 नएकिफायती मकानों की आपूर्ति की गईथी।

लग्जरी परियोजनाओं में लाभ मार्जिन अधिक

प्रॉपइक्विटी का कहना है कि आवासीय संपत्तियों की बढ़ती मांग का लाभ उठाने के लिए बिल्डर्स लग्जरी अपार्टमेंट पेश करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। लग्जरी परियोजनाओं में लाभ मार्जिन किफायती की तुलना में अधिक है।

मानसून से होगी पैसों की बारिश ! 56 कंपनियां में आईपीओ और एफपीओ लाने की होड़

नईदिल्ली, एजेंसी। इस मानसून के साथ ही शेयर मार्केट के निवेशकों पर पैसों की बारिश होने की संभावना है। आईपीओ और एफपीओ के जरिए हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड समेत करीब 56 कंपनियां 90,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बना रही हैं।प्राइम डेटाबेस के मुताबिक करीब 17 कंपनियों को आईपीओ/एफपीओ लॉन्च करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी से मंजूरी मिल गई है। ये कंपनियां 11,000 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बना रही हैं।

इन कंपनियों में आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस और एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स करीब 1,500-1,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं। इनके अलावा प्राइम करीब 38 कंपनियों ने 7 जून तक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है और आईपीओ/एफपीओ लॉन्च करने के लिए मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। बड़े आईपीओ की लिस्ट में स्विगी (8,000 करोड़ रुपये), बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (7,000 करोड़ रुपये), एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (7,000 करोड़ रुपये), ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (5,500 करोड़ रुपये) और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (4,500 करोड़ रुपये) शामिल हैं। डीआरएचपी के अनुसार बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 7,000 करोड़ रुपये तक के सार्वजनिक प्रस्ताव में 4,000 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 3,000 करोड़ रुपये तक का ओएफएस शामिल है। पिछले हफ्ते हुंडई मोटर ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया, जिसमें 10 रुपये प्रति शेयर के फेस वैल्यू पर 142.19 रुपये इक्विटी शेयर बेचने की पेशकश की गई। कंपनी शेयरों की लिस्टिंग के जरिए 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, जिससे यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन जाएगा। कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के प्रबंध निदेशक और बोर्ड के सदस्य वी जयशंकर ने कहा कि मजबूत बुनियादी बातें, बड़ी खुदरा भागीदारी भारत की मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक बुनियादी बातें और बड़ी खुदरा भागीदारी आईपीओ बाजार को आगे बढ़ा रही हैं।

जेपी ग्रुप की आखिरी कंपनी भी हुई दिवालिया, बड़ी-बड़ी कंपनियों की है इस पर नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश ग्रुप की एक और कंपनी दिवालिया हो गई है। एनसीएलटी ने जेपी हेल्थकेयर के खिलाफ इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग शुरू करने का आदेश दिया है। यह जेपी ग्रुप की आखिरी मूल्यवान कंपनी है जिसे बैंकरप्सी के लिए एडमिट किया गया है। देश की कई दिग्गज कंपनियों ने इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इनमें फोर्टिस हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स, मेदांता और मैक्स हेल्थकेयर हैं। शुक्रवार को एनसीएलटी की इलाहाबाद पीठ ने जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा दायर याचिका पर जेपी हेल्थकेयर को कॉर्पोरेट दिवाला और समाधान प्रक्रिया के लिए स्वीकार करने का मौखिक आदेश दिया। हालांकि एनसीएलटी ने इस बारे में लिखित आदेश अब तक अपनी वेबसाइट पर अपलोड नहीं किया है। मनोज गौड़ प्रमोटेड जयप्रकाश एसोसिएट्स को इस महीने कॉर्पोरेट इनसॉल्वेंसी प्रोसेस के लिए स्वीकार किया गया, जबकि सुरक्षा रियल्टी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने पहले ही ग्रुप की एक और कंपनी जेपी इन्फ्राटेक का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। नोएडा के जेपी विश टाउन में स्थित मल्टी-स्पेशलिटी तृतीयक देखभाल अस्पताल , जेपी हेल्थकेयर जेपी इन्फ्राटेक की सहायक कंपनी है। यह नोएडा के विश टाउन में एक मल्टी-स्पेशिएलिटी टर्शियरी केयर हॉस्पिटल चलाती है। केयर रेटिंग्स के एक डिस्क्लोजर के मुताबिक कंपनी पर जेसी फ्लावर्स एआरसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, एक्जिम बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी ऑफ इंडिया का कुल करीब 1,000 करोड़ बकाया है।

निचले स्लैब के लोगों को आयकर में मिले राहत

सीआईआई अध्यक्ष बोले- जारी रहे सरलीकरण की प्रक्रिया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के नए अध्यक्ष संजीव पुरी का मानना है कि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में निचले स्लैब के लोगों को आयकर में राहत मिलनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि महंगाई अब भी उच्च स्तर पर है।सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण मई में थोक महंगाई लगातार तीसरे महीने बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई।अच्छे मानसून की उम्मीद के कारण इस वर्ष खुदरा महंगाई की दर 4.5 फीसदी के आसपास रहने की उम्मीद है। पुरानी व्यवस्था में कर छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये तक की आय पर लागू होती है। नई व्यवस्था में यह 3 लाख रुपये तक की आय पर है। पुरी ने कहा, हमारा सुझाव है कि कर के मोर्चे पर सरलीकरण की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए। स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और दरों की बहुलता में कुछ परिचालन कठिनाइयां हैं। इनका सरलीकरण जरूरी है। पुरी ने कहा, सीमा शुल्क के मोर्चे पर हमें त्रिस्तरीय संरचना की ओर बढ़ना चाहिए। सबसे निचले स्तर पर प्राथमिक, बीच में मध्यवर्ती और फिर तैयार माल एवं कुछ समय की अवधि में अपवादों के साथ मध्यम दरें होनी चाहिए।

बेहतर मानसून से सस्ते होंगे खाद्य पदार्थ

सीआईआई अध्यक्ष ने कहा, मानसून के उम्मीद से बेहतर रहने के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में

गिरावट आ सकती है।इससे महंगाईके मोर्चे पर भी राहत मिल सकती है। उम्मीद है कि आरबीआई प्रमुख ब्याज दर में कटौती करेगा। यह दूसरी छमाही यानी अक्तूबर से शुरू हो सकता है।

कुछसाल में तीसरी बड़ी जीडीपी बन जाएगा भारत

पुरी ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन व मोदी के पिछले दो कार्यकाल में नीतियों की सफलता इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आधार तैयार करेगी। हमें उम्मीद है कि भारत अगले कुछ साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सीआईआई ने इस साल जीडीपी के 8 फीसदी की मजबूत रफ्तार से आगे बढ़ने की उम्मीद जताईहै। नए अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी को अनुमान से बेहतर मानसून और खाद्य महंगाई में नरमी जैसे कईकारकों से समर्थन मिलेगा।

प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल में सुधारों पर नहीं पड़ेगा असर

पुरी ने कहा, गठबंधन राजनीति की मजबूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में सुधारों में बाधक नहीं बनेंगी। भूमि, श्रम, बिजली और कृषि से संबंधित सभी सुधारों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिहाज से केंद्र और राज्यों के बीच आम सहमति के लिएएक संस्थागत मंच बनाने पर विचार करना चाहिए।

जीएसटी की तीन दरों पर हो विचार

सीआईआई अध्यक्ष ने कहा, 22 जून को होने वाली जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में कर दरों की संख्या को घटाकर तीन पर लाने का विचार करना चाहिए।अभी जीएसटी की पांच दरें हैं, जिसमें न्यूनतम शून्य फीसदी और अधिकतम 28 फीसदी है।परिषद को पेट्रोलियम उत्पादों, बिजली और रियल एस्टेट को जीएसटी के दायरे में लाने पर भी विचार करना चाहिए।

अतिरिक्त सुरक्षा के साथ मिलेगी भुगतान की सुविधा, बैंक के ऑनलाइन पोर्टल से भी होंगे जेनरेट

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों की ओर से जारी वर्चुअल क्रेडिट कार्ड वास्तव में आपके वास्तविक क्रेडिट कार्ड खाते से जुड़ा हुआ अस्थायी कार्ड नंबर होता है। इसे ऑनलाइन भुगतान के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें सुरक्षा की अतिरिक्त लेयर मिलती है। वर्चुअल क्रेडिट कार्ड पाने के लिएआपके पास एक क्रेडिट कार्ड या एक बैंक खाता होना चाहिए। आप अपने बैंक के ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल एप के माध्यम से भी वर्चुअल क्रेडिट कार्ड जनरेट कर सकते हैं।

24 से 48 घंटे तक के लिएवैलिड

वर्चुअल क्रेडिट कार्ड एक बार जेनरेट होने के बाद भौतिक कार्ड की तरह ही यूनिक कार्ड नंबर, सीवीवी और एक्सपायरी डेट के साथ आता है। यह संख्या अस्थायी है और आम तौर पर सिंगल लेनदेन या सीमित अवधि के लिए 24 से 48 घंटे तक के लिए वैलिड होता है। चूंकि, कार्ड नंबर अस्थायी है। ऐसे में इसकी डिटेल्स लोगों को पता चल भी जाए तो वे भविष्य में लेनदेन के लिए इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। यह मुख्य क्रेडिट कार्ड तक अनधिकृत पहुंच के जोखिम को कम करता है।

वर्चुअल कार्ड में धोखाधड़ी का जोखिम कम हो जाता है।यह विशेष रूप से उन यूजर्स के लिए फायदेमंद है, जो ऑनलाइन खरीदारी करते हैं।

यह कार्ड यूजर्स को एक निश्चित लेनदेन सीमा निर्धारित करने की अनुमति देता है।यह खर्च को नियंत्रित करने में भी काफी मददगार होता है। तुरंत विवरणजेनरेट की सुविधाः इसे भौतिक कार्ड की तरह साथ लेकर चलने की जरूरत नहीं है।ऑनलाइन खरीदारी के लिए कार्ड विवरण तुरंत जनरेट कर सकते हैं। वर्चुअल क्रेडिट कार्ड मुख्य रूप से ऑनलाइन लेनदेन के लिए होते हैं। इन्हें इन-स्टोर खरीदारी या उन सेवाओं के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता, जिनके लिए क्रेडिट कार्ड की जरूरत होती है।सभी मर्चेंट्स इसे स्वीकार नहीं करते, जो ऑनलाइन खरीदारी के समय आपके विकल्पों को सीमित करता है। बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी के मुताबिक वर्चुअल क्रेडिट कार्ड डिजिटल भुगतान के लिए एक बेहतर विकल्प है। यह ऑनलाइन खरीदारों को सुरक्षा का अतिरिक्त लेयर देती है।

संक्षिप्त समाचार

स्ट्राइकर्स की ब्लास्टर्स पर रोमांचक जीत

मोहाली, एजेंसी। जेके सुपर स्ट्राइकर्स ने रविवार को अपने युवा खिलाड़ियों के संयुक्त प्रयास की बदौलत शानदार जीत दर्ज की। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन(पीसीए) द्वारा आयोजित दूसरे शेर-ए-पंजाब टी20 कप में टीम ने बीएलवी ब्लास्टर्स पर रोमांचक मुकाबले में 11 रन से जीत दर्ज की। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए जेके सुपर स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 187/5 का विशाल स्कोर बनाया। ओपनर शिवेन रखेजा ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 26 गेंदों में 46 रन की पारी खेलकर स्ट्राइकर्स को शानदार शुरुआत दिलाई। दूसरे ओपनर कार्तिक शर्मा ने उनका अच्छा साथ दिया, जिन्होंने 15 गेंदों में 26 रन बनाए। दोनों ने 4.3 ओवर में 59 रन जोड़े। मध्यक्रम के बल्लेबाज आर्यन यादव(20 गेंदों में 25 रन) और शहबाज संधू (18 गेंदों में 28 रन) ने स्ट्राइकर्स को मजबूती दी। आखिरी क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए गौरव मार्कन ने 19 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली और स्ट्राइकर्स को 20 ओवर में 187 रनों तक पहुंचाया। ब्लास्टर्स की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ ने 22 रन देकर तीन विकेट लिए।

जवाब में ब्लास्टर्स लक्ष्य से 11 रन पीछे रह गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज हरनूर पन्नू ने 48 गेंदों पर 73 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वे जीत नहीं दिला सके। अपनी काबिलियत साबित करते हुए हरनूर ने चार गगनचुंबी छक्के लगाए। कप्तान नमन धीर बल्ले से ज्यादा कुछ नहीं कर सके और 10 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें सनवीर सिंह ने आउट किया। फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज अनमोल मल्होत्रा ने 40 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से ज्यादा सहयोग नहीं मिला। टीम ब्लास्टर्स 20 ओवर में 8 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। विजेता टीम के लिए हर्षदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। सनवीर सिंह को दो सफलताएं मिली, जबकि प्रेरित दत्ता ने एक बल्लेबाज का शिकार किया।

स्मृति मंधाना 7000 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला बनीं

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की ओपनर स्मृति मंधाना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेंगलुरु में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को पहले वनडे के दौरान 7000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गयी हैं। मंधाना ने पूर्व कप्तान मिताली राज के बाद यह उपलब्धि हासिल की है। मिताली ने अपने शानदार करियर में सभी फॉर्मेट में 10,868 रन बनाये थे।

मंधाना के बाद सबसे करीबी मौजूदा भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं जिन्होंने अब तक 6,870 रन जुटा लिए हैं। भारतीय ओपनर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में 127 गेंदों में 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 117 रन बनाये जो घरेलू जमीन पर उनका पहला और कुल छठा शतक है।

इस बीच दीप्ति शर्मा ने अपनी 37 रन की पारी के दौरान 200 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2000 वनडे रन पूरे कर लिए हैं।

टी 20 विश्व कप से बाहर होने के बाद लंदन में छुट्टी मनाएंगे बाबर सहित छह खिलाड़ी !

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी टीम के टी 20 विश्व कप में अभियान के निराशाजनक रूप से ग्रुप चरण में समाप्त होने के बाद कप्तान बाबर आजम और पांच अन्य खिलाड़ी मोहम्मद आमिर, इमाद वसीम, हारिस रउफ, शादाब खान और आजम खान ने पाकिस्तान लौटने से पहले लंदन में छुट्टियां मनाने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ये छह खिलाड़ी मंगलवार को शेष टीम के साथ पाकिस्तान नहीं उतरेंगे। इन खिलाड़ियों ने लंदन में अपने मित्रों और परिवार के साथ समय गुजारने का फैसला किया है। कुछ खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में स्थानीय लीग खेलने की योजना भी बना रहे हैं। इस बीच मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और सहायक कोच अजहर महमूद अपने-अपने घरों के लिए रवाना होंगे। कोई नजदीकी सीरीज न होने के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कोचिंग स्टाफ को अपने-अपने देश लौटने की अनुमति दे दी है। पकिस्तान का टी 20 विश्व कप के ग्रुप ए में निराशाजनक प्रदर्शन रहा और उसे आखिरी जीत रविवार को आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में तीन विकेट से मिली। उसे सह मेजबान अमेरिका और चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से हार का सामना करना पड़ा। उसने फिर कनाडा को सात विकेट से हराया। चार मैचों में चार अंकों के साथ पकिस्तान ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा और सुपर आठ में जगह बनाने से दूर रह गए। भारत और अमेरिका ने शीर्ष दो स्थान हासिल कर सुपर आठ में जगह बनायी। पाकिस्तानी टीम अगस्त में दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश से भिड़ेगी, जिसके बाद इंग्लैंड का अक्टूबर में पकिस्तान का दौरा होगा।

कप्तानी के बारे में निर्णय पीसीबी को लेना है, मुझे नहीं: बाबर आज़म

लौडरहिल, एजेंसी। टी 20 विश्व कप से ग्रुप चरण में पाकिस्तान के बाहर होने के बाद बाबर आज़म के पाकिस्तान का कप्तान बने रहने को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि बाबर ने कहा कि वह इस संबंध में वह कोई भी निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ पाकिस्तान के वर्ल्ड कप अभियान की समीक्षा के लिए होने वाली मीटिंग के बाद ही लेंगे।

बाबर ने कहा, जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी, तब मुझे यही लगा था कि मुझे आगे कप्तानी नहीं करनी चाहिए और इसीलिए मैंने खुद ही कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद मुझे वापस कप्तानी दे दी गई और यह पीसीबी का निर्णय था। जब मैं वापस जाऊंगा तब जो भी चीज़ें यहां घटित हुई हैं उनके ऊपर बोर्ड के साथ चर्चा करूंगा और अगर मुझे कप्तानी छोड़नी पड़ी तो मैं सार्वजनिक तौर पर इसकी घोषणा करूंगा। लेकिन अभी के लिए मैंने इस बारे में नहीं सोचा है, अंततः यह पीसीबी का निर्णय है। बाबर से जब यह पूछा गया कि क्या वह टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के शुरुआती चरण में पाकिस्तान के बाहर होने की ज़िम्मेदारी लेते हैं? तब उन्होंने यही कहा, मैंने आपको जैसा कि पहले भी कहा कि हम एक व्यक्ति की वजह से नहीं हारे हैं, हम एक टीम के तौर पर जीतते या हारते हैं। आप कप्तान होने के संदर्भ में मेरे से यह सवाल कर रहे हैं लेकिन मैं हर खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी का अपना रोल होता है। हम यह स्वीकारते हैं कि हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। उन्होंने कहा,जिस तरह की टीम हमारे पास थी उससे बेहतर परिणाम की अपेक्षा थी। एक कप्तान के तौर पर मैं किसी एक खिलाड़ी के ऊपर उंगली नहीं उठा सकता। कमी सभी 15 खिलाड़ियों में थी। हम समीक्षा करेंगे। एक कप्तान के तौर पर मेरा दायित्व यह है कि मैं निर्णय लेने वाले लोगों को अपना फ़ीडबैक दूं।

बाबर से एक बार फिर पूछा गया कि पाकिस्तान के ख़राब प्रदर्शन का दोष किसे दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, आप किसी एक व्यक्ति पर दोष नहीं मढ़ सकते। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। हर कोई हताश है। हम भी प्रशंसकों जितना ही हताश हैं। यह किसी एक की ग़लती नहीं है।

नेपाल की चुनौती को क़ाबूकर बांग्लादेश सुपर-8 में

किंग्सटॉउन (सेंट विन्सेंट), एजेंसी। बांग्लादेश ने सफलतापूर्वक अपने 106 के स्कोर का बचाव करते हुए नेपाल को भारतीय समयानुसार सोमवार को 21 रन से हराकर टी 20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में प्रवेश कर लिया।

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किये जाने के बाद बांग्लादेश की टीम 106 रन पर सिमट गयी। लेकिन तंजीम हसन साकिब ने नेपाल के शीर्ष क्रम को झकझोरा और मुस्तफिजुर रहमान के डेथ बोलिंग मास्टरक्लास ने बांग्लादेश को टी 20 विश्व कप इतिहास में सबसे कम स्कोर का बचाव करते हुए सुपर आठ में पहुंचने वाली जीत दिला दी। नेपाल की टीम 19.2 ओवर में मात्र 85 रन पर सिमट गयी। तंजीम हसन साकिब ने मात्र सात रन देकर चार विकेट झटके जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

सुपर 8 में बांग्लादेश का सामना भारत, ऑस्ट्रेलिया और अफ़ग़ानिस्तान से होगा। बांग्लादेश ने इस जीत के साथ टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे न्यूनतम स्कोर के बचाव का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। कुछ ही दिनों पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण अफ़्रीका ने बांग्लादेश के ख़िलाफ़ ही अपने नाम किया था, जब उन्होंने 113 रनों के स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव किया था।

बांग्लादेश को नेपाल ने पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया था और सोमपाल कामी ने शुरुआत में ही बांग्लादेश को झटका दे दिया। बांग्लादेश को लगातार लग रहे झटकों के बीच शाकिब अल हसन और महमूदुल्लाह में साझेदारी पनपी ही थी कि दोनों में ग़लतफ़हमी हुई और महमूदुल्लाह को रनआउट होकर जाना पड़ा। पिच पर स्पिनर्स को मदद मिल रही थी और दोहरा उछाल भी था। बांग्लादेश की पूरी टीम मिलकर किसी तरह 106 रन का स्कोर खड़ा कर पाई।

हालांकि एक मुश्किल विकेट को देखते हुए नेपाल के लिए इस लक्ष्य को हासिल करना उतना आसान नहीं रहने वाला था। तंजीम हसन साकिब ने शुरुआत में एक ही ओवर में दो झटके देकर नेपाल को पीछे धकेल दिया। यह इस मैच में पहला और सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ क्योंकि इस क्षण के बाद नेपाल बांग्लादेश को मुश्किल में नहीं डाल पाई।

हालांकि बीच में दीपेंद्र ऐरी और कुशल मल्ला के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई और ऐसा प्रतीत हुआ कि यहां से बांग्लादेश को चुनौती मिल सकती है। लेकिन तभी मुस्तफ़िज़ुर रहमान ने मल्ला को चलता कर बांग्लादेश की वापसी करा दी। 19वें ओवर में भी मुस्तफ़िज़ुर ने ऐरी का विकेट लेने के साथ साथ मेडन ओवर किया और ऐसा कर के उन्होंने बांग्लादेश की जीत पर मुहर लगा दिया। मुस्तफ़िज़ुर ने तीन तो वहीं तंजीम ने चार विकेट झटके। मुस्तफ़िज़ुर ने एक ओवर मेडन डालते हुए सिर्फ़ सात रन दिए। जबकि तंजीम ने दो ओवर मेडन डालते हुए चार विकेट लिए। तंजीम का यह गेंदबाज़ी आंकड़ा टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की ओर से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी आंकड़ा भी है। पहली बार बांग्लादेश ने इस टूर्नामेंट के इतिहास में किसी एक संस्करण में तीन मैच जीते हैं।

Euro 2024:

इंग्लैंड-सर्बिया के फैंस भिड़े, एक-दूसरे को कुर्सी-बोतलें फेंक कर मारी, सामने आया मारपीट का वीडियो

बर्लिन, एजेंसी। अल्बानिया के कुछ फैंस भी इस हिंसक झड़प में शामिल थे, जो गेल्सेंकिर्चेन के एक बार में हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्बानियाई फैंस ने सर्बियाई फैंस के खिलाफ विवाद शुरू किया, जो उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं। इंग्लैंड ने अपने यूरो 2024 अभियान की शुरुआत रविवार को गेल्सेनकिर्चेन के एरिना औफशाल्के में सर्बिया के खिलाफ जीत के साथ की। इस रोमांचक मुकाबले में जूड बेलिंघम ने निर्णायक गोल दागा और इसकी बदौलत इंग्लैंड ने सर्बिया को 1-0 से हराया। ग्रुप सी के इस मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने 13वें मिनट में ही बढ़त हासिल की और फुल टाइम तक इसी बढ़त को बनाए रखा। हालांकि इस मैच से पहले इंग्लैंड और सर्बिया के फैंस के बीच हिंसक कहासुनी हुई। इसका वीडियो भी सामने आया है। अल्बानिया के कुछ फैंस भी इस हिंसक झड़प में शामिल थे, जो गेल्सेंकिर्चेन के एक बार में हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्बानियाई फैंस ने सर्बियाई फैंस के खिलाफ विवाद शुरू किया, जो उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी हैं। क्षण भर बाद इंग्लैंड के फैंस भी अल्बानिया के फैंस के साथ मिल गए और यह एक बड़ा विवाद बन गया। घटना के कई वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई, जिनमें टूटी हुई मेज, कुर्सियां और कांच की बोतलें दिखाई दे रही हैं।

एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से कहा, अचानक से कैफे में हिंसा शुरू हो गई। यह कहां से शुरू और किसने क्या शुरू किया यह स्पष्ट नहीं है लेकिन मुझे ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड के फैंस का एक समूह बार में गया और वहां पहले से ही सर्बियाई फैंस मौजूद थे। सबने एक दूसरे पर टेबल, कुर्सियां और बोतलें फेंकीं और फिर कुछ देर बाद विवाद खत्म हो गया। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, एक आदमी के सिर में चोट लगी थी और खून बह रहा था। मुझे लगता है कि वह इंग्लिश फैन था। इंग्लैंड और सर्बिया के बीच मैच को बाद में जर्मन पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए जगह को खाली कराया और फिर सात सर्बियाई फैंस को हिरासत में लिया।

मैच की बात करें तो जूड बेलिंगहम ने मिडफील्ड में काइल वॉकर को एक शानदार पास दिया। इसके बाद बेलिंगहम ने बुकायो साका के क्रॉस को एक शानदार डाइविंग हेडर के साथ गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाया। इंग्लैंड के लिए लगातार किसी दूसरे मेजर टूर्नामेंट में बेलिंगहम ने गोल का खाता खोला है। इससे पहले कतर में 2022 विश्व कप में ईरान के खिलाफ इंग्लैंड के पहले मैच में भी बेलिंगहम ने ही गोल कर टीम का खाता खोला था। बेलिंगहम यूरो 2020 और 2022 फीफा विश्व कप में खेलने के बाद 21 साल के होने से पहले तीन मेजर टूर्नामेंटों में भाग लेने वाले पहले यूरोपीय खिलाड़ी हैं।

पांड्या और पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू: हरभजन सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पांड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया था।

हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पांड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पांड्या का

प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की।

पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे। हरभजन ने कहा, 'पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है।

भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।

हरियाणा की तीरंदाज भजन कौर को स्वर्ण के साथ ओलंपिक टिकट

अंकिता भकत ने भी हासिल किया कोटा

ओलंम्पिक क्वालिफायर

अंताल्या (तुर्की), एजेंसी। दूसरी वरीय दीपिका को अजरबेजान की तीरंदाज ने 6-4 (26-28, 25-27, 23-26, 24-25, 27-29) से मात दी। टीम के एक अधिकारी के मुताबिक, दीपिका को उपकरण संबंधित कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन खराब रिलीज के कारण ऐसा हुआ। यह दबाव के कारण या किसी और वजह से हो सकता है। हरियाणा के ऐलानाबाद की रहने वाली तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक क्वालिफायर तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया। भजन ने फाइनल में शीर्ष वरीय ईरान की मोबीना फलाह को 6-2 से पराजित किया। वह तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली दूसरी तीरंदाज हैं। इससे पहले बी धीरज पुरुषों में कोटा ले चुके हैं।

इससे पहले भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत अंताल्या में ओलंपिक क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करके पेरिस खेलों के लिए व्यक्तिगत कोटा जीता था। अंकिता ने रविवार को फिलीपींस की गैब्रियल मोनिका बिडौर को हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। साथ ही अगले महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए महिला वर्ग में व्यक्तिगत कोटा हासिल कर लिया।

नौवीं वरीय अंकिता ने प्री क्वार्टर फाइनल में 40वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी गैब्रियल पर 6-0 (26-23, 28-22, 28-23) से जीत हासिल की। भारत ने इस तरह पुरुष और महिला दोनों वर्गों में व्यक्तिगत कोटा हासिल कर लिया है। धीरज बोम्मादेवरा ने इससे पहले एशियाई क्वालीफाइंग चरण से पुरुष व्यक्तिगत कोटा हासिल किया था। इससे पहले अंकिता ने इजराइल की शेली हिल्टन को 6-4 (24-26, 25-25, 28-20, 25-25, 27-25) और मिकाएला मोशे को 7-3 (28-25, 25-27, 27-27, 28-25, 26-25) से हराकर अंतिम 16 में जगह बनायी थी। अब वह क्वार्टरफाइनल में ईरान की शीर्ष वरीय मोबिना फलाह से भिड़ेंगी। व्यक्तिगत कोटे शीर्ष आठ देशों को दिए जाते हैं। प्रत्येक देश को एक व्यक्तिगत कोटा मिलता है।

दीपिका को मिली अप्रत्याशित हार

रैंकिंग राउंड में शीर्ष पर रहने वाली दीपिका कुमारी को पहले ही मुकाबले में अजरबैजान की यावलागुल से 4-0 की बढ़त के बावजूद 4-6 से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। भजन ने सेमीफाइनल में माल्डोवा की अलेक्जांद्रा मिर्का को 6-2 से हराया था। भजन का कोटा मिलने से पेरिस ओलंपिक में भारत का मिश्रित स्पर्धा में भी खेलना तय हो गया है। धीरज और भजन की जोड़ी यहां उतर सकती है। हालांकि भारत के पास अभी पुरुष और महिला वर्ग में टीम का कोटा हासिल करने का मौका है। भारत अपनी रैंकिंग पर कायम रहा तो 24 जून को उसे दोनों वर्गों में टीम कोटा मिल सकता है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में भाजपा सरकार ने कितने फीसदी वादे किए पूरे? सीएम भजनलाल शर्मा ने बताया

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में भाजपा सरकार ने अब तक कितने वादे पूरे कर दिए हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने लोगों से संकल्प पत्र में किए 45 फीसदी वादों को पूरा कर दिया है। नीतियों और योजनाओं के माध्यम से युवा, किसान, महिलाओं का सशक्तिकरण और गरीब कल्याण करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री रविवार को किशनगढ़ में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। किसान कल्याण केन्द्र सरकार की प्राथमिकता रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल में अजमेर से सांसद भागीरथ चौधरी को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री के रूप में अहम जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि चौधरी किसानों के आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण की अहम जिम्मेदारी को पूर्ण सफलता के साथ निभाएंगे। राज्य सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने पूर्वी राजस्थान की जल आवश्यकता को देखते हुए पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के कार्य को गति प्रदान की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता एवं दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक प्रकरणों से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मौजूदा सरकार ने इस पर अंकुश लगाने एवं दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। राजस्थान सरकार ने 100 दिवस की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाकर प्रदेश एवं आमजन के हित में विभिन्न जनकल्याणकारी फैसले लिए हैं, जिनसे आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना साकार होगी।

कोलकाता में भाजपा दफ्तर के बाहर मिला बम? मचा हड़कंप

कोलकाता , एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में कल रात बीजेपी दफ्तर में बम जैसी चीज मिलने के बाद हड़कंप मच गया। हालांकि बम निरोधक दस्ते ने जांच के बाद यह जानकारी दी कि वह संदिग्ध चीज बम नहीं थी। बम मिलने की सूचना के बाद कोलकाता पुलिस के बम निरोधक दस्ते की टीम और डॉग स्क्वायड यहां पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक एक साजिश के तहत बम जैसी चीज को रस्सी में लपेटकर सड़क के बीच रख दिया गया था और इसे बम बताया गया था। पुलिस घटना के बाद छानबीन कर रही है। स्थानीय पुलिस सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस अफवाह के पीछे की वजह पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान हुए हिंसा की जांच के लिए बनाई गई टीम को डराना था। गौरतलब हो कि लोकसभा चुनावों में पश्चिम हुई हिंसक घटनाओं की जांच के लिए बीजेपी ने चार सदस्यों की एक समिति का गठन किया है। समिति में पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देब, बृजलाल और कविता पाटीदार शामिल हैं। रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए रविशंकर प्रसाद ने चुनाव पूरे देश में हुए, लेकिन हिंसा की खबरें सिर्फ पश्चिम बंगाल से ही आईं। उन्होंने कहा, पूरे देश में चुनाव होते हैं, लेकिन चुनाव के बाद सिर्फ बंगाल में ही हिंसा क्यों होती है? यहां ग्राम पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान भी हिंसा हुई थी। आज फिर हिंसा की खबरें आई है। उन्होंने आगे कहा, क्या वजह है कि हमारे कार्यकर्ता डरे हुए हैं, लोग डरे हुए हैं।

गुरुग्रामवासियों की बल्ले-बल्ले, नए बिजलीघर से 100 कॉलोनियों और सेक्टरों में सुधरेगी पावर सप्लाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच गुरुग्रामवासियों के लिए राहत भरी खबर आई है। गुरुग्राम के 100 कॉलोनियों और सेक्टरों के निवासियों को जुलाई माह में अघोषित बिजली कटौती से राहत मिल जाएगी। हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम (एचवीपीएन) अधिकारियों के मुताबिक, सेक्टर-15 के पार्ट दो स्थित 220 केवीए बिजली सब-स्टेशन को 15 जुलाई तक शुरू कर दिया जाएगा।

इसके शुरू होने के बाद सेक्टर-52, 56, बादशाहपुर और दौलताबाद के 220 केवीए सब-स्टेशन पर बिजली का भार कम हो जाएगा। इसके बाद बिजली की समस्या खत्म हो जाएगी। एचवीपीएन ने करीब 52 करोड़ रुपये की लागत से इस सब-स्टेशन को तैयार कर लिया है, लेकिन सेक्टर-72 स्थित 400 केवीए बिजली सब स्टेशन से इस सब-स्टेशन को जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। मेदांता अस्पताल के आसपास हाईटेंशन टावर खड़े

किए जा रहे हैं। एचवीपीएन की 31 मई तक इस सब-स्टेशन का संचालन करने की योजना थी, लेकिन निर्माणाधीन एजेंसी के धीमी गति से काम करने के कारण इस समयावधि को बढ़ाना पड़ा है। अब दावा किया जा रहा है कि जुलाई माह के मध्य में यह सब-स्टेशन शुरू कर दिया जाएगा।

इस सब-स्टेशन के बनने के बाद दौलताबाद सब-स्टेशन को सबसे अधिक राहत मिलेगी। सेक्टर-21, 22, 23, पालम विहार, उद्योग विहार एरिया को सेक्टर-15 के बिजली सब-स्टेशन से बिजली मिलना शुरू हो जाएगी। ऐसा होने के बाद दौलताबाद सब-स्टेशन से ओल्ड गुरुग्राम की करीब 50 से अधिक कॉलोनियों को पर्याप्त मात्रा में बिजली मिल जाएगी। सेक्टर-81 से 115 तक विकसित रिहायशी और व्यवसायिक इलाकों को भी फायदा मिलेगा। इस तरह सेक्टर 15, 16, 17, 31, 32, झाड़सा की बिजली को बादशाहपुर सब-स्टेशन से नए सब-स्टेशन पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। इससे बादशाहपुर सब-स्टेशन पर बिजली का भार कम हो जाएगा। सेक्टर-52 और सेक्टर-56 के बिजली सब-स्टेशन को भी राहत मिल जाएगी। सेक्टर-52 के सब-स्टेशन से बिजली भार कम होने से आरडी सिटी और वजीराबाद को फायदा मिलेगा। आरडी सिटी कॉलोनी के निवासी तो पिछले एक महीने से बिजली के अघोषित कट का सामना कर रहे हैं। पिछले सप्ताह तो रात-रातभर इस कॉलोनी में बिजली सप्लाई गुल रही। परेशान होकर कुछ लोग तो होटल में जाकर रात बिताने को मजबूर हो गए। इस तरह गांव वजीराबाद की 50 प्रतिशत आबादी ने बिजली कटौती का सामना किया। सुशांत लोक-दो-तीन में सेक्टर-56 के बिजली सब-स्टेशन से सप्लाई होती है। कभी केबल फुंकने तो कभी ट्रांसफार्मर में खराबी के चलते इस कॉलोनी के 10 हजार परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गुरुग्राम सेक्टर-82 से 84 तक विकसित वाटिका सिटी में बिजली की अघोषित कटौती को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त ने वाटिका ग्रुप को नोटिस जारी किया है। उनसे 33 केवीए बिजली सब-स्टेशन का संचालन अब तक नहीं होने को लेकर जवाब-तलब किया है। बीते सप्ताह वाटिका सिटी के निवासियों ने जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव से मुलाकात की थी। उन्हें बताया था कि 11 केवीए केबल से गांव गढ़ी हरसरू स्थित 66 केवीए बिजली सब-स्टेशन से बिजली आती है। 11 केवीए केबल भी अब खस्ता हाल हो चुकी है। बिल्डर ने 33 केवीए के बिजली सब-स्टेशन बनाने हैं,।

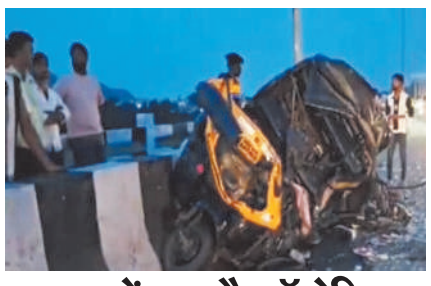

नागपुर में बस और ऑटोरिक्शा की जोरदार टक्कर, सेना के 2 जवानों की मौत और 6 घायल

नागपुर , एजेंसी। महाराष्ट्र में नागपुर के निकट रविवार शाम बस और ऑटोरिक्शा के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में सेना के 2 जवानों की मौत हो गई और 6 अन्य घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शाम करीब 5 बजे कैम्पटी शहर के पास कन्हा नदी पुल पर हुई दुर्घटना में ऑटो चालक को भी गंभीर चोटें आई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। नागपुर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 7 घायल व्यक्तियों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑटो में सवार 8 जवानों में से विघ्नेश और धीरज राय ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि अन्य घायल जवानों की पहचान दीन प्रधान, कुमार पी, शेखर जाधव, अरविंद, मुरुगन और नागरत्नम के रूप में हुई है। उसने बताया कि कैम्पटी के एक अस्पताल में भर्ती कुमार पी और नागपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इलाज करा रहे नागरत्नम की हालत गंभीर है।

गन्ने के जूस में थूक कर ग्राहकों को दे रहे थे दुकानदार

नोएडा एजेंसी। नोएडा सेक्टर 121 में स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी के पास गन्ने के जूस में थूक कर लोगों को देने का मामला सामने आया है। नोएडा पुलिस ने इस शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

क्षितिज भाटिया ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-121 के गढ़ी चौखंडी गांव के पास स्थित क्लियो काउंटी सोसाइटी में रहते हैं। वह शनिवार शाम पत्नी के साथ सोसाइटी के गेट नंबर एक के बाहर गन्ने के जूस की दुकान पर गए थे। वहां उन्होंने दो ग्लास गन्ने के जूस का ऑर्डर किया। उनका आरोप है कि जूस विक्रेता ने जूस के ग्लास में तीन से चार बार थूककर उन्हें जूस दिया। इसका विरोध करने पर आरोपी ने उनके साथ अभद्रता की। विरोध बढ़ने पर आरोपी अपना जूस का स्टॉल छोड़कर वहां से भाग गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए दो लोगों को थूक मिलाकर जूस बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

केदारनाथ आपदा 2013 के 1 दशक के बाद भक्तों का हुजूम, बदलावों के साथ दर्शन का बढ़ा क्रेज

देहरादून , एजेंसी। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के वक्त शायद ही किसी ने सोचा होगा कि केदारपुरी में फिर से रौनक दिखेगी। आपदा के बाद एक-दो साल तक ऐसा नजर भी आया, लेकिन अब लगभग एक दशक बाद न सिर्फ केदारपुरी नई आभा और दिव्यता के साथ उभर रही है। वहीं श्रद्धालुओं की संख्या भी ढाई गुना तक बढ़ गई।

इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि इस साल 16 जून तक केदारनाथ में 8.88 लाख श्रद्धालु आ चुके हैं। जबकि आपदा के साल इस दरमियान 3.33 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। आपदा से पहले 2012 में 5.73 लाख श्रद्धालु पूरे साल पहुंचे थे।

यह संख्या इस साल केदारनाथ में शुरुआत के दिनों में ही पार हो गई थी। आपदा के बाद 2014 में जरूर संख्या घटी थी, तब मात्र 40 हजार श्रद्धालु केदारनाथ आए थे। इसके बाद साल दर साल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी। 2023 में संख्या 19. 28 लाख

पहुंच गई थी। केदारनाथ में रविवार शाम 7 बजे तक 8,87,883 यात्रियों ने दर्शन किए। पिछले 11 सालों में केदारनाथ मंदिर में आए नए बदलावों ने तीर्थस्थल को नया रूप दे दिया है। बाबा केदार के दर्शन को भक्तों की भारी भीड़ है।

दिव्य शिला बनी आस्था का नयाआपदा के दौरान आई बाढ़ ने केदारपुरी में हर तरफ तबाही मचा दी थी, लेकिन बाबा केदार के मंदिर का बाल भी बांका न हुआ। दरअसल बाढ़ के दौरान ही एक विशाल शिला ठीक मंदिर के पीछे कवच बनकर आ गई थी।

ग्यारह साल की अवधि में केदारनाथ मंदिर परिसर की तस्वीर भी पूरी तरह से बदल गई है। आदि गुरु शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा, ओम का भव्य ढांचा परिसर में अलग ही भव्यता दे रहा है।

परिसर में यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था बढ़ी

केदारनाथ क्षेत्र में यात्रियों के ठहरने की क्षमता में भी लगातार सुधार हुआ है। वर्तमान में केदारनाथ में 10 हजार तक यात्रियों के ठहरने की क्षमता विकसित की जा चुकी है। टेंट कॉलोनी की वजह से इसमें सुधार आया है। एक अनुमान के अनुसार आपदा से पहले जहां घोड़े-खच्चर वालों का कारोबार 20 से 25 करोड़ रुपये तक ही रहता था। वो अब बढ़कर एक अरब रुपये से भी ज्यादा का हो चुका है। पिछले साल100 करोड़ की कमाई हुई।

ट्रंप ने किया इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का वादा

बाइडन को दी दिमाग का टेस्ट कराने की सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप में कड़ी टक्कर है। दोनों उम्मीदवार एक दूसरे पर जमकर निशाना साधते रहते हैं। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ने मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन पर तंज कसते हुए दावा किया कि वह फिर से सत्ता में आते हैं तो देश के इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाया जाएगा। वहीं, बाइडन को सलाह दी है कि उन्हें दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि, इस दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम गलत बोल गए।

मतदान करने का आह्वान

2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप ने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में फिर से चुने जाते हैं तो सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाएंगे। मिशिगन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप ने समर्थकों से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति के लिए मतदान करने का आह्वान किया।

लोगों के पास दो विकल्प

उन्होंने कहा, नवंबर में हर मतदाता के पास

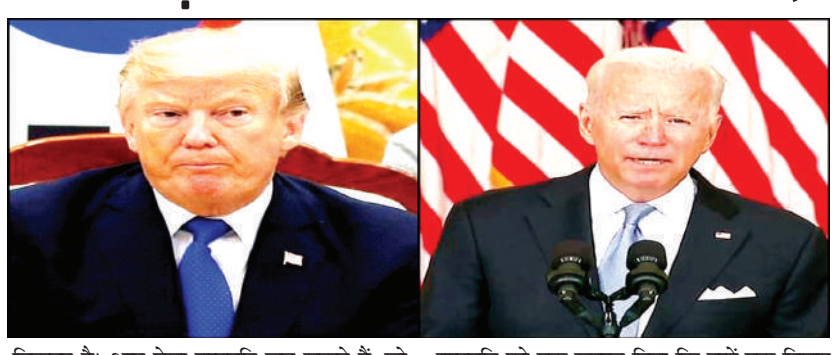

विकल्प है। आप ऐसा राष्ट्रपति चुन सकते हैं, जो हजारों चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को हमारे देश में आने दें। या फिर आप एक ऐसा राष्ट्रपति बना सकते हैं, जो चरमपंथी इस्लामी आतंकवादियों को देश से बाहर निकाल देगा।

ट्रंप ने कहा, मेरे नए प्रशासन के पहले दिन हम अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब रिपब्लिकन खेमा प्रवासियों के हमले को उठाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप और उनके समर्थक चुनाव से पहले ही ऐसा माहौल बना रहे हैं कि डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रवासियों के लिए अमेरिका आना आसान बना दिया है। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मौजूदा राष्ट्रपति को एक सुझाव दिया कि उन्हें एक दिमाग का टेस्ट लेना चाहिए। हालांकि सुझाव के दौरान ट्रंप खुद व्हाइट हाउस के डॉक्टर का नाम भूल गए और डॉक्टर रॉनी जैक्सन को रॉनी जॉनसन कहकर बुलाने लगे। पूर्व राष्ट्रपति ने डेट्रायट में टर्निंग प्वाइंट एक्शन के एक कार्यक्रम में बाइडन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, वह यह भी नहीं जानते कि मुद्रास्फीति शब्द का मतलब क्या होता है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरी तरह संज्ञानात्मक परीक्षण लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, डॉक्टर रॉनी जॉनसन। क्या कोई टेक्सास के सांसद रोनी जॉनसन को जानता है वह व्हाइट हाउस के डॉक्टर थे और उन्होंने महसूस किया था कि मैं इतिहास में सबसे स्वस्थ राष्ट्रपति था। इसलिए मैंने उन्हें वास्तव में बहुत पसंद किया।

दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के जहाज के बीच टक्कर, ड्रैगन ने पूरा आरोप मनीला पर मढ़ा

बीजिंग, एजेंसी। चीन दक्षिण चीन सागर को पूरी तरह से हड़पने के लिए लगातार दूसरे देशों से टकराता रहता है। पिछले कुछ महीनों से चीन और फिलीपींस के तटरक्षक बलों के बीच होने वाली झड़पें खबरों में रही हैं। हालांकि, इस बीच दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास एक चीनी जहाज और एक फिलीपींस के आपूर्ति जहाज के बीच टक्कर होने की जानकारी सामने आई है। चीन के तटरक्षक बल ने बताया कि दक्षिण चीन सागर में विवादित स्प्रैटली द्वीप समूह के पास सोमवार को एक चीनी जहाज और एक फिलीपींस आपूर्ति जहाज टकरा गया। तटरक्षक बल ने आगे बताया कि फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने द्वितीय थॉमस शोल के निकट पानी में प्रवेश किया, जो स्प्रैटली द्वीप समूह में एक जलमग्न चट्टान है। चीनी तटरक्षक बल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीचैट पर कहा कि चीन बार-बार चेतावनी दे रहा था, लेकिन फिलीपींस के आपूर्ति जहाज ने गंभीर चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया। वहीं, एक चीनी जहाज के पास गैर-पेशेवर तरीके से खतरनाक तरीके से पहुंचा, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हो गई। आगे कहा कि इस पूरे मामले का जिम्मेदार फिलीपींस है। हालांकि, फिलीपींस की राजधानी मनीला का कहना है कि यह समुद्री तट, जो उसके तट से 200 समुद्री मील (370 किलोमीटर) से भी कम दूरी पर स्थित है, उसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र में आता है और वह अक्सर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के फैसले का हवाला देता है, जिसने ऐतिहासिक आधार पर दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों को अमान्य कर दिया था। दक्षिण चीन सागर दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है। यह समुद्री मार्ग से व्यापार एवं परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है।

मलावी उपराष्ट्रपति के शोक सभा के दौरान हादसा, काफिले के वाहन ने लोगों को रौंदा

चार की मौत, 12 लोग घायल

लिलोंग्वा, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी अफ्रीकी देश मलावी के उपराष्ट्रपति की विमान हादसे में मौत के बाद आयोजित शोक सभा के दौरान हादसा हुआ है। जानकारी के मुताबिक मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा के पार्थिव शरीर को ले जा रहे काफिले में शामिल एक वाहन ने शोक मना रहे कुछ लोगों को रौंद दिया है। इस हादसे में 4 लोगों की मौत और 12 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार मलावी के मध्य में एक गांव एनटचेउ में मौजूद भीड़ में अनियंत्रित वाहन जा घुसा।

राजधानी लिलोंग्वे से 180 किलोमीटर दक्षिण में चिलिमा के पैतृक गांव एनसिपे में सोमवार को उनका अंतिम संस्कार आयोजित था। इस दौरान कई वाहनों में सैन्य अधिकारी, पुलिस और नागरिक सवार थे। पुलिस के मुताबिक इस हादसे के दौरान पैदल जा रहे दो पुरुष और दो महिलाओं को गाड़ी ने टक्कर मारी,

जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आयी थी, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं इस दौरान करीब 12 लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

मलावी उपराष्ट्रपति के पैतृक गांव में हजारों लोग सौलोस क्लॉस चिलिमा के अंतिम दर्शन के लिए सड़कों पर कतार में खड़े थे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक तरफ भीड़ को बचाने के दौरान वाहन ने दूसरी तरफ मौजूद भीड़ पर चढ़ गया। चिलिमा के पार्टी के प्रवक्ता फेलिक्स नजावाला ने बताया कि रास्ते में कुछ लोग उपराष्ट्रपति के अंतिम दर्शन की मांग कर रहे थे। जिससे रास्ते में तनावपूर्ण माहौल हो गया था। फेलिक्स नजावाला ने आगे बताया कि डेडजा में लोगों ने रास्ते को बाधित किया और उपराष्ट्रपति के अंतिम दर्शन की मांग करने लगे, मौके पर कुछ लोगों की तरफ से काफिले पर पत्थरबाजी भी की गई थी।

बता दें कि मलावी उपराष्ट्रपति सौलोस क्लॉस चिलिमा और अन्य 8 लोगों की 10 जून को एक विमान हादसे में मौत हुई थी। जानकारी के मुताबिक एक सैन्य विमान घने कोहरे में मलावी के चिकंगावा वन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसका मलबा मंगलवार को मिला था। बता दें कि साल 2020 में चिलिमा की पार्टी यूनाइटेड ट्रांसफॉर्मेशन मूवमेंट ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा की मलावी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन किया, और संयुक्त टिकट पर चुनाव लड़ा। वहीं रविवार को राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा विमान हादसे के जांच की मांग की है।

शिकागो के इलिनोइस विश्वविद्यालय के एक छात्र ने अमेरिका, अमेरिकी सरकार और लोकतंत्र को कैंसर कहा

शिकागो, एजेंसी। शिकागो के इलिनोइस विश्वविद्यालय के एक मुस्लिम छात्र ने अमेरिका, अमेरिकी सरकार और लोकतंत्र को कैंसर कह दिया। इसके बाद छात्र को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। कथित तौर पर छात्र ने यह बातें 3 मई, 2024 को दिए गए भाषण के दौरान कही थी। हालांकि वीडियो अब सामने आया है और खूब वायरल हो रहा है। न्यूज आउटलेट स्पक्सल्क के मुताबिक छात्र का नाम मोहम्मद नुसैरत है। नुसैरत की लिंक्डइन प्रोफ़ाइल के मुताबिक वह इलियोनिस विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ़ साइंस - बीएस, डेटा साइंस के साथ कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई कर रहा है। उसने विश्वविद्यालय के मुस्लिम स्टूडेंट एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में दिए गए भाषण में कहा कि, अमेरिका कैंसर है। अमेरिका, अमेरिकी सरकार, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, पूंजीवाद, ये ऐसे कैंसर हैं जिन्होंने अपनी बीमारी पूरी दुनिया में फैलाई है। उसने आगे कहा अब मुसलमान इस कैंसर से थक चुके हैं। वे अमेरिकी सरकार से थक चुके हैं। वे लोकतंत्र से थक चुके हैं। वे जीवन का एक नया तरीका देखना चाहते हैं। और मुसलमानों के रूप में, हमें यह समझना होगा कि हमारे पास जीवन का वह नया तरीका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129